वर्ष 73 ▸ अंक 132 ▸ पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 09 फरवरी, 2026
फाल्गुन कृष्ण पक्ष 08, विक्रम संवत् 2082
नगर ▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

जीवन का एकमात्र अर्थ मानवता की सेवा करना है।
–लियो टॉल्स्टॉय

ऑफ बीट

वैज्ञानिकों का दावा

इंसानी मल से कैंसर के इलाज की उम्मीद

कैंसर के इलाज को लेकर दुनिया भर में लगातार नए प्रयोग हो रहे हैं। इसी कड़ी में कनाडा के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा तरीका विकसित किया है, जिसे सुनकर लोग चौंक सकते हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि इंसानी मल से तैयार किए गए खास कैप्सूल कैंसर के इलाज में बेहद कारगर साबित हो सकते हैं। इस तकनीक को वैज्ञानिक भाषा में फीकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांट कहा जा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, स्वस्थ इंसान के मल में मौजूद गुड बैक्टीरिया को अलग किया जाता है। इसके बाद मल को फ्रीज-ड्राई किया जाता है, यानी नमी हटाकर सुखाया जाता है। फिर इसे कैप्सूल या गोली के रूप में तैयार किया जाता है, ताकि मरीज इसे आसानी से निगल सकें। यह कैप्सूल दिखने में सामान्य दवा की तरह ही होता है, लेकिन इसके अंदर मौजूद सूक्ष्म जीव शरीर के इम्यून सिस्टम पर गहरा असर डालते हैं। कैप्सूल सीधे पेट और आंतों तक पहुंचता है और अच्छे बैक्टीरिया की संख्या बढ़ाता है।

टी-20 वर्ल्ड कप में आज

स्कॉटलैंड बनाम इटली
समय : सुबह 11.00 बजे से

जिम्बाब्वे बनाम ओमान
समयः दोपहर 3.00 बजे से

दक्षिण अफ्रीका बनाम कनाडा
समयः शाम 7.00 बजे से

प्रसारणः जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स

भारत-मलेशिया संबंधः सेमीकंडक्टर से डिजिटल पेमेंट और एआई तक रिश्तों को मिली नई रफ्तार

छह बड़ी डील पर मुहर, उभरती तकनीकों और भविष्य की अर्थव्यवस्था पर फोकस

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की मौजूदगी में भारत और मलेशिया के बीच छह अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। कुआलालंपुर में हुई इस उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठक को दोनों देशों के रिश्तों में एक नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है। इन समझौतों के जरिए व्यापार, डिजिटल भुगतान, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रक्षा, सुरक्षा, संस्कृति और जन-स्तरीय संपर्क जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की दो दिवसीय मलेशिया यात्रा के दौरान हुई बातचीत में यह साफ दिखा कि दोनों देश पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर उभरती तकनीकों और भविष्य की अर्थव्यवस्था पर फोकस कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा भारत-मलेशिया की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम पड़ाव साबित हुई है। सेमीकंडक्टर और एआई जैसे क्षेत्रों में सहयोग को खास अहमियत दी गई है। वैश्विक सप्लाई चेन में सेमीकंडक्टर की रणनीतिक भूमिका को देखते हुए भारत और मलेशिया ने इस सेक्टर में मिलकर निवेश, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने पर सहमति जताई है। माना जा रहा है कि इससे दोनों देशों को तकनीकी आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 'लोगों के जीवन को सरल बनाने वाला कदम' बताया और कहा कि किसी भी साझेदारी की असली सफलता तभी मानी जाती है, जब उसका लाभ आम नागरिकों तक पहुंचे। थिरुवल्लुर केंद्र का उद्देश्य महान तमिल कवि और दार्शनिक थिरुवल्लुवर की शिक्षाओं को बढ़ावा देना और भारत-मलेशिया के बीच सांस्कृतिक व जन-स्तरीय संबंधों को और गहरा करना है। वहीं शिक्षा क्षेत्र में न सिर्फ शैक्षणिक संबंध मजबूत होंगे, बल्कि स्वास्थ्य पर्यटन को भी नई दिशा मिल सकती है।

छह बड़ी डील करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मलेशिया के प्रधानमंत्री इब्राहिम।

इन क्षेत्रों में हुईं बड़ी डील

यात्रा के दौरान जिन छह प्रमुख समझौतों और सहमति पत्रों (एमओयू) पर मुहर लगी, उनमें सुरक्षा सहयोग, सेमीकंडक्टर विकास, डिजिटल भुगतान, स्वास्थ्य एवं पारंपरिक चिकित्सा, आपदा प्रबंधन और भ्रष्टाचार-रोधी सहयोग शामिल हैं। इसके अलावा ऑडियो-विजुअल सह-निर्माण, व्यावसायिक शिक्षा और मलेशिया में काम कर रहे भारतीय श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़े समझौते भी किए गए।

निवेश को मिलेगा बढ़ावा

10वें भारत-मलेशिया सीईओ फोरम की रिपोर्ट भी दोनों प्रधानमंत्रियों को सौंपी गई। इसमें व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने के सुझाव दिए गए हैं। वर्ष 2025 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 18.59 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जिसे और बढ़ाने की काफी संभावनाएं बताई गई हैं। स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा देने पर भी सहमति बनी है, जिससे डॉलर पर निर्भरता कम होगी।

थिरुवल्लुवर केंद्र और नया वाणिज्य दूतावास

इस यात्रा के दौरान सांस्कृतिक और शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करने के लिए भी अहम घोषणाएं की गईं। प्रधानमंत्री मोदी ने मलेशिया विश्वविद्यालय में थिरुवल्लुवर केंद्र स्थापित करने और थिरुवल्लुवर छात्रवृत्तियों की शुरुआत की घोषणा की।

- साथ ही भारत ने मलेशिया के कोटा किनाबालू में नया वाणिज्य दूतावास (कॉन्सुलेट) खोलने का फैसला किया है।
- स्वास्थ्य और पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। यूनिवर्सिटी ऑफ साइबरजया और आईटीआरए जामनगर के बीच हुए समझौते से आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा में रिसर्च, शिक्षा और एक्सचेंज प्रोग्राम को बढ़ावा मिलेगा।
- दोनों देशों ने छात्रों के आदान-प्रदान, कौशल विकास और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने की बात कही है।

आतंकवाद पर दोहरा मापदंड नहींः मोदी

संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद पर भारत का रुख साफ शब्दों में रखा। उन्होंने कहा, 'आतंकवाद के मामले में कोई दोहरा मापदंड नहीं हो सकता, कोई समझौता नहीं।' दोनों देशों ने आतंकवाद-रोधी कार्रवाई, खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। रक्षा सहयोग को भी अधिक व्यापक बनाने की बात कही गई।

सस्ते, सुरक्षित डिजिटल भुगतान का विकल्प

इसी तरह भारत और मलेशिया के बीच हुए समझौते के तहत डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए एनपीसीआई इंटरनेशनल (एनआईपीएल) और मलेशिया की पेनेट के बीच डिजिटल भुगतान सहयोग पर सहमति बनी है। इसके तहत भारत के यूपीआई सिस्टम को मलेशिया में जोड़ने की योजना है। इससे दोनों देशों के पर्यटकों, छात्रों और व्यापारियों को सस्ता, तेज और सुरक्षित डिजिटल भुगतान का विकल्प मिलेगा। रेमिटेंस और सीमा-पार लेनदेन भी आसान होंगे, जिससे पर्यटन और व्यापार को सीधा फायदा होने की उम्मीद है। हाल ही में यूरोपीय यूनियन से हुए मुक्त व्यापार समझौते और अमेरिका के साथ ट्रेड डील के बाद यह भारत का तीसरी बड़ी डील है।

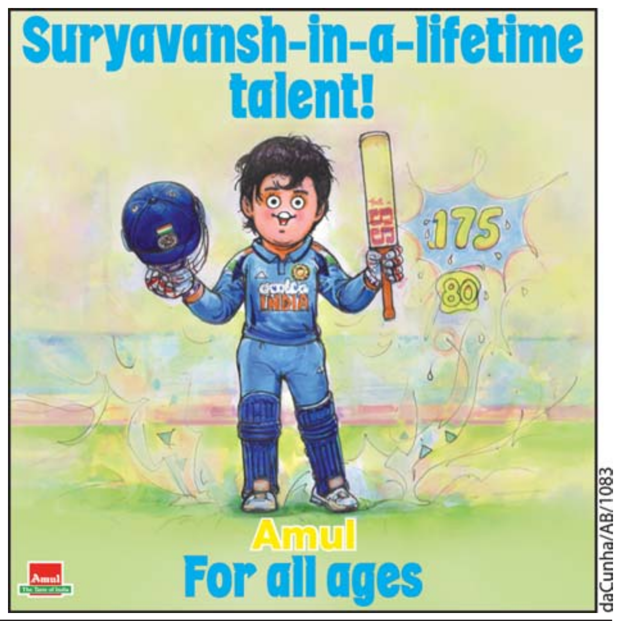

इंदौरः पत्थर से कुचल कर युवती की हत्या

लिव इन पार्टनर पर शक, पुलिस ने लिया हिरासत में

जागरण, इंदौर। लिव इन में रह रही इटारसी की एक युवती की उसके लिव इन पार्टनर ने ही पत्थर से कुचल कर हत्या कर दी। रविवार सुबह राहगीगरों को सुगनीदेवी कॉलेज परिसर में युवती गंभीर हालत में मिली थी। राहगीरों ने देख उसे एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी लिव इन पार्टनर को हिरासत में ले लिया है।

युवती मूल रूप से इटारसी की निवासी है, लेकिन पिछले कई सालों से इंदौर में रह रही थी। फिर तीन पुलिया निवासी मुकेश कोरी 45 से पहचान होने के बाद 4-5 दिन पहले ही उसके साथ रहने आई थी। युवती का पूरा खर्च आरोपी मुकेश ही उठाता था। युवती के हाथों और शरीर पर कई टैटू बने हैं और शरीर पर ब्लेड से काटने के निशान भी पाए गए हैं। पुलिस के मुताबिक शनिवार शाम भी दोनों साथ थे। उन्होंने परदेशीपुरा से अवैध शराब खरीदी और दोनों ने कॉलेज परिसर में बैठकर शराब पी। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद हो गया और शराब के नशे में आरोपी ने हत्या की नीयत से युवती के मुंह पर भारी पत्थर से वार कर दिए और मौके से फरार हो गया। युवती की मौत के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल लिया। बताया जाता है कि आरोपी को शक था कि युवती का किसी अन्य युवक के साथ भी संबंध हैं। इसी बात को लेकर शराब पीने के दौरान दोनों के बीच कहासुनी हो गई। दोनों ही शराब के आदी बताए जा रहे हैं।

आरोपी

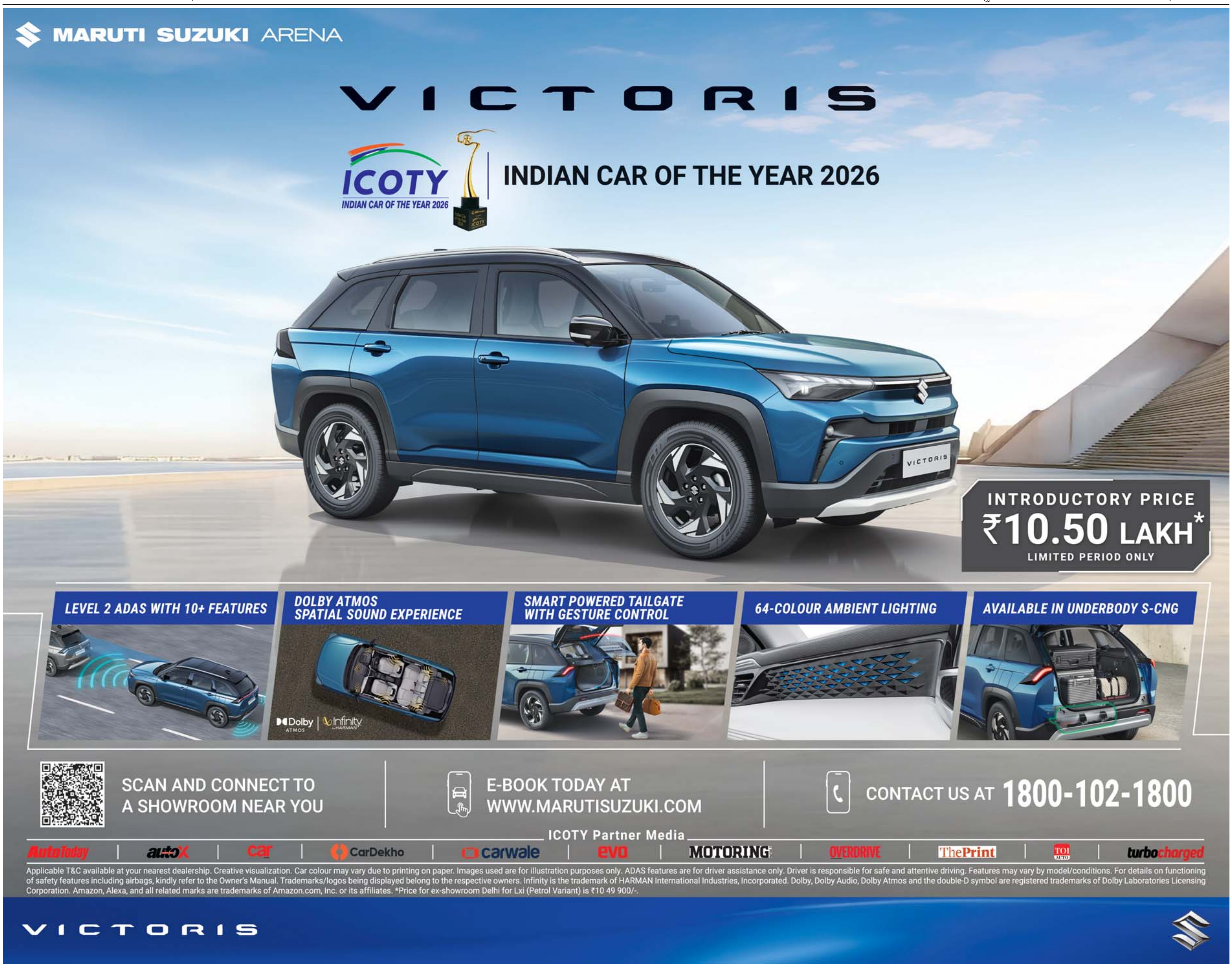

नेपाल के खिलाफ उलटफेर से बचा इंग्लैंड (पेज : 11)

बायपास में मेन राइजिंग पाइप क्षतिग्रस्त होने से पानी सप्लाई बंद

जागरण, रीवा। बायपास सड़क के निर्माण के दौरान बीहर नदी से विश्व विद्यालय फिल्टर प्लांट के लिए बिछाई गई पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो जाने से शहर के आधा दर्जन पेयजल टंकियों से पानी की सप्लाई अचानक बंद हो गई है। बायपास सड़क का निर्माण कर रही केसीसी कंपनी की लापरवाही से बीहर में बने इंटकवेल से विश्वविद्यालय फिल्टर प्लांट तक पानी नहीं पा रहा है। बराकोठार प्लांट इंटेकवेल से आने वाली मेन राइजिंग पाइप को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है जिसके कारण बराकोठार वाटर फिल्टर प्लांट को बंद कर दिया गया है। कैलाशपुरी, तुलसी नगर, आइ.टी.आई., सिविल लाइन, सैनिक स्कूल, इंजीनियरिंग कॉलेज, यूनिवर्सिटी टंकियां प्रभावित रहेगी।

अजा वर्ग के लोगों को कांग्रेस से जोड़ने चलेगा अभियान

कांग्रेस कार्यालय में हुई बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

जागरण, रीवा। जिला कांग्रेस कार्यालय, रीवा में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की संगठनात्मक बैठक रविवार को सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य अनुसूचित जाति विभाग के संगठन को सशक्त बनाना एवं समाज के लोगों को जागरूक कर अधिक से अधिक संख्या में कांग्रेस पार्टी से जोड़ना रहा, ताकि पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती मिल सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रीवा एवं मऊगंज के प्रभारी अनिल कुमार वर्मा, उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ओबीसी राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर कुंवर सिंह, अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष बृजलाल बौद्ध , जिला अध्यक्ष खेमराज साकेत, शहर अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू, राजहंस, रामबहोर साकेत सहित अन्य पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में वक्ताओं ने संगठन को मजबूत करने, जनसम्पर्क बढ़ाने और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की है।

पुराने न्यायालय भवन में फिर बढ़ेगी चहल-पहल

रीवा में खुलेगी एनजीटी की लिंक कोर्ट!

औद्योगिक व श्रम न्यायालय इसी माह होंगे शिफ्ट, रेवेन्यू बोर्ड की लिंक कोर्ट को भी पुराने न्यायालय भवन में शिफ्ट करने की चर्चा

जागरण, रीवा

सिविल व फौजदारी न्यायालय के नवीन भवन में शिफ्ट होने के बाद पुराने न्यायालय परिसर की चहल पहल खत्म हो गई थी लेकिन अब फिर रौनक आने वाली है। जल्द ही पुराने न्यायालय में कई न्यायालयों की शाखा खुलने की चर्चा जोरों पर है। खासतौर से एनजीटी (राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण) की लिंक कोर्ट खुलने की चर्चा जोरों पर है। ज्ञात हो कि पर्यावरण संबंधी मामलों को लेकर अभी भोपाल जाना पड़ता था क्योंकि एनजीटी न्यायालय केवल भोपाल है। रीवा में लिंक कोर्ट खुलने से कई जिलों के मामलों की सुनवाई रीवा में होने की संभावना है। इसके साथ ही कमिनरी में एक कमरे में चल रही रेवन्यू बोर्ड की लिंक कोर्ट को भी पुराने न्यायालय भवन में संचालित किए जाने की संभावना है। इन न्यायालयों के पुराने न्यायालय भवन में संचालन से एक बार फिर जिला न्यायालय का पुराना परिसर गुलजार हो जायेगा। ज्ञात हो कि अभी काफी संख्या में नोटरी व अन्य अधिवक्ता यहीं पर बैठते हैं।

इसी महीने शिफ्ट होंगे श्रम व औद्योगिक न्यायालय

जिला न्यायालय के पुराने भवन में औद्योगिक न्यायालय व श्रम न्यायालय का शिफ्ट किए जाने को आदेश हो चुका है। जल्द ही यह दोनों कोर्ट जिला अदालत में शिफ्ट किए जायेंगे। चर्चा है कि फरवरी महीने में ही इन दोनो न्यायालयों को शिफ्ट किया जा सकता है।

किसोर न्यायालय को भी पुराने भवन में लाने की चर्चा : लोगों की माने तो किसोर न्याय बोर्ड को भी जिला न्यायालय के पुराने भवन में शिफ्ट करने की चर्चा है। बता दें कि अभी किसोर बोर्ड, श्रम न्यायालय व औद्योगिक न्यायालय किराए के भवनों में संचालित हो रहे हैं। शासकीय भवन मिलने से खर्च में कटौती होगी। इसके साथ ही एक ही परिसर में अधिवक्ताओं को पैरवी करने का मौका मिलेगा। जिससे उन्हें आवाजाही से राहत मिलेगी।

अल्प प्रवास पर रीवा पहुंचे मुख्यमंत्री

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शहडोल जिले के प्रवास के उपरांत हेलीकाप्टर द्वारा रीवा एयरपोर्ट पहुंचे। तदुपरांत वायुयान द्वारा भोपाल रवाना हो गये। मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल भी भोपाल रवाना हुये। रीवा एयरपोर्ट में कलेक्टर प्रतिभा पाल, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष डॉ अजय सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

नैकहाई में स्वरूपा द्वार निर्माण का न्यायमूर्ति अजीत सिंह ने किया भूमिपूजन

नैकहाई युद्ध के वीर बलिदानियों को याद किया गया

जागरण, रीवा। जिले के ऐतिहासिक अमर वीर बलिदानियों के संग्राम तीर्थ नैकहाई में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी स्थापना दिवस पर पुण्य स्मरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नैकहाई युद्ध के वीर बलिदानियों को याद किया गया एवं वक्ताओं द्वारा लोगों को उनके शौर्य की गाथा सुनाई गई। नैकहाई संग्राम तीर्थ की स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अजीत सिंह एवं पूर्व न्यायाधीश अरुण कुमार सिंह द्वारा स्वरूपा द्वार के निर्माण का भूमिपूजन किया गया। अतिथियों द्वारा नैकहाई संग्राम तीर्थ स्थल में विकसित छतुरियों का अवलोकन किया गया। आसपास के कई ग्रामों के वरिष्ठ नागरिक अमर वीर बलिदानियों के वंशज कार्यक्रम में शामिल रहे। भूमिपूजन के बाद संयोजक समाजसेवी लाल बहादुर सिंह एवं भाजपा नेता राजगोपाल मिश्रा चारी द्वारा हवन का कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर ब्रम्हा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बीके सतेन्द्र द्वारा वीर बलिदानियों की शौर्य का वर्णन करते हुए लोगों को नशे से दूर रहने की सलाह दी गई। अचानक धारकुंडी महाराज जी के परलोक गमन के कारण उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल कार्यक्रम में नहीं पहुंच पाए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आदित्य प्रताप सिंह भैया महसांव, कुवर रवि रंजन सिंह, पूर्व डीएसपी आरके सिंह बघेल, राजू सिंह बघेल, देवेंद्र प्रताप सिंह ज्ञान पूर्व सरपंच डिहिया उर्फ नरसिंहपुर, नरेंद्र मिश्रा पूर्व सरपंच डिहिया उर्फ नरसिंहपुर, महेंद्र सिंह रायपुर कर्चुलियान, रमेश सिंह चंदेल उलही, एडवोकेट प्रभाकर सिंह, राघवेंद्र सिंह, अभिमन्यु सिंह, पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, लिटिल, धीरेंद्र प्रताप सिंह, नागेंद्र कुमार सोनी, रमेश सिंह करचुली, शिव बहादुर सिंह, देवेंद्र सिंह, दलवीर सिंह, त्रिसूल सिंह, आदित्य पटेल, बघेली कवि राम लखन सिंह महगना, अरूण सिंह सहित सैकड़ों की तादाद पर अमर वीर बलदानियों के वंशज शामिल रहे।

अमेरिका ट्रेड डील का विरोध, फूंके पुतले

रीवा। संयुक्त किसान मोर्चे के राष्ट्रीय आहवान मुताबिक अमेरिकी भारत व्यापार ट्रेड डील का रीवा के किसान गांव-गांव मोदी ट्रंप के पुतले दहन कर विरोध कर रहे हैं। रीवा के रतहरा में किसान संघर्ष समिति के प्रदेश सचिव संतकुमार पटेल सेमरिया के ग्राम बधरी में बीकेयू टिकैत तहसील अध्यक्ष शिवमंगल सिंह की अगुवाई में किसानों ने मोदी ट्रंप के पुतले दहन कर कड़ा विरोध जताया है। दौरान विरोध पुतला दहन मोर्चे के नेता अखिलेश पटेल, शशि सिंह, कमलेश्वर पटेल, सुनीता पटेल, अनिल पटेल, भागीरथी पटेल, वीरभद्र सिंह महासचिव चंद्रभान सिंह सहित काफी संख्या में किसान उपस्थिति रहे। मोर्चे के नेता शिव सिंह ने कहा कि यह भारत अमेरिकी व्यापार डील अमेरिका की नवीन ईस्ट इंडिया कंपनी से डील है जो देश के किसानों एवं आम आवाम के लिए खतरा है। सीधी और सतना में भी विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है।

रजिस्ट्री के लिए अब अनिवार्य होगा रेरा का पंजीयन नंबर

बिल्डरों की मनमानी, धोखाधड़ी एवं अवैध कॉलोनियों की बसाहट पर लगेगी लगाम

जागरण, रीवा। प्रदेश में रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता लाने और उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी से बचाने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। अब प्रदेश में किसी भी बिल्डर या डेवलपर को फ्लैट या मकान बेचने से पहले सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट करना होगा कि उसके प्रोजेक्ट का भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) में पंजीयन है या नहीं। नई व्यवस्था के तहत अब बिक्रय अनुबंध में रेरा पंजीयन नंबर दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। राज्य सरकार के इस निर्णय से अवैध कालोनियों की बसाहट एवं धोखाधड़ी पर लगाम लगेगी। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए इस नियम को कड़ाई से लागू किया जा रहा है। यदि किसी संपत्ति के बिक्रय अनुबंध में रेरा पंजीयन नंबर का उल्लेख नहीं होगा, तो उप रजिस्ट्रार उस संपत्ति की रजिस्ट्री करने से मना कर सकेगा। इस कदम से उन बिल्डरों पर रोक लगेगी जो अब तक उपभोक्ताओं को धोखे में रखकर बिना पंजीयन के ही मकान या फ्लैट बेच देते थे।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों में कई बिल्डर रेरा नियमों की अनदेखी कर मनमाने ढंग से कॉलोनियां विकसित कर रहे हैं। बिना पंजीयन के बेचे गए इन मकानों के कारण बाद में उपभोक्ताओं को मूलभूत सुविधाओं और मालिकाना हक के लिए कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हालांकि, नियमों के उल्लंघन पर रेरा द्वारा भारी जुर्माने का प्रावधान है, लेकिन इसके बावजूद कई बड़े प्रोजेक्ट बिना पंजीयन के ही पूरे कर लिए जाते हैं। अब रजिस्ट्री के स्तर पर ही रेरा नंबर की अनिवार्यता से इस खेल पर लगाम लगेगी। मप्र भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के विशेष सचिव राजेश बहुगुणा ने बताया कि बिल्डर अगर बिना रेरा पंजीयन के मकान, फ्लैट विक्रय करता है तो जुर्माने के साथ सजा का भी प्रविधान है। रेरा एक्ट उपभोक्ता के अधिकार सुरक्षित करने के लिए ही बना है। उपभोक्ताओं को भी इसके प्रति जागरूक होना होगा ताकि वे बिना रेरा पंजीयन के संपत्ति न खरीदें।

पंजीयन के आंकड़ों में बड़ा अंतर : रेरा के पास आए आवेदनों के आंकड़े बताते हैं कि बिल्डर अब भी नियमों के पालन में कोताही बरत रहे हैं। वर्ष 2021-22 से अब तक पिछले पांच वर्षों में रेरा के पास कुल 6,323 आवेदन पहुंचे, जिनमें से केवल 3,398 (लगभग आधे) ही स्वीकृत हुए। करीब 981 आवेदनों को निरस्त किया गया है। हर साल 50 से 82 प्रतिशत तक आवेदनों का निराकरण तो हो रहा है, लेकिन स्वीकृत पंजीयन की कम संख्या स्पष्ट करती है कि कई प्रमोटर अब भी बिना वैध अनुमति के निर्माण कार्य कर रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं के बीच विश्वास का संकट बना हुआ है।

हर शहरों में शाखाएं खोलने की आवश्यकता

रियल एस्टेट कारोबार के विस्तार को देखते हुए वर्तमान में प्रदेश के सभी जिलों में रेरा की पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। यही कारण है कि लंबे समय से भोपाल के अलावा इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और रीवा में भी रेरा की शाखाएं खोलने की मांग की जा रही है। उम्मीद है कि नई व्यवस्था और शाखाओं के विस्तार से उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी और रियल एस्टेट बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी।

अमवा स्वास्थ्य शिविर में 150 लोगों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

जागरण, रीवा। रमकी फाउंडेशन एवं डॉ. प्रतिभा सिंह के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के अमवा ग्राम में एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से आये लगभग 150 लोगों की स्वास्थ्य जाँच की गई तथा निःशुल्क दवाइयाँ एवं चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में डॉ. प्रतिभा सिंह एवं डॉ. जयपाल सिंह (दंत चिकित्सक) डॉ आशना सिंह तथा डॉ. सना (स्त्री रोग विशेषज्ञ) द्वारा लोगों का स्वासयि परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य शिविर के साथ पौधारोपण कर ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। डॉ. प्रतिभा सिंह ने बताया कि प्रत्येक शिविर के माध्यम से हर गाँव में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। इस अवसर पर सरपंच, उपसरपंच सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना की।

कृष्णा नगर पीएम आवास निर्माण की धीमी प्रगति पर एसीएस ने जताई नाराजगी

एसीएस संजय दुबे ने नगर निगम की निर्माणाधीन प्रमुख परियोजनाओं का किया स्थल निरीक्षण

जागरण, रीवा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस)संजय दुबे ने रविवार को रीवा प्रवास के दौरान नगर निगम क्षेत्र में संचालित प्रमुख परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। अपर मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत कृष्णा नगर आवासीय परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कारणों की जानकारी ली तथा यह प्रश्न किया कि परियोजना को एज इस व्हेयर बेसिस पर क्यों नहीं किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व निविदाकार की राशि फॉरफेट कर दी गई है तथा शेष कार्य के लिए नई निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर एलओए जारी कर दिया गया है। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग दिव्यांक सिंह, नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि परियोजना को चरणबद्ध तरीके से ब्लॉकवार पूर्ण किया जाए तथा कार्य में गति लाकर शीघ्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए।

जल आपूर्ति कवरेज की ली जानकारी : एसीएस संजय दुबे ने निर्माणाधीन कुठुलिया जल शोधन यंत्र का निरीक्षण किया। निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए मार्च माह तक प्लांट को पूर्ण रूप से ऑपरेशनल करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्लांट परिसर को ग्रीन स्पेस के साथ विकसित करते हुए भविष्य में शैक्षणिक भ्रमण एवं पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर कार्य करने को कहा। इंटेक प्वाइंट पर एल्गी ट्रीटमेंट पर विशेष ध्यान देने तथा शोधन प्रक्रिया की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव ने शहर में जल आपूर्ति कवरेज की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि यह योजना आगामी 30 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर संचालित की जाए। साथ ही पायलट मोड पर एक मॉडल वार्ड/क्षेत्र चिन्हित कर 24 घंटे जल प्रदाय की टेस्टिंग प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

वितरण लाइन पर जल हानि कम करने के निर्देश : एसीएस ने कहा कि रीवा अन्य शहरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करे। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) आधारित एवं डीएमए (डिस्ट्रिक्ट मीटर्ड एरिया) मॉडल पर परीक्षण कर सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। नॉन-रेवेन्यू वाटर की स्थिति की समीक्षा करते हुए टंकी के बाद वितरण लाइन स्तर पर जल हानि कम करने के निर्देश दिए। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम चर्चा के दौरान बताया गया कि रीवा शहर वर्तमान में इसमें सम्मिलित नहीं है। इस पर अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए परियोजना तैयार कर प्रारंभिक स्तर से ही कार्यवाही की जाए।

वर्ष 73 अंक 132 पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 09 फरवरी, 2026
फाल्गुन कृष्ण पक्ष 08, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

जिज्ञासा, साहस से भी अधिक मजबूती से डर पर विजय पा लेती है।
-जेम्स स्टीफंस

संक्षिप्त खबरें

खुले गड्ढे में मौत का मामला
सौरभ भारद्वाज समेत कई आप नेता गिरफ्तार

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के जनकपुरी इलाके में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदे गए खुले गड्ढे में गिरकर 25 वर्षीय कमल ध्यानी की मौत के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इस घटना के विरोध में आम आदमी पार्टी के नेताओं ने रविवार शाम प्रदर्शन किया। इसी दौरान दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज समेत कई आप नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। भारद्वाज ने एक्स पर आरोप लगाया कि हादसे के बाद छह थानों में एफआईआर दर्ज नहीं की गई। उन्होंने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को हटाने की मांग की और कहा कि यह हादसा नहीं, बल्कि 'मर्डर' है। पुलिस ने इस मामले में सब-कॉन्ट्रैक्टर और एक मजदूर को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी है। वहीं, दिल्ली सरकार ने घटना को गंभीर मानते हुए जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित कर जांच के आदेश दिए हैं।

पादरियों के मंदिर प्रवेश संबंधी याचिका खारिज

तिरुवनंतपुरम, जेएनएन। केरल हाईकोर्ट ने हिंदू मंदिर में दो ईसाई पादरियों के प्रवेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि कानून और नियमों की व्याख्या इस तरह नहीं की जानी चाहिए, जिससे विभिन्न धर्मों और समुदायों के बीच वैमनस्य या असहमति फैले। साथ ही हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी कहा कि वह यह विचार करे कि मंदिरों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश को प्रतिबंधित करने वाले नियम को मौजूदा रूप में रखा जाए या उसमें संशोधन किया जाए। यह मामला अदूर स्थित श्री पार्थसारथी मंदिर से जुड़ा है, जो राज्य-संचालित त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के अधीन आता है। एक श्रद्धालु सनील नारायणन नाम्पूथिरी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मंदिर प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। याचिका में कहा गया था कि वर्ष 2023 में मंदिर के निमंत्रण पर दो ईसाई पादरियों को मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई, जो कानून के खिलाफ है।

> कानूनों की व्याख्या ऐसे न की जाए कि समुदायों में वैमनस्य फैले

वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र की 6 योजनाओं में वास्तविक खर्च बजट अनुमान का 10 प्रतिशत से भी कम रहा

9 महीनों में बड़ी योजनाओं पर खर्च महज 40% के आसपास

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन और बजट खर्च को लेकर एक अहम तस्वीर सामने आई है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में सरकार ने बड़ी योजनाओं पर बजट का महज 40 प्रतिशत से थोड़ा अधिक खर्च किया है।

संकेत हैं कि वित्त वर्ष के अंत तक भी इन योजनाओं में कुल खर्च 75 प्रतिशत से कम रह सकता है। यह जानकारी बजट दस्तावेजों और संशोधित अनुमानों के विश्लेषण से सामने आई है। इस विश्लेषण में वे 53 प्रमुख योजनाएं हैं, जिनका बजट अनुमान वर्ष 2025-26 में 500 करोड़ रुपये या उससे अधिक था। इनमें से अधिकांश योजनाएं ऐसी हैं, जिन्हें केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर तयशुदा हिस्सेदारी के आधार पर लागू करती हैं। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि जमीन पर खर्च की रफ्तार, घोषणाओं और वादों की तुलना में काफी धीमी रही है। हालांकि मनरेगा, छात्रवृत्ति ओर प्राकृतिक खेती पर खर्च 100 फीसदी से ज्यादा रहा है।

3 योजनाओं में पूरा, 3 में ज्यादा खर्च

- पूरे बजट के बराबर खर्च (आरई=बीई) सिर्फ तीन योजनाओं में हुआ। इनमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण से जुड़ी कुछ इंफ्रास्ट्रक्चर मेंटेनेंस योजनाएं, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना और अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना शामिल हैं।
- तीन योजनाएं ऐसी भी रहीं, जिनमें खर्च बजट अनुमान से 100 प्रतिशत से ज्यादा रहा। इनमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), अनुसूचित जनजाति छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप, प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन शामिल हैं।

कुल बजट और खर्च का हाल

इन 53 योजनाओं के लिए सरकार ने कुल मिलाकर 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट अनुमान रखा था। हालांकि बाद में इसे घटाकर 3.8 लाख करोड़ रुपये से कम का संशोधित अनुमान किया गया, जो मूल बजट का करीब 74.4 प्रतिशत है। 9 महीनों यानी 31 दिसंबर तक सरकार ने इन योजनाओं पर 2 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक खर्च किया, जो बजट अनुमान का 41.2 प्रतिशत और संशोधित अनुमान का 55.4 प्रतिशत है।

बड़ी योजनाएं, बेहद कम खर्च

- **जल जीवन मिशनः** 67,000 करोड़ रुपये के बजट अनुमान के मुकाबले 9 महीनों में खर्च बेहद सीमित रहा।
- **पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडियाः** 7,500 करोड़ रुपये के बजट के मुकाबले खर्च 500 करोड़ रुपये से भी कम रहा।
- **प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजनाः** 2,140 करोड़ रुपये के बजट के सामने खर्च बेहद मामूली रहा।

कृषि सिंचाई योजना को बड़ा झटका

47 योजनाओं में संशोधित अनुमान, बजट अनुमान से कम रहे। सबसे बड़ा झटका प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) को लगा। इस योजना के लिए जहां बजट अनुमान 850 करोड़ रुपये था, वहीं संशोधित अनुमान घटकर महज 150 करोड़ रुपये रह गया, यानी बजट का लगभग छठा हिस्सा। इसके अलावा कई योजनाओं में संशोधित अनुमान बजट के 40 प्रतिशत से भी कम हैं। इनमें जल जीवन मिशन/राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल मिशन, पीएम ई-बस सेवा, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, पीएम किसान सिचाई योजना का कमांड एरिया डेवलपमेंट हिस्सा, प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का कंप्यूटरीकरण, पीएम आवास योजना (शहरी) के कुछ घटक शामिल हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि 6 योजनाओं में वास्तविक खर्च बजट अनुमान के 10 प्रतिशत से भी कम रहा।

राज्यों की भागीदारी और प्रशासनिक तैयारी पर उठे हैं सवाल

बजट खर्च पर विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति महज बजट प्रबंधन पर नहीं, बल्कि योजनाओं के क्रियान्वयन, राज्यों की भागीदारी और प्रशासनिक तैयारियों पर भी सवाल खड़ा करती है। बड़े-बड़े ऐलान और भारी बजट आवंटन के बावजूद, अगर जमीन पर खर्च नहीं हो रहा, तो योजनाओं का लाभ आम लोगों तक समय पर नहीं पहुंच पाएगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्यों की भूमिका प्रभावित हुई है। कुल मिलाकर, यह तस्वीर दिखाती है कि सरकार की कई प्रमुख योजनाओं में वादे बड़े हैं, लेकिन खर्च की रफ्तार धीमी, जिससे नीति और अमल के बीच की खाई एक बार फिर उजागर होती है।

शहडोलः सीएम ने जनजातीय हितग्राही सम्मेलन में कीं कई घोषणाएं

जनजातीय वर्ग का समग्र कल्याण सरकार की प्राथमिकताः मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय वर्ग का समग्र कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में है। सरकार किसानों की आय बढ़ाने और युवाओं के लिए रोजगार सृजित करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। प्रदेश का विकास तेजी से हो, इसे लेकर रणनीति के तहत सरकार योजनाएं बनाकर काम कर रही है।

सीएम रविवार को शहडोल जिले के गंधिया स्थित सीतामढ़ी धाम में आयोजित जनजातीय हितग्राही सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोल समाज की कुल देवी शबरी मैया हम सबके लिए सदैव आराध्य हैं। प्रदेश में पीएम जन-मन योजना के अंतर्गत 98 करोड़ 30 लाख रुपए और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 401.56 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया जा चुका है। हमारी सरकार ने जनजातीय समाज के नायकों की गौरव गाथाओं को शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है।

इससे पहले सीएम ने धनपुरी में कहा कि सच्चा वादा-पक्का काम ही राज्य सरकार की पहचान है। माता बहनों के कल्याण के लिए पूरी सरकार समर्पित है इसीलिए लाड़ली बहना योजना सहित महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। लखपति दीदी योजना, लखपति ड्रोन दीदी योजना, रजिस्ट्री में माता-बहनों को 2 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। लोकसभा-विधानसभा में भी बहनों को आरक्षण मिलने वाला है। केंद्र हो या राज्य सरकार युवा, गरीब, किसान और महिलाओं का कल्याण सर्वोपरि है। मध्यप्रदेश कृषि हो या उद्योग सभी क्षेत्रों में लगातार प्रगति कर रहा है।

धार्मिक पर्यटन केंद्र बनेगा सीतामढ़ी धाम

मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी धाम को धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने तथा वन्य जीव पर्यटन गतिविधियों के विकास-विस्तार के लिए क्षेत्रीय संजय डूबरी टाइगर रिजर्व का एक गेट ब्यौहारी की तरफ भी खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में महुआ और कटहल बहुतायत से होता है। इसीलिए इन दोनों से बनने वाली औषधियों एवं अन्य उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में उद्योग, रोजगार एवं निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए मुख्यमंत्री ने यहां एक औद्योगिक विकास केंद्र भी खोला जाएगा।

महिला को घर में बंधक बनाकर दिनदहाड़े लूटा

- नाबालिग समेत दोनों आरोपी गिरफ्तार, नौकरानी का बेटा है आरोपी
- चाकू की नोक पर 12 मिनट में नकदी 1.68 लाख समेत आईफोन छीनकर भागे
- हत्या के प्रयास के मामले में जेल से जनवरी में छूटा था आरोपी, लोन चुकाने के लिए की वारदात

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। खनिज विभाग की महिला कर्मचारी को दिनदहाड़े घर में बंधक बनाकर लूटने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। नौकरानी के बेटे ने महिला के हाथ-पैर बांधकर चाकू की नोक पर घर में रखी 1.68 लाख नकदी और आईफोन समेत दो मोबाइल लूट लिए। इस पूरी वारदात को महज 12 मिनट में अंजाम देकर आरोपी भाग निकले। आरोपी ने महिला को धमकाया कि यदि पुलिस के पास गईं, तो तुम्हारे पिता को मार दूंगा।

आरोपी हत्या के प्रयास के मामले में जनवरी में जेल से जमानत पर रिहा हुआ है। पीड़िता की रिपोर्ट पर टीटीनगर पुलिस ने नाबालिग समेत दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनसे लूट के 1.68 लाख रुपए और एक मोबाइल बरामद किया है। आईफोन उन्होंने तोड़ दिया। मुख्य आरोपी को जेल भेजा है, जबकि नाबालिग को बाल संप्रेषण गृह भेज दिया है। टीटीनगर थाना प्रभारी गौरव दोहर ने बताया कि 28 वर्षीय अर्चना वर्मा माता मंदिर के पास रहती हैं। वह खनिज विभाग में असिस्टेंट ग्रेड-3 हैं। अर्चना ने हाउस कीपिंग के लिए मेड काजल रायकवार को रखा है। काजल का बेटा आशीष भी अर्चना के घर आता रहता है। उसी ने अपने नाबालिग मौसेरे भाई के साथ वारदात की।

लूट के सामान के साथ आरोपी।

डायल-112 पर किया कॉल

अर्चना बीमार चल रही हैं। शनिवार को अर्चना घर में अकेली थीं। दोपहर करीब तीन बजे आशीष, अपने 15 साल के नाबालिग मौसेरे भाई के साथ पहुंचा। दोनों अर्चना के गले पर चाकू रखा। मौसेरे भाई ने रस्सी से हाथ-पैर बांध दिए। गला रेतने की धमकी दी। आशीष ने पूछा कैश कहां रखा है। अर्चना ने अलमारी की ओर इशारा किया। इसके बाद आरोपियों ने 1.68 लाख रुपए और आईफोन समेत दो मोबाइल छीन लिए। घटना के बाद अर्चना काफी घबरा गई। उन्होंने डायल-112 को कॉल कर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने अर्चना की रिपोर्ट पर पुलिस ने तुरंत आशीष के घर पर दबिश दी। देर रात दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि समूह लोन भरने के लिए लूट की वारदात की थी।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में बोले भागवत

... तो छोड़ दूंगा पद, कोई भी हिंदू बन सकता है संघ प्रमुख

मुंबई, जेएनएन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि यदि संघ उनसे पद छोड़ने को कहेगा, तो वे तुरंत ऐसा करेंगे। आमतौर पर 75 साल की उम्र के बाद किसी पद पर नहीं रहने की परंपरा की बात कही जाती है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि सरसंघचालक बनने के लिए क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र या ब्राह्मण होना कोई योग्यता नहीं है। जो हिंदू संगठन के लिए काम करता है। वही सरसंघचालक (संघ प्रमुख) बनता है। भागवत मुंबई में आरएसएस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रममें बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वीर सावरकर को भारत रत्न दिया गया तो इससे पुरस्कार की गरिमा और बढ़ेगी।

- समान नागरिक संहिता सभी को विश्वास में लेकर बनाई जानी चाहिए और इससे समाज में मतभेद नहीं बढ़ने चाहिए।
- उम्मीद है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के हितों को ध्यान में रखकर किया गया होगा और देश को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा।
- घुसपैठ के मुद्दे पर सरकार को बहुत काम करना है। पहचान कर निष्कासन की प्रक्रिया होनी चाहिए। यह पहले नहीं हो पा रहा था, लेकिन अब धीरे-धीरे शुरू हुआ है।
- आरएसएस का काम प्रचार करना नहीं, बल्कि समाज में संस्कार विकसित करना है। जरूरत से ज्यादा प्रचार से दिखावा और फिर अहंकार आता है।

अनिरुद्धाचार्य के कार्यक्रम में भीड़ बेकाबू

रेलिंग टूटी; 2 महिलाएं बेहोश, कई लोग घायल

रक्सौल (पू. चंपारण), जेएनएन। बिहार के रक्सौल में रविवार को अनिरुद्धाचार्य की श्रीमद्भागवत कथा के दौरान भीड़ प्रबंधन में भारी चूक सामने आई। हवाई अड्डा परिसर में चल रहे कथा महायज्ञ में कथावाचक के मंच पर पहुंचते ही श्रद्धालुओं की भीड़ बेकाबू हो गई। हजारों लोग एक साथ पंडाल में प्रवेश करने लगे, जिससे मुख्य गेट की रेलिंग टूट गई और अफरातफरी मच गई। भीड़ के दबाव में कई श्रद्धालु गिर पड़े और चोटिल हो गए। इस दौरान दो महिलाएं बेहोश हो गईं, जबकि कई बच्चे अपने परिजनों से बिछड़ गए। पुलिस ने भीड़ को पीछे हटाकर रास्ता खाली कराया और हालात काबू में किए। घटना के बाद श्रद्धालुओं में आयोजन समिति की वीआईपी व्यवस्था को लेकर गहरा रोष देखा गया।

फिक्की सर्वे 51 फीसदी अधिकारियों को कारोबार पर असर की चिंता

साइबर हमले कंपनियों पर सबसे बड़ा खतरा

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत की कंपनियों के सामने साइबर सुरक्षा अब सबसे बड़ा जोखिम बनकर उभरी है। फिक्की-ईवाई जोखिम सर्वे 2026 के मुताबिक, देश की 51 प्रतिशत शीर्ष नेतृत्व टीमों ने साइबर सुरक्षा उल्लंघन और साइबर हमलों को अपने संगठनों के प्रदर्शन के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। यह सर्वे रविवार को जारी किया गया, जिसमें अलग-अलग सेक्टर के वरिष्ठ निर्णयकर्ताओं की राय शामिल है। बढ़ता डिजिटलीकरण, डेटा पर निर्भरता और ऑनलाइन सिस्टम के विस्तार के साथ साइबर हमलों का जोखिम भी बढ़ गया है। कंपनियों को न केवल वित्तीय नुकसान का डर है, बल्कि ब्रांड की साख और ग्राहकों के भरोसे पर पड़ने वाले असर को लेकर भी गंभीर चिंता है।

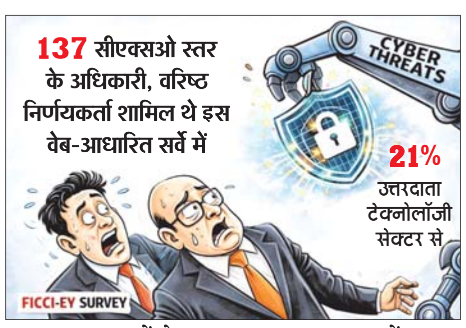

64% उत्तरदाताओं ने कहा कि टैलेंट की कमी और स्किल गैप कंपनी के प्रदर्शन को कर सकते हैं प्रभावित।

67% उत्तरदाताओं का मानना है कि रेगुलेटरी बदलावों से निपटने के लिए पहले से तैयारी जरूरी है।

59% ने बताया कमजोर सक्सेशन प्लानिंग को कारोबारी स्थिरता के लिए खतरा

तकनीकी जोखिम सीधे बिजनेस निरंतरता से जुड़े

रिपोर्ट के मुताबिक, 61 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि तेज तकनीकी बदलाव और डिजिटल डिसरप्शन उनकी प्रतिस्पर्धी स्थिति को प्रभावित कर रहे हैं। उतने ही यानी 61 प्रतिशत लोगों ने साइबर अटैक और डेटा ब्रीच को बड़े वित्तीय और प्रतिष्ठागत जोखिम के रूप में देखा।

सर्वे में शामिल 57 प्रतिशत वरिष्ठ अधिकारियों ने संभावित डेटा चोरी और अंदरूनी धोखाधड़ी को गंभीर जोखिम बताया। वहीं 47 प्रतिशत ने स्वीकार किया कि लगातार जटिल होते जा रहे साइबर खतरों से निपटना उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई कंपनियां अभी भी पारंपरिक सुरक्षा ढांचे पर निर्भर हैं, जो आधुनिक साइबर हमलों के सामने कमजोर साबित हो रहे हैं।

आपके बैंक से केवाईसी अपडेट का अलर्ट आया है?
कोई बात नहीं - केवाईसी को अप-टू-डेट रखने से आपको बैंकिंग सेवाएं मिलेंगी बिना रुकावट के।

आपका केवाईसी अपडेट करना है नूडल्स बनाने जितना आसान!

कैसे?

अगर 'केवाईसी में कोई बदलाव नहीं है' या 'सिर्फ पते में बदलाव हुआ है' तो एक सेल्फ-डिक्लेरेशन देकर इसे अपडेट किया जा सकता है।

- पंजीकृत ईमेल/ मोबाइल नंबर
- ऑनलाइन बैंकिंग/ मोबाइल बैंकिंग
- एटीएम
- बैंक के कारोबार प्रतिनिधि (बीसी)
- पत्र, आदि।

केवाईसी जानकारी में अन्य बदलाव इनकी मदद से करें:

- आधार ओटीपी आधारित ई-केवाईसी
- वीडियो केवाईसी (जहाँ उपलब्ध हो)

या

आपका अपडेट किया हुआ ऑफ़िशियली वैलिड डॉक्युमेंट (ओवीडी)* बैंक की शाखा में जमा करके।

*ओवीडी: पासपोर्ट/ड्राइविंग लाइसेंस/वोटर आईडी कार्ड/आधार कार्ड/ नरेगा जॉब कार्ड/राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) द्वारा जारी पत्र

केवाईसी अब कराई जा सकती है जल्दी और आसानी से
बैंक द्वारा अधिकृत माध्यमों से ही केवाईसी अपडेट कराएं।

क्या आप जानते हैं? एक बैंक में अपडेट की गई केवाईसी आपके अन्य सभी बैंकों/वित्तीय संस्थाओं में अपडेट हो जाती है, सीकेवाईसीआर के ज़रिए।

अधिक जानकारी के लिए देखें https://rbikehtahai.rbi.org.in
अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए rbikehtahai@rbi.org.in पर भेजें।
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नं. 99990 41935 / 99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचार बन रहा जान का जोखिम

मेघालय की खदान में मरने वाले गरीबों ओर नोएडा के उच्च मध्यवर्गीय लोगों की लड़ाई एक है। जरूरी है कि वे आपसी हमदर्दी महसूस करें, तभी साझा दुश्मन से लड़ पाएंगे... मेघालय में एक अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट में अठारह मजदूरों की मौत हो गई, एक गंभीर रूप से जख्मी मजदूर अस्पताल में भर्ती है और अंदेशा है कि कुछ अन्य मजदूर अभी भी खदान में फंसे हों। यह 'रैट होल' खदान है, जिसमें इतनी संकरी सुरंगें बनाकर खनन किया जाता है, जिनसे मजदूर रेंगकर ही घुस या निकल सकते हैं। ये खदानें पर्यावरण के लिए भी बहुत घातक हैं। इनकी असुरक्षित व अमानवीय परिस्थिति की वजह से ही सुप्रीम कोर्ट और ग्रीन ट्रिब्यूनल ने इनको प्रतिबंधित किया हुआ है, लेकिन पूर्वोत्तर भारत में ऐसी खदानें धड़ल्ले से चल रही हैं। अनुमान है कि सिर्फ मेघालय में लगभग 25,000 ऐसी गैर-कानूनी खदानें चल रही हैं। जाहिर है, इतने बड़े पैमाने पर यह अवैध काम बिना प्रशासनिक मिलीभगत और भ्रष्टाचार के संभव नहीं है। इसके पहले मेघालय में ही 2018 में बड़ी दुर्घटना हुई थी, जिसमें पंद्रह मजदूर मारे गए थे। बहुत संभव है कि और भी दुर्घटनाएं इन खदानों में होती हों, जिनकी खबर तक बाहर नहीं आ पाती हो।

ऐसा नहीं है कि प्रशासनिक नेकनीयती व सख्ती से ऐसे गैर-कानूनी और अमानवीय कारोबार पर रोक नहीं लगाई जा सकती, लेकिन प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचार का जाल इतना मजबूत है कि उसके आगे तमाम कानून और आदेश व्यर्थ हो जाते हैं। देश में कई बार भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन हुए, कुछेक बार इन आंदोलनों की वजह से सरकारें भी बदलीं, लेकिन भ्रष्टाचार की जड़ें मजबूत ही होती गईं। 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट से तो यही जाहिर होता है। भ्रष्टाचार कम करने के लिए जरूरी है कि सरकारी तंत्र और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता व सरलता लाई जाए, पर होता यह है कि भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर प्रक्रियाओं को ज्यादा जटिल और अपारदर्शी बना दिया जाता है, जिससे अधिकारियों व संस्थानों की जवाबदेही और कम हो जाती है। ऐसे में, भ्रष्टाचार की गुंजाइश बढ़ जाती है। भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करने वाली संस्थाओं को स्वतंत्र व मजबूत बनाने के लिए जरूरी कदम उठाने की इच्छा हमारी राजनीतिक संस्कृति में नहीं है, इसलिए इसमें पकड़े जाने की गुंजाइश जितनी कम है, पकड़े जाने पर सजा मिलने की गुंजाइश उससे भी कम है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि भारत के आम नागरिक की गरिमा, उसके अधिकार, उसकी जान की परवाह भी हमारे तंत्र में कम ही है, बल्कि यह परवाह हमारे समाज में ही नहीं है, जो इन आम नागरिकों से बना है। हमारे समाज के लोगों में ही दूसरे लोगों, खासकर अलग वर्ग, समुदाय या क्षेत्र के, यानी अपने से अलग लगने वाले लोगों के दुख-दर्द या समस्या के प्रति वैसी हमदर्दी नहीं देखने को मिलती, जैसी एक देश में अपेक्षित है और भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में तो हमेशा ही ज्यादातर लोग हमसे अलग ही होंगे। मेघालय की किसी खदान में मरने वाले गरीब मजदूरों की पीड़ा जब तक महानगरों के लोग महसूस नहीं करेंगे, तब तक हम सब अलग-अलग इस भ्रष्टाचार और लापरवाही के शिकार होते रहेंगे या सिर्फ शिकार नहीं होंगे, बल्कि जाने-अनजाने उसके जिम्मेदार भी होंगे। अभी एक खबर आई है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के नोएडा ट्विन टावर मामले में सरकारी जांच कमेटी ने 11 अफसरों को दोषी पाया है। इससे पता चलता है कि मेघालय की खदान में मरने वाले गरीब मजदूर और नोएडा के उच्च मध्यवर्गीय लोगों की लड़ाई दरअसल एक ही है, इसलिए जरूरी है कि वे आपस में हमदर्दी और भाईचारा महसूस करें, तभी वे इस साझा दुश्मन से लड़ पाएंगे।

पेंशन नीति

कर्मचारियों की जिंदगी की असलियत सामाजिक सुरक्षा प्रबंध से मेल नहीं खा रही

सुरक्षा के लिए पेंशन रीडिजाइन करना जरूरी

उत्तम प्रकाश, नवेंदु राय

भारत में संभावित पेंशन पाने वालों की तुलना में कंट्रीब्यूटर की संख्या लगभग तीन गुना ज़्यादा है, यह बैलेंस जल्द ही बदल जाएगा। जब तक यह चलता है, भारत को सैलरी की लिमिट के मकसद पर फिर से सोचने और प्लेटफॉर्म, शॉर्ट कॉन्ट्रैक्ट और कई इनकम सोर्स से बने लेबर मार्केट के लिए पॉलिसी आर्किटेक्चर को फिर से बनाने की ज़रूरत है।

भारत सामाजिक सुरक्षा का ढांचा फिर से बना रहा है। लेबर कोड लागू होने के करीब आ रहे हैं, ड्राफ्ट नियम पब्लिक कंसल्टेशन के तहत हैं, कई राज्य नियम बनाने की शुरुआत कर रहे हैं, और बदलाव के लिए तैयारी कर रहे हैं। इस समय, एक मुख्य सवाल सामने आता है- क्या सामाजिक सुरक्षा का बदलता डिजाइन कर्मचारियों की जिंदगी की असलियत से मैच करेगा? एक सवाल यह है कि प्रोविडेंट फंड कैसे मिल रहे हैं।

जून 2025 में, एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइज़ेशन (ईपीएफओ) ने एडवांस क्लेम के लिए ऑटो-सेटलमेंट लिमिट रु1 लाख से बढ़ाकर रु5 लाख कर दी। इसके बाद के 10 हफ़्तों में, करीब 70 परसेंट पीएफ एडवांस क्लेम ऑटोमैटिकली प्रोसेस हो गए। प्रशासनिक नज़रिए से, यह एक कामयाबी है। साथ ही यह इस बात की गहरी जांच को बढ़ावा देता है कि वर्कर्स क्या उम्मीद करते हैं।

पीएफ को लंबे समय की बचत के ज़रिये के तौर पर सोचा गया था। असल में, कर्मचारी आय और खर्च में आने वाली ज़रूरी रुकावटों को मैनेज करने के लिए इनका ज़्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। इसका सीधा सा कारण कमज़ोर वित्तीय प्रबंधन है। यह समझ एक गहरी सच्चाई को नज़रअंदाज़ करती है। भारत के वर्कफोर्स के एक बड़े हिस्से के लिए, लिक्विडिटी कोई पसंद नहीं है; यह एक रुकावट है। आज एक रुपया दशकों बाद के रुपये से कहीं ज़्यादा कीमती है। जब सैलरी कम हो और अनिश्चितता बनी रहे, तो पैसे की टाइम वैल्यू हर फैसले पर भारी पड़ती है।

इस तरह से देखा जाए, तो पैसे निकालना पीएफ आइडिया का फेलियर नहीं है। यह इस बात का सिग्नल है कि कर्मचारी कामकाजी जिंदगी में अलग-अलग खर्च को कैसे कंट्रोल करते हैं। इसलिए, बड़ा सवाल यह नहीं है कि पैसे निकालने को रोका जाना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि कामकाजी जिंदगी के पूरे समय पीएफ की क्या भूमिका होनी चाहिए और बुढ़ापे की इनकम की जिम्मेदारी आखिर में किस पर आनी चाहिए।

इसके लिए, भारत का संवैधानिक फ्रेमवर्क एक सहारा देता है। आर्टिकल 366(17) पेंशन को

बड़े पैमाने पर बताता है, जिसमें न केवल समय-समय पर होने वाले रिटायरमेंट पेमेंट बल्कि ग्रेच्युटी और पीएफ कंट्रीब्यूशन से मिलने वाले रिटर्न भी शामिल हैं। इस नज़रिए से देखा जाए, तो पेंशन न तो चैरिटी है और न ही डेफर्ड पे। यह इनकम सपोर्ट है जो तब भी जारी रहता है जब कमाने की क्षमता कम हो जाती है या खत्म हो जाती है।

एम्प्लॉई पेंशन स्कीम (ईपीएस) को इसी लॉजिक को आगे बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया था, लेकिन सिर्फ थोड़ा सा। 10 साल की मिनिमम सर्विस कंडीशन और कम सर्विस के लिए रिफंड को उपायों के तौर पर लाया गया था। समय के साथ, इनका उल्टा असर हुआ है, जिससे पेंशन पूल लगातार कम होता गया है। इसे अक्सर 'कोबरा इफ़ेक्ट' कहा जाता है, जहाँ इंसेंटिव उस नतीजे को कमज़ोर कर देते हैं जिसे वे पक्का करना चाहते थे। पेंशन कंपोनेंट को रिटायरमेंट तक लॉक करने से एक अनुमानित इनकम फ़्लोर बन सकता है और गड़बड़ियों को रोका जा सकता है। यूएन के आंकड़े बताते हैं कि भारत की लगभग 68 फीसद आबादी कामकाजी उम्र की है, जबकि केवल लगभग 7 फीसद 65 से ऊपर की है। कंट्रीब्यूटर संभावित पेंशनर्स से लगभग तीन गुना ज़्यादा हैं, यह बैलेंस ज़्यादातर एडवांस्ड इकॉनमी ने बहुत पहले ही खो दिया था। यह कोई गारंटी नहीं है; यह एक मौका है। कामकाजी उम्र वाली आबादी का ज़्यादातर हिस्सा कंट्रीब्यूटरी सिस्टम से पूरी तरह बाहर है। यही वजह है कि डिज़ाइन चॉइस मायने रखती है।

भारत का युवा वर्ग जो अभी भी 29 साल से कम है। उम्र बढ़ने की रफ़्तार बढ़ने से पहले वर्कफोर्स अगले दो से तीन दशकों तक बढ़ती रहेगी। भारत को आज जो रुकावट का सामना करना पड़ रहा है, वह डेमोग्राफी नहीं, बल्कि इंस्टीट्यूशनल पहुंच है। हाल की पॉलिसी पहले से ही इस दिशा में बदलाव दिखाती है। विकसित भारत रोज़गार योजना के तहत, कर्मचारियों को बढ़ते वेज बैंड में हर महीने रु1,000, रु2,000 और रु3,000 का ग्रेडेड इंसेंटिव मिलता है। रु3,000 का कैप्ड इंसेंटिव मोटे तौर पर रु25,000 के आसपास के वेज लेवल पर एम्प्लॉयर के 12 परसेंट कंट्रीब्यूशन के साथ मेल खाता है। एलिजिबिलिटी और सब्सिडी को जानबूझकर अलग किया गया है। यह लॉजिक पेंशन रिफॉर्म को गाइड कर सकता है क्योंकि वेज सीलिंग पर फिर से विचार किया जा रहा है।

यह पल नीति संरचना पर गहराई से फिर से सोचने के लिए भी कहता है। भारत का सामाजिक सुरक्षा तंत्र कर्मचारी और नियोक्ता के आस-पास बना हुआ है। यह लॉजिक लंबे समय तक काम करने वालों और स्थिर फर्मों वाली इकॉनमी को दिखाता है। यहां कानून को कोड से बदलने की बात नहीं है। बल्कि जहाँ मुमकिन हो, सिस्टम डिज़ाइन में कानूनी जिम्मेदारियों को आहरित करने की जरूरत है, जिससे बाद में लागू करने पर निर्भरता कम हो। इंटरनेशनल तुलनाएँ दिखाती हैं कि पेंशन सिस्टम सबसे अच्छा तब काम करते हैं जब फ़ायदे काफ़ी हों, फाइनेंसिंग टिकाऊ हो और इंस्टीट्यूशन पर भरोसा किया जाए। भारत कवरेज के मामले में कम है, इसलिए नहीं कि इसकी ज्यादातर आबादी वरिष्ठ उम्र की है, बल्कि इसलिए कि बहुत कम लोग कंट्रीब्यूटरी सिस्टम में इतने लंबे समय तक रहते हैं कि अच्छी पेंशन बन सके। ईपीएस को बढ़ाकर और इसके पेंशन कंपोनेंट को सोच-समझकर लॉक करके दोनों कमियों को दूर किया जा सकता है।

भारत को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान से पहचान मिली है, जिसने एक दशक पहले के लगभग 19 प्रतिशत से आज 64 प्रतिशत से ज़्यादा कवरेज बढ़ाने के लिए भारत को मान्यता दी है, जो असली तरक्की है। लेकिन यह तो बस एक शुरुआत है। डेमोग्राफिक दबाव बढ़ने से पहले देश के पास अब बुढ़ापे में इनकम पाने का एक छोटा सा मौका है। अगर इस पल का सही इस्तेमाल किया जाए, तो यह एक ऐसे विकसित भारत को बनाने में मदद कर सकता है जहाँ काम करने की जिंदगी में ग्रोथ के साथ इज़्ज़त भी हो।

(लेखक द्वय कोच्चि और लक्षद्वीप व बेंगलुरु के रीजनल पेंशन कमिश्नर हैं)

खुला मंच

ना मांगूं सोना चांदी... ये मेरे किस काम के

शमीम शर्मा

अब चांदी का हाल यह है कि वह गहना नहीं, खबर बन गई है। सुबह अखबार में चांदी शाम को टीवी डिबेट में चांदी। आम आदमी सोचता है कि पहनने को मिलती तो बात थी, यहां तो सिर्फ सुनने को मिल रही है।

बॉबी फिल्म का गाना 'ना मांगूं सोना चांदी ना चाहूं हीरा मोती ये मेरे किस काम के' अपने समय का हिट सांग है। तब सोने-चांदी पर किसी का ध्यान नहीं था। अब तो सब सुबह उठते ही सोने-चांदी के भाव पर नजर डालते हैं। मुकेश के गाये एक गाने ने भी खूब धूम मचाई थी–'चांदी की दीवार ना तोड़ी प्यार भरा दिल तोड़ दिया।' चांदी हमेशा से ही हमारे संबंधों में आड़े आती रही है।

ज्ञानप्रकाश का एक शे'र है–चांदी सोना एक तरफ, तेरा होना एक तरफ। एक तरफ तेरी आंखें, जादू टोना एक तरफ। पर आज का प्रेमी अपनी प्रेयसी की तरफ खड़ा होने की बजाय चांदी की तरफ रुख करता दिखाई देगा। पहले चांदी घर की थी या सुनार की। अब चांदी का हाल यह है कि वह गहना नहीं, खबर बन गई है। सुबह अखबार में चांदी शाम को टीवी डिबेट में चांदी। आम आदमी सोचता है कि पहनने को मिलती तो बात थी, यहां तो सिर्फ सुनने को मिल रही है।

जो चांदी कभी 'गरीब का गहना' कहलाती थी, कभी शादी-ब्याह में थाली बनकर इज्जत बढ़ाती थी, बच्चे के गले में ताबीज बनकर भरोसा देती थी और बहू की पायल बन छन-छन कर घर की रौनक कहलाती थी, आज वही चांदी ऐसी उछली है कि जैसे सूखे तालाब में अचानक मगरमच्छ नाचने लग जाये। कल तक जो गरीब की कलाई पकड़े हुए थी, आज बाजार की छाती पर चढ़ बैठी। चांदी ने गरीब से ऐसा मुंह मोड़ा है जैसे चुनाव जीतने के बाद नेता जी जनता की तरफ पीठ कर लेते हैं। है तो यह आज भी गरीबों के गहनों की पर इसके भाव अमीरों वाले हो गये हैं। चांदी थोड़ी-बहुत गिरी भी है। अख़बारों ने हेडलाइन लगाई- चांदी लुढ़की। मगर गरीब ने जब दाम पूछे तो समझ आया कि यह गिरावट भी अमीरों के लिए थी। गरीब के लिए तो चांदी आज भी वही दूरी बनाए खड़ी है जैसे स्टेशन की टिकट विंडो पर आकर भी टिकट न मिले।

एक जमाना था जब चांदी पहनना सादगी की पहचान थी। अब चांदी पहनना भी साहस का काम हो गया है। चांदी की चाल देख लो तो मुंह से निकलता है कि अब यह पायल नहीं, पावर दिखाती है। एक मनचले का कहना है कि चांदी तो छत पे चढ़ गई, हम नीचे खाट पे ही रह गये।

प्रसंगवश

परिपक्व उम्र में ही हो सोशल मीडिया तक पहुंच

बच्चों व किशोरों की सोशल मीडिया पर बढ़ती अति-सक्रियता अभिभावकों ही नहीं, देश के लिये भी एक गंभीर चिंता का विषय है। छात्रों का पढ़ाई से भटकाव व एकाग्रता में गिरावट समय की बड़ी फिक्र है। इसी बीच इकोनॉमिक सर्वे में सोशल मीडिया तक उम्र के हिसाब से पहुंच का सुझाव एक स्वागत योग्य कदम है। सालों से, डिजिटल विस्तार को एक बिना शर्त अच्छे बदलाव के रूप में देखा जाता रहा है। कहा जाता रहा है कि सोशल मीडिया तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, डिजिटल लिटरेसी की खामियों को दूर करने और शिक्षा को आधुनिक बनाने में डिजिटल क्रांति सहायक है। निश्चित रूप से आर्थिक सर्वे में इस बाबत उल्लेख एक असहज करने वाली सच्चाई को संतुलित करने का प्रयास करता है। यह स्वीकार किया जा रहा है कि बिना रोक-टोक के डिजिटल एक्सपोजर तेजी से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनता जा रहा है। सही मायनों में डिजिटल लत को मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और उत्पादकता को प्रभावित करने वाली समस्या के रूप मे पहचानते हुए, सर्वे इस बहस को तथ्यों पर आधारित नीति बनाने की जरूरत बताता है। इसकी सिफारिश है कि उम्र के हिसाब से एक्सेस की सीमाएं तय करने, उम्र की वेरिफिकेशन के लिये प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही निर्धारित करने, बच्चों के लिये सरल डिवाइस बनाने और ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। सही मायनों में इस मुद्दे पर वैश्विक सहमति का ही अनुसरण किया जा रहा है। वास्तव में बच्चों को सम्मोहित करने वाले डिजिटल डिजाइनों से उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी जरूरत है। जो कोमल मन-मस्तिष्क वाले बच्चों पर खासा नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। निश्चित रूप से डिजिटल लत के शिकार होते बच्चों व किशोरों के, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के मद्देनजर राष्ट्रीय स्तर पर नीति-निर्धारण समय की मांग है। इसके अलावा इस बाबत सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देना भी उतना ही जरूरी है। तभी इस संकट का आशाजनक समाधान तलाशना संभव हो सकेगा। वहीं दूसरी ओर, इस संकट से उबरने के लिये प्लेटफॉर्म लेवल सेफ्टी और फैमिली डेटा प्लान की भी मांग की जा रही है। जो पढ़ाई की जरूरत और मनोरंजन के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए इस्तेमाल का फर्क कर सके। इसके साथ ही हालिया आर्थिक सर्वे में इस बात को स्वीकार किया गया है कि माता-पिता पहले से ही यह जानते हैं कि व्यक्तिगत कंट्रोल बड़े पैमाने से इस समस्या का समुचित हल नहीं निकाल सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए प्रयास इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया व फ्रांस जैसे विकसित देशों में सरकारों को इस दिशा में सख्त पहल करनी पड़ी। एक ओर जहां आस्ट्रेलिया ने सोलह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगायी है, वहीं फ्रांस ने पंद्रह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक सीधी पहुंच को रोकने को कदम उठाये हैं। कुछ अन्य देशों में भी सरकारें तेजी से सख्त सीमाएं तय करने की दिशा में काम कर रही हैं। आज जहां भारत में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। वैसे भारत जैसे देश जहां युवाओं की आबादी बहुत ज्यादा है, वहां डिजिटल क्रांति से पूरी तरह अलग भी नहीं रहा जा सकता। ऐसे में एक नियम से ही सबको नियंत्रित करना संभव नहीं होगा। इसके बावजूद हमें स्वीकारना होगा कि विदेशी प्लेटफॉर्मों से प्रसारित अपसंस्कृति भारतीय किशोरों को पथभ्रष्ट करने में घातक भूमिका निभा रही है। जिससे देश में किशोरों की यौन अपराधों में संलिप्तता का खतरा बढ़ रहा है। ये अपसंस्कृति न केवल समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रही है, बल्कि उनमें मानवीय संवेदनाओं का भी क्षरण कर रही है। जो किसी भी सभ्य समाज के लिये एक गंभीर चुनौती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां सांस्कृतिक मूल्यों व संबंधों में शुचिता को हमेशा प्राथमिकता दी जाती रही है। इस बाबत सरकार की सख्त पहल और अभिभावकों की सजगता मिलकर ही समस्या का समाधान निकाल सकती है।

व्यापार समझौता

यह समझौता मुद्दों और चिंताओं के समाधान के सन्दर्भ में आधुनिक और नवीन

आर्थिक परिदृश्य में व्यापार संबंधों की पुष्टि

राजेश अग्रवाल

भारत का यूरोप के साथ 250 ईसा पूर्व से एक समृद्ध व्यापारिक संबंध रहा है, जो सिल्क रोड से भी पहले की अवधि है। अगले 2000 वर्षों के अधिकांश हिस्से के दौरान, भारतीय मसलिन, कपास, हस्तशिल्प, मसाले, पन्ना और रत्न अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सबसे पसंदीदा वस्तुओं में शुमार होते थे, जिनमें से अधिकांश यूरोप तक पहुँचती थीं। इन शानदार वस्तुओं के भुगतान के तौर पर भारत को सोना और चांदी मिलते थे। अपने सुनहरे दिनों में, भारत-यूरोप व्यापार ने मात्रा और पैमाने की दृष्टि से अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की।

एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते के माध्यम से इस संबंध को सुदृढ़ करने के प्रयास 2007 में शुरू हुए थे। गंभीर मतभेदों के कारण 2013 में बातचीत को रोकना पड़ा, क्योंकि कई मुद्दों पर दोनों पक्षों के विचार अलग थे। 2022 में बातचीत फिर से शुरू हुई और चुनौतियों की जटिलता के बावजूद इसे केवल दोनों राजनेताओं की मजबूत प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण अंतिम रूप दिया जा सका। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस व्यापार समझौते को दोनों पक्षों ने बातचीत के माध्यम से पूरा किया है, वह अस्थिर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में नियम-आधारित व्यापार संबंध की पुष्टि करता है। यह समझौता ऐतिहासिक है सिर्फ इसलिए नहीं कि इसमें शामिल विषय और क्षेत्र व्यापक हैं; समझौता ऐतिहासिक इसलिए भी है क्योंकि दोनों पक्षों को ऐसे मुद्दों पर साझा रुख अपनाना पड़ा, जो कठिन और जटिल थे। भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता शायद हाल के समय में किया गया सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता है। यह दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्रों में से एक का निर्माण कर सकता है, जिसमें लगभग 2 अरब लोग और 28 देश शामिल होंगे और जो वैश्विक जीडीपी का 25 प्रतिशत है। इसके अलावा, यह

समझौता मुद्दों और चिंताओं के समाधान के सन्दर्भ में आधुनिक और नवीन है।

इस समझौते में व्यापार संबंध को प्रगाढ़ करने के लिए अद्यतन और मूल विषयों के साथ-साथ प्रक्रिया-संबंधी प्रावधान भी हैं। यह समझौता वस्तु और सेवा; दोनों के लिए बाजार पहुंच और नियामक बाधाओं के समाधान के लिए एक नया मॉडल स्थापित करता है,

वस्तु और सेवाओं के लिए बाजार खोलना

समझौते का मुख्य ध्यान दोनों पक्षों के विशाल और व्यापक बाजारों को एक-दूसरे के लिए खोलना है। यह समझौता भारत के निर्यात व्यापार मूल्य के 99 प्रतिशत से अधिक के लिए बाजार पहुँच प्रदान करता है, जिसमें कम से कम 90 प्रतिशत भारतीय निर्यात को समझौते के लागू होने पर तुरंत निःशुल्क प्रवेश की सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से, श्रम-सघन वस्तुएँ जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा, रत्न और आभूषण, लकड़ी और लकड़ी की शिल्पकला और समुद्री उत्पादों को जल्दी लाभ मिलेगा। यह रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि-प्रसंस्करण उद्योग और खनिज जैसे उद्योगों को भी जीवंत ईयू सामान्य बाजार में अपने निर्यात को विविधता देने में सक्षम करेगा। हालांकि, भारत ने ईयू वाहन के लिए बाजार पहुँच की अनुमति दी है, लेकिन इसे चरणबद्ध और सन्तुलित तरीके से टैरिफ कोटा के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है।

इस समझौते के तहत भारत ने 144 सेवा क्षेत्रों में ईयू की प्रतिबद्धताएँ प्राप्त की हैं, जो कि अभूतपूर्व है। इसके अलावा, गतिशीलता पर अध्याय यह सुनिश्चित करता है कि पेशेवरों और संविदा सेवा प्रदाताओं का अस्थायी प्रवेश और निवास सरल और भरोसेमंद होगा, जिसका अर्थ है कि भारत के प्रतिभाशाली सेवा पेशेवर ईयू बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं। वित्तीय सेवाओं पर संलग्नक भारत और ईयू के बीच इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियों पर अधिक सहभागिता का प्रावधान करता है। यह समझौता आयुष और पारंपरिक चिकित्सा कर्मियों को भी अधिक निश्चितता के साथ ईयू में अपनी सेवाएँ प्रदान करने की संभावना पेश करता है।

इस सहभागिता का मुख्य उद्देश्य नीति संवाद, तकनीकी सहायता और वित्तीय उपकरणों और संसाधनों को जुटाने पर है। दोनों पक्षों ने त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र, गैर-उल्लंघन शिकायतें और स्वतंत्र परिशिष्ट जैसी व्यवस्थाओं पर भी बातचीत की है, जो कुछ नीति उपायों या उत्पाद-विशिष्ट उपायों के संबंध में उनकी विशिष्ट चिंताओं का समाधान कर सकते हैं। असल चुनौती यह थी कि कुछ महत्वपूर्ण हितधारकों, जैसे कि डेयरी और कृषि क्षेत्र, की चिंताओं और संवेदनशीलताओं की अनदेखी किए बिना बाजार खोलने के उच्च महत्वाकांक्षा को हासिल किया जा सके। छोटे और सीमांत किसानों और कुछ उद्योग क्षेत्रों की आय और जीवनयापन की चिंताएं हमारे मन में सबसे पहले थीं। ईमानदारी से कहें तो, इस मामले में यूरोपीय संघ ने आवश्यक लचीलापन भी दिखाया।

भारत की एफटीए रणनीति का पूरक

आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान के युग में, भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता; भारत-यूके एफटीए, ईएफटीए और अन्य व्यापक व्यापार समझौतों से हुए लाभ में पूरक की भूमिका निभाएगा। 2021 से, भारत ने 9 व्यापक व्यापार समझौते किए हैं और अगले कुछ महीनों में कई प्रमुख आर्थिक साझेदारी समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए वार्ता कर रहा है। भारत-ईयू व्यापार समझौते का निष्कर्ष भारत की नई आर्थिक और व्यापारिक पहलों को तेज करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता विस्तारित बाजार पहुंच, नजदीकी आर्थिक एकीकरण और विशेष रूप से अनिश्चित और अस्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में रणनीतिक स्वायत्तता और सुदृढ़ता प्राप्त करने में एक बड़ा कदम है। आर्थिक समृद्धि सबसे अच्छे तरीके से तब प्राप्त की जा सकती है जब राष्ट्र न्यायपूर्ण, नियम-आधारित और पूर्व अनुमान योग्य कानूनी रूपरेखा और संस्थानों के आधार पर व्यापार करते हैं। भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता समय पर खरे उतरे इस सिद्धांत को बनाए रखने का प्रयास करता है।

(लेखक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव हैं।)

जीवन दर्शन

स्थायी सुख-शांति और आनंद चाहिए तो अहंकार को त्यागें

जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं होता है। समय के साथ हर चीज बदलती रहती है तो उसके साथ मनुष्य के विचार और कार्य भी। हर इंसान की इच्छा होती है कि उसके जीवन में सुख-शांति और आनंद स्थायी रहे लेकिन ऐसा होता नहीं है। अगर ये चीज स्थायी चाहिए तो जीवन में इस तरह के बदलाव करने पड़ेंगे, तभी आपको ये चीजें मिलेंगी...

याद रहे, पुण्य और पाप कर्म दोनों ही बांधते है। एक लोहे की जंजीर है तो एक सोने की। लोहे की जंजीर से छुटकारा पाने का मन भी करता है। लेकिन अगर जंजीर सोने की हो, तो छूटने का मन नहीं करेगा। पाप कर्म बंधन है तो पुण्यकर्म भी बंधन है। जब तुम सुख में होते हो तो इसमें एक इच्छा होती है। फिर मन करता है कि अब यह परिस्थिति बनी रहे। हमेशा सुख बना रहे। यह कामना जब मन में उत्पन्न होती है तो हम भूल जाते हैं कि परिस्थिति परिवर्तनशील होती है। कोई भी परिस्थिति कायम नहीं रहती। कभी राजा, कभी रंक, कभी बहुत कुछ, कभी कुछ भी नहीं। क्या समुद्र में रहकर कोई जहाज एकदम शांत रह सकता है? जब समुद्र के पानी में ही लहरें उठ रही हों, तो भला जहाज कैसे शांत रह सकता है।

समय बदलता रहता है। बदलाव समय का स्वरूप है। इक्कीस साल पहले हमारा जो शरीर था, वह आज

नहीं है। गंगा के घाट पर बैठकर गंगाजी को देखते हो तो तुम्हें लगता है कि गंगा वही है, ऐसा नहीं है। गंगा वही नहीं है, बल्कि घाट वही है। देखते-देखते गंगा में बहुत जल बह गया। समय का चक्र चलता ही रहता है। हमारी दृष्टि में वर्तमान, भूत, भविष्य काल ऐसे भेद हो सकते हैं। समय अपने आप में न भूत है, न वर्तमान है, न भविष्य है। सब कुछ समय के भीतर हो रहा है, और समय में सब बदल रहा है। लेकिन समय नहीं बदलता। वह अव्यय, अखंड है। यह समय, यह काल परमात्मा का ही स्वरूप है। गीता में कहा गया है कि परमात्मा सबके भीतर है, सबके बाहर भी है। जो भीतर है उसको हम अंतर्यामी कहते हैं, और जो बाहर है उसको हम काल स्वरूप कहते हैं। अंतर्यामी हैं प्रभु। तुम्हारे भावों, तुम्हारे विचारों सबके वह साक्षी हैं। तुम उनसे कुछ छिपा नहीं सकते। बाहर वह काल स्वरूप हैं। भीतर हैं तो तुम्हारी सांसें चल रही हैं। मजे की बात है, भीतर रहकर वह जीवन दे रहे और बाहर रहकर वो जीवन हर रहे हैं। हर सांस के साथ तुम्हारा जीवन नष्ट होता जा रहा है। जिस तरह से प्रकाश और सागर की तरंगें होती हैं। वैसे ही हम भी एक तरंग हैं चैतन्य के महासागर की। उठी हुई तरंग को जीवन कह दो, लेकिन वास्तव में वह तरंग पैदा नहीं हुई। वह उसी चैतन्य के महासागर में तुम्हें दिखी। वह दिखना जब बंद हो गई तो उसको चाहे तुम मृत्यु कह लो। वास्तव में मृत्यु जैसी कोई चीज है ही नहीं। गीता में भगवान श्रीकृष्ण समझाते हैं, आत्मा किसी काल में भी न तो जन्म लेती है, न मरती है और न उत्पन्न होकर फिर होने वाली ही है। मनुष्य के जीवन में तीन बातें है। शोक, मोह और भय। मोह इसलिए कि सुख नहीं है, और भय इसलिए कि शांति नहीं है। तुम चाहते हो आनंद, सुख-शांति और ये तीनों स्थायी हों तो शोक, मोह, भय को छोड़ो। ईश्वर हम सभी के हृदय में है पर हमारा अहंकार उन्हें प्रकट नहीं होने देता। अहंकार को त्यागना है क्योंकि मन की ऐसी स्थिति में मनुष्य सोचने लगता है कि सब मेरा है। यह विनाश का मूल है।

संत रमेश भाई ओझा

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

उद्धरेदात्मनाऽत्मानं नात्मानमवसादयेत।
आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः॥

भावार्थ

मनुष्य को स्वयं ही अपना उद्धार करना चाहिए और स्वयं को पतन की ओर नहीं ले जाना चाहिए, क्योंकि आत्मा ही आत्मा का मित्र और शत्रु होती है।

न्यूज कार्नर

यश ने जीता गोल्ड मैडल

रीवा। शहर के वार्ड नं 5 ढेकहा निवासी अनुरुद्ध पांडेय के पोते यस पांडेय उम्र 16 वर्ष ने एशिया कप 10 मीटर राइफल सूटिंग में गोल्ड मेडल जीता है। जिसमें 35 देश के लोग शामिल थे। हाल ही में यस पांडेय ने पिछले साल मध्यप्रदेश से नेशनल सूटिंग में रजत पदक विजेता बने थे। जिसमें उन्हें प्रदेश के उपमुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित कियाग या था। यस पांडेय हाई स्कूल एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल इन्दौर में 10वीं के छात्र हैं। इन्होंने अपने कोच गणेश कुमार एवं मध्यप्रदेश सूटिंग एकेडमी भोपाल के कोच वैभव कुमार का आभार व्यक्त किया है। यस पांडेय के बचपन कि शिक्षा 6वी क्लास तक रीवा में अपने दादा अनुरुद्ध पांडेय के पास ही हुई। इस खेल की प्रेरणा उनके चाचा ज्ञानेंद्र पांडेय (ज्ञानू) द्वारा दिया गया है। यस पांडेय कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना और गोल्ड मेडल जीतना उनकी मेहनत, अनुशासन और परिवार के सहयोग को दर्शाता है। स्थानीय स्तर से लेकर राज्य और फिर राष्ट्रीय प्रतियोगिताओ तक यश ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

मऊगंज कलेक्टर से मिली सीएम राइज की छात्रा

आईएएस बनने की जताई इच्छा, पूछे कई सवाल

जागरण,रीवा। सीएम राइज पीके स्कूल के चौथी क्लास की छात्रा ने कलेक्टर बनने की इच्छा जताई है। यही नहीं गत दिवस कलेक्टर मऊगंज डॉ संजय जैन से मिलकर जिस अंदाज में सीएम राइज पीके स्कूल की छात्रा श्रेया तिवारी ने आईएएस बनने की इच्छा जताई उससे कलेक्टर डॉ.जैन भी दंग रह गए। हालांकि इस दौरान कलेक्टर श्री जैन ने दस साल की छात्रा श्रेया के आत्मविश्वास की सराहना करते हुए उसे अपना स्नेह व आशीर्वाद के तौर पर पेन व सरकारी डायरी बतौर उपहार दिया। बता दे कि मऊगंज कलेक्टर श्री जैन से मुलाकात के दौरान नन्ही सी छात्रा श्रेया तिवारी ने यह भी कहा कि गवर्मेंट स्कूल में वह पढ़ाई कर रही हैं तथा उसे इस बात का गर्व भी है। दरअसल रीवा वार्ड क्रमांक 26 निवासी श्रेया तिवारी एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने अपने परिवार के साथ मऊगंज गई हुई थी। इसी दौरान उसे मऊगंज कलेक्टर डॉ.संजय जैन से कलेक्ट्रेट में मिलने का अवसर मिला। बता दे कि सीएम राइज संदीपनी पीके स्कूल की स्टूडेंट श्रेया तिवारी एक कलाकार भी हैं। मुलाकात के दौरान जब कलेक्टर श्री जैन ने उससे स्कूल के बारे में पूछा, श्रेया ने बताया उसकी बड़ी बहन ज्योति स्कूल में पढ़ती है इसका उसे बिल्कुल भी मलाल नहीं है। श्रेया ने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं गवर्मेंट स्कूल की स्टूडेंट हूं। इस दौरान श्रेया कलेक्टर श्री जैन से अपने स्कूल के टीचर्स की जमकर तारीफ करना नहीं भूली। छोटी सी बच्ची श्रेया ने कलेक्टर श्री जैन द्वारा दिए गए पेन को संभाल कर रखने की बात करते हुए कहा कि अब वह अपने इंपॉर्टेंट मैटर इसे से लिखेगी। मुलाकात के दौरान कलेक्टर श्री जैन ने नन्ही कलाकार श्रेया से उसकी हॉबीज के बारे में भी बात की। इस दौरान श्रेया ने बताया कि पढ़ने के साथ साथ उसे डांस व सिंगिंग का बहुत शौक है। श्रेया ने बताया कि वह कई बार डांस व म्यूजिक के कंपटीशन में हिस्सा लेकर अवॉर्ड भी जीत चुकी हैं। श्रेया ने बताया कि इससे पहले भी वह सीधी के तत्कालीन व अशोकनगर के वर्तमान कलेक्टर साकेत मालवीय से मिली थी तथा तब भी उसने भविष्य में कलेक्टर बनने की इच्छा जताई थी जो सोशल मीडिया में काफी वायरल भी हुआ था।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक में लिए गए कई निर्णय

रीवा। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन रीवा इकाई की बैठक कोठी कम्पाउण्ड रीवा में नरेश कुमार द्विवेदी वरिष्ठ उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेन्द्र मोदी के नाम से 5 सूत्रीय मांग पत्रों की समीक्षा की गई, जिसमें 1400 ब्लाक तहसील एवं जिला शाखा के सदस्यों द्वारा मांग पत्र डाक द्वारा भेजे गये। बैठक को सर्वश्री राजर्षिदेव पाण्डेय, वंशगोपाल त्रिपाठी, सिद्धमुनि पाण्डेय, विश्वनाथ सोधिया, उमाकान्त तिवारी, रामसिरोमणि द्विवेदी, बी.एस. पटेल, राजकिशोर तिवारी, अमीरुल्ला खान, न्याजुल्ला खान, एल.पी. गौतम, इन्द्रभान साहू, रूप कुमार पुरवार, शशीकान्त प्रजापति, के.पी. मिश्रा, बी.एल. पाण्डेय, विजयशंकर द्विवेदी, राजमणि जायसवाल आदि ने संबोधित किया।

कैंसर जागरुकता वॉकथान रैली: हजारों लोगों ने की सहभागिता

विंध्य कैंसर केयर फाउंडेशन एवं नेशनल हॉस्पिटल ने किया आयोजित

जागरण,रीवा। विंध्य कैंसर केयर फाउंडेशन एवं नेशनल हॉस्पिटल, रीवा के संयुक्त तत्वाधान में आज विश्व कैंसर जागरुकता पखवाड़े के अंतर्गत एक भव्य जागरुकता रैली एवं वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को कैंसर के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच व उपचार के महत्व को समझाना था। जागरुकता रैली का विधिवत शुभारंभ कलेक्ट्रेट परिसर से हुआ। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मनगवां विधायक नरेंद्र प्रजापति, डॉ योगेश्वर शुक्ल एवं डॉ अखिलेश पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए अटल पार्क पहुंची, जहां एक विशाल मंच सभा का आयोजन किया गया।

रैली को संबोधित करते हुए नरेंद्र प्रजापति ने कहा अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में जानकारी के अभाव में कैंसर घातक हो जाता है। हमारी प्राथमिकता है कि जागरुकता का यह संदेश केवल शहर तक सीमित न रहे, बल्कि गांव-गांव तक पहुँचे ताकि अंतिम छोर पर खड़ा व्यक्ति भी समय पर जांच करा सके और सुरक्षित रहे। अटल पार्क में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सांसद रीवा जनार्दन मिश्र, विधायक नरेंद्र प्रजापति, डॉ.मनोज इंदुरकर, डॉ.अखिलेश पटेल, डॉ.योगेश्वर शुक्ला, डॉ.अनिल पटेल, सिद्धार्थ कुशवाहा, डॉ.कमल शुक्ला, अनीता मिश्रा, डॉ रामाभिलाष दुबे, डॉ परमजीत डंग, मंचासीन रहे। सभा को संबोधित करते हुए सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि कैंसर अब लाइलाज नहीं है, बशर्ते हम डर को छोड़कर सही समय पर डॉक्टर से संपर्क करें। केंद्र और राज्य सरकार की आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं आज गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही हैं, जिससे कैंसर का महंगा इलाज भी सुलभ हुआ है। विंध्य की धरती से शुरू हुआ यह जागरूकता अभियान निश्चित ही एक स्वस्थ भविष्य की नींव रखेगा। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. अखिलेश पटेल ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ डॉ. योगेश्वर शुक्ल ने कैंसर के लक्षणों, बचाव के उपायों और आधुनिक उपचार पद्धतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने जोर दिया कि सही समय पर जांच ही कैंसर का सबसे बड़ा समाधान है। उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने ऑनलाइन संदेश मे कहा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ने के लिए समाज में जागरूकता की अत्यंत आवश्यकता है। हमारी सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि विंध्य क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े। इस तरह के आयोजनों से आम जनता में बीमारी के प्रति भय कम होगा और वे समय पर उपचार के लिए आगे आएंगे।

सीजन की सबसे बड़े खेल का आगाज आज से

अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में शामिल होंगे कई राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी

कई विवि की टीम पहुंची, 1040 से अधिक खिलाड़ी होंगे शामिल

जागरण,रीवा

अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के तत्वाधान में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय को पहली बार महिला पश्चिम क्षेत्र अंतर विवि प्रतियोगिता की मेजबानी दी गई है। यह विवि के लिए बड़ी सौगात है जो कुलगुरु डॉ.राजेन्द्र कुड़रिया के प्रयासों से विवि को मिली है। प्रतियोगिता का आगाज आज विवि स्टेडियम में किया जाएगा। इस संबंध में रविवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें संचालक शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग संचालक व आयोजक सचिव डॉ.रामभूषण मिश्रा इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि प्रतियोगिता का आगाज आज से होगा, जिसका आयोजन 13 फरवरी तक होगा। प्रतियोगिता का आयोजन 4 मैदानों में किया जाएगा। जिसके लिए संयोजक व सहायक संयोजक नियुक्त किए गए हैं। इस प्रतियोगिता में राजस्थान, गुजरात, विदर्भ, महाराष्ट्र, गोवा और मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों की 52 टीमें सम्मलित होंने की सूचना प्राप्त हुई है। जिसमें करीब 1040 खिलाड़ी व स्टॉफ शामिल होंगे। प्रतियोगिता के प्रर्वेक्षक के लिए अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आर्बजवर नियुक्त कर दिया गया है। और आर्बजवर आज दोपहर में रीवा पहुंच रहें है। विश्वविद्यालय द्वारा आमंत्रित टीम के खिलाडियों के आवास व्यवस्था के लिए विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास, शासकीय टीआरएस महाविद्यालय के छात्रावास और रीवा शहर के विभिन्न होटलों में व्यवस्था कराई गयी हैं। विश्वविद्यालय द्वारा प्रतियोगिता के मैच हेतु टीमों को चार पूल में बॉटकर चार पूल के मैच के लिए चार मैदानों में मैच कराये जायेगें। पूल 1 के सभी मैच शासकीय टीआरएस महाविद्यालय में आयोजित किये जायेगे और शासकीय टीआरएस महाविद्यालय में मैच के प्रभारी डॉ.रावेन्द्र सिंह को बनाया गया है। पूल 2 के मैक्स सैनिक स्कूल मैचान में खेले जायेंगे और यहाँ के प्रभारी डॉ.राजेश भारती, पूल 3 के मैच विश्वविद्यालय स्टेडियम में और प्रभारी डॉ. संजीव कुमार मिश्रा, पूल 4 के मैच स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में और यहाँ की प्रभारी डॉ.शिल्पा शर्मा को बनाया गया है। आज सुबह 7 बजे से शुभारंभ होगा। उद्घाटन समारोह दोपहर 3 बजे विश्वविद्यालय स्टेडियम में आयोजित किया जायेगा। प्रतियोगिता का समापन समारोह 13 फरवरी को शाम 4 बजे से प्रारम्भ होगा समापन समारोह के मुख्य अतिथि नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी होंगें। डॉ.राजेन्द्र कुड़रिया कुलगुरू अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के निर्देशन में प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु विभिन्न समितियों का गठन कराया गया है और इसके साथ ही रीवा जिला प्रशासन से सहयोग के लिए कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, आयुक्त नगर निगम, रेडक्रास सोसायटी और सीएमओ स्वास्थ विभाग को पत्र लिखें गए है। इस प्रतियोगिता में भारत की राष्ट्रीय ओर अर्न्तराष्ट्रीय स्तर के खिलाडियों का खेल देखने का अवसर रीवा शहर के दर्शको को पहली बार मिलेगा। शारीरिक शिक्षा विभाग में संचालक प्रोफेसर रामभूषण मिश्रा ने रीवा शहर की जनता से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में दर्शक के रूप में उपास्थित होकर मेहमान खिलाडियों का उत्साहवर्धन करें। आयोजित पत्रकार वार्ता में सहायक आयोजन सचिव डॉ.संजीव मिश्रा, क्रीड़ा अधिकारी रावेन्द्र सिंह, डॉ.राजेश भारती, डॉ.उपेन्द्र पांडेय, विजय सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

मरम्मत के बाद फिर फूटी बाणसागर नहर, फसल तबाह

लौआ लक्ष्मणपुर के ग्रामीण जलभराव से परेशान

जागरण, रीवा। बाणसागर नहर के सीपेज का मरम्मत कार्य कराए जाने के बाद पानी छोड़ते ही एक बार फिर सीपेज के कारण खेतों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। किसानों की माने तो खेतों में पानी भरने की वजह से उनकी फसल पूरी तरह से खराब हो गई है, ऐसे में अब किसान चिंतित और परेशान है। बताया गया कि नहर में सीपेज का मामला रीवा के ग्राम पंचायत लौआ लक्ष्मणपुर स्थित वार्ड 19 का है, जहां से गुजरी बाणसागर नहर में सीपेज की समस्या किसानों के लिये मुसीबत का सबब बन गई है। ग्रामीणो की मांने तो पूर्व में हुये सीपेज के कारण पानी को बंद कर मरम्मत का कार्य कराया गया था, लेकिन मरम्मत कार्य पूरा होते ही जब पानी को नहर में छोडा गया तो दोबारा सीपेज होने से नहर का पानी गांव के खेतों में फैल गया है। ऐसे में ग्रामिणो की समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय ग्रामीण नें बताया कि खेतों में पानी भरने से कई किसानों की गेंहू की फसल तबाह हो गई है। हालांकि ग्रामीणों ने दोबारा से संबधित विभाग को सूचना दी है लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। फिलहाल ग्रामीणों नें वीडियों के माध्यम से अपनी पीड़ा सुनाते हुये शासन प्रशासन से मांग की है कि नहर में सीपेज के कारण किसानों का जो भी नुकसान हुआ है उसकी भरपाई की जाए।

12 फरवरी को हड़ताल करेगा ट्रेड यूनियन

रीवा। संयुक्त ट्रेड यूनियनों की बैठक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव यूनियन के कार्यालय में आयोजित की गई, जिसमें आगामी 12 फरवरी 2026 को होने वाली अखिल भारतीय हड़ताल के परिप्रेक्ष्य में रीवा में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को तय किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई चारों श्रम संहिताओं के विरोध में आगामी 12 फरवरी को विभिन्न यूनियनों के सभी साथी अपने अपने कार्यालयों, कारखानों, बैंकों तथा बीमा कार्यालयों में विरोध कार्यवाहियां करते हुए नारेबाजी करेंगे एवं इसके उपरांत विभिन्न यूनियनों के साथ स्थानीय विवेकानंद पार्क से एक विशाल रैली निकालेंगे। यह रैली कमिश्नर कार्यालय तक जाएगी। कमिश्नर कार्यालय में विभिन्न यूनियनें राष्ट्रपति को संबोधित मांग पत्र संभागीय आयुक्त के माध्यम से देंगीं। बैठक में इंटक के जिला अध्यक्ष जी पी त्रिपाठी, सचिव वीरेंद्र सिंह, सीटू जिला अध्यक्ष गिरिजेश सिंह सेंगर, महासचिव सौरभ मिश्रा, मध्य प्रदेश बैंक एम्पलाइज एसोशिएशन के जिला अध्यक्ष ऋतुराज मिश्र, जिला सचिव ब्रजेश मिश्रा सहित अन्य उपस्थित रहे।

रीवा की कैरवी आहूजा ने जीता प्रिसेंस ऑफ इंडिया का खिताब

दिल्ली में किया गया आयोजन

रीवा। रीवा की 9 वर्षीय कैरवी आहुजा ने प्रिंसेस आफ इंडिया का खिताब जीत कर रीवा का मान बढ़ाया है। केरवी की माता काशवी आहुजा व पिता अमित आहुजा ने बताया कि कैरवी ने बॉम्बे में 21 जनवरी को हुए फैशन शो में भाग लिया और प्रिंसेस ऑफ़ इंडिया का खिताब जीता। अभिनेत्री सनी लियोन के द्वारा केरवी को क्राउन पहना कर सम्मानित किया गया।

आचार्य चयन परीक्षा 2026 का हुआ आयोजन

रीवा। सरस्वती शिक्षा परिषद मध्यप्रदेश महाकौशल प्रान्त की योजनानुसार रविवार को जिला आचार्य चयन परीक्षा 2026 का आयोजन सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जेलमार्ग रीवा में प्रातः11 बजे से किया गया। परीक्षा का उद्देश्य विद्यालयों हेतु कर्मठ, विद्वान एवं विषय विशेषज्ञ आचार्य/दीदियों की परीक्षा उपरान्त उनकी गुणवत्ता एवं शैक्षणिक योग्यता के आधार पर नियुक्ति करना है। जिससे सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों की शैक्षिक गुणवत्ता संस्कारयुक्त एवं उत्कृष्ट बने। परीक्षा में परिषद के प्रतिनिधि के रूप में कमलेश अवस्थी सह प्रादेशिक सचिव, केशव शिक्षा समिति ग्राम भारती,रवि मिश्रा विभाग समन्वयक रीवा एवं संतोष कुमार पटेल प्राचार्य दीनदयालधाम रीवा उपस्थित रहे। परीक्षा का आयोजन नीरज खरे जिला सचिव रीवा के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में किया गया। सभी अभ्यार्थियों ने अपनी क्षमतानुसार योग्यता का परिचय देते हुए उत्साहपूर्वक परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा परिणाम की घोषणा आज 9 फरवरी को की जायेगी। तत्पश्चात् साक्षात्कार का आयोजन किया जायेगा।

नव आरक्षकों ने लगाई हाफ मैराथन दौड़

रीवा। पीटीएस रीवा में 93वें नव आरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण सत्र 2025-26 में द्वितीय सेमेस्टर के नव आरक्षकों को रविवार 21.0975 किमी. की हॉफ मैराथन दौड़ आयोजित कराई गई। मैराथन दौड़ में कुल 181 नव आरक्षकों ने भाग लिया । जिन प्रशिक्षणार्थियों ने समय पर दौड़ को पूरा किया, उनमे पप्पू खण्डवा, शिवकुमार यादव हरदा, कैलाश जमरे कटनी, युवराज सिंह खण्डवा, अजय इंदौर, गोलू सिंह चौहान सतना, संतोष इंदोर जीआरपी, अजय देवले बुरहानपुर, अभिषेक गोलिया नर्मदापुर व अश्विन चौधरी उज्जैन पदस्थापना ईकाई शामिल है। हाफ मैराथन दौड़ का आयोजन पुलिस महानिरीक्षक प्रशिक्षण राज बाबू सिंह के निर्देशन व एसपी पीटीएस सुरेंद्र कुमार जैन के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

मरीजों को प्राइवेट केन्द्रों में खाली करनी पड़ रही जेब

ब्लॉक मुख्यालयों के अस्पतालों में एक भी रेडियोलॉजिस्ट नहीं, रेडियोग्राफर भी आधे

डेढ़ से 6 माह का कोर्स कराकर एमबीबीएस डॉक्टर्स व स्त्री रोग विशेषज्ञों को किया जा रहा प्रशिक्षित

जागरण,रीवा। जिले के सरकारी अस्पतालों में सोनोग्राफी व एक्स-रे जैसी जांचों के लिए पर्याप्त रेडियोग्राफर व रेडियोलॉजिस्ट नहीं हैं। सबसे बड़ी समस्या रेडियोलॉजिस्ट की है, क्योंकि जिला अस्पताल में ही रेडियोलॉजिस्ट नहीं है, ग्रामीण अंचलों के अस्पतालों में भी एक भी रेडियोलॉजिस्ट नहीं है। ग्रामीण अंचल से लोग जिला अस्पताल पहुंचते हैं और यहां से उनको सोनोग्राफी जैसी सुविधा के लिए बाहर प्राइवेट केन्द्रों का रास्ता दिखा जाता है, जहां उनको रुपए खर्च करने पड़ते हैं। हैरानी की बात है कि इस मामले को लेकर कई बार मांग हो चुकी लेकिन अभी तक जिला अस्पताल सहित ग्रामीण अंचल पर स्वास्थ्य केन्द्रों में रेडियोलॉजिस्ट नहीं पदस्थ किए गए। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के दावे के बीच सोनोग्राफी जैसी जांचे न हो पाना बड़े सवाल खड़े कर रहा है। अधिकतर ब्लॉकों में रेडियोग्राफर तक नहीं है, जिससे एक्स-रे जैसी जांचे भी प्रभावित हो रहीं है। लाखों की मशीनें धूल खा रही हैं उन्हें अभी तक शुरू नहीं किया जा सका। इनकी कमी पूरी करने के लिए स्वास्थ्य विभाग एमबीबीएस और स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉक्टरों को 40 दिन से लेकर 6 माह तक का कोर्स कराता है लेकिन कोर्स करने वाले डॉक्टर्स की संख्या बेहद कम है। इसका खामियाजा क्षेत्र के मरीजों को उठाना पड़ रहा है। रेडियोलॉजिस्ट और रेडियोग्राफर के अभाव में सतना जैसी घटना रीवा में भी सामने आ सकती है। नियमानुसार सभी जगह रेडियोलॉजिस्ट होना चाहिए लेकिन किसी भी ग्रामीण अस्पताल में नहीं है।

मन के मुताबिक होती है सोनोग्राफी

बता दें कि जिला अस्पताल में महिलाओं की सोनोग्राफी की जा रही है लेकिन यह भी चिकित्सकों के मन के मुताबिक ही होती है, यदि चिकित्सकों का मन है तो वह सोनोग्राफी करेंगे अथवा बाहर प्राइवेट केन्द्रों का रास्ता दिखा दिया जाता है, यहीं हाल सिविल अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों में है। जिससे गर्भवती महिलाओं को भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। एसजीएमएच में भी भारी भीड़ होने से परेशानी होती है।

कैसे कम हो शिशु-मातृ दर?

गर्भवती महिला को प्रसव काल में कम से कम 3-4 सोनोग्राफी जांच की जरूरत होती है, जबकि जांच की सुविधा सिर्फ जिला मुख्यालय में ही हो पाती है। जिले में हर माह करीब 5000 प्रसव होते है, ऐसे में जहां प्रसूताओं को प्रति जांच 1200 से लेकर 4000 रुपए तक का खर्च होता है। एसजीएमएच में फ्री में सोनोग्राफी कराने के लिए सुबह 9 बजे से ही कतारें लग जातीं है। 150 करीब जांचे प्रतिदिन होती है और 40 से अधिक मरीजों को बिना जांच के ही लौटना पड़ता है। यदि जांचे ही नहीं हो पाएगी तो शिशु-मृत्यु दर कम कैसे हो पाएगी।

पुरानी पेंशन को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

रीवा। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रान्तीय अध्यक्ष भरत पटेल एवं प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर मध्य प्रदेश के समस्त जिलों में अध्यापक शिक्षक संवर्ग की समस्याओं को लेकर जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसके तारतम्य में आजाद अध्यापक शिक्षक संघ जिला इकाई रीवा के जिलाध्यक्ष रमेश प्रताप सिंह के अध्यक्षता में बैठक स्थानीय विवेकानंद पार्क कॉलेज चौराहा में बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रमुख रूप से नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना कर ग्रेच्युटी बीमा योजना का लाभ दिलाए जाने, पुरानी पेंशन लागू कराए जाने, दोषपूर्ण ई-अंटेनडेंस बंद हो, अनुकंपा नियुक्ति सरलीकरण, गुरूजीओं को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता जिले अंतर्गत जवा ब्लॉक सहित अन्य ब्लॉकों के लंबित रखे गए सहायक अध्यापक एवं अध्यापकों का नवीन शिक्षक संवर्ग में संविलियन की कार्यवाही प्रचलन में हैं जिसे जानबूझकर कर देरी करने सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी है। 21बिन्दुओं का ज्ञापन कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन भोपाल को सौपा गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष रमेश प्रताप सिंह, राजेश सिंह, रजनीश चतुर्वेदी, रूपेश्वर पाण्डेय, प्रकाश चौबे, अशोक पाण्डेय, कुबेर सिंह आदि सैकड़ों अध्यापक शिक्षक उपस्थित रहे।

भारतीय रिज़र्व बैंक सर्विसेज़ बोर्ड
RESERVE BANK OF INDIA SERVICES BOARD
विज्ञापन संख्या RBISB/BA/05/2025-26

भारतीय रिज़र्व बैंक में नॉन सीएसजी कैडर में विभिन्न पदों पर भर्ती – पैनल वर्ष 2026

पैनल वर्ष 2026 के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) में नॉन सीएसजी कैडर में निम्नलिखित विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

क्र.सं.	पद	रिक्तियां
1	ग्रेड 'बी' में विधि अधिकारी	06
2	ग्रेड 'बी' में प्रबंधक (तकनीकी-सिविल)	02
3	ग्रेड 'बी' में प्रबंधक (तकनीकी-इलेक्ट्रिकल)	01
4	ग्रेड 'ए' में सहायक प्रबंधक (राजभाषा)	04
5	ग्रेड 'ए' में सहायक प्रबंधक (शिष्टाचार एवं सुरक्षा)	08
	कुल	21

2. पात्रता मानदंड, रिक्तियों के आरक्षण, चयन योजना, ऑनलाइन आवेदन जमा करने और अन्य अनुदेशों जैसे अन्य सभी ब्योरों के लिए, कृपया **06 फरवरी 2026** को बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर और एम्पलॉयमेंट न्यूज़/रोजगार समाचार के दिनांक **14 फरवरी 2026** के अंक/अनुवर्ती अंक में प्रकाशित किए जाने वाले विस्तृत विज्ञापन को देखें। उपरोक्त पदों के लिए उम्मीदवार बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) के माध्यम से केवल ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

3. महत्वपूर्ण तिथियां:

आवेदनों के ऑनलाइन पंजीकरण और आवेदन शुल्क/सूचना प्रभार के भुगतान के लिए वेबसाइट का लिंक खुला रहेगा	06 फरवरी 2026 से 26 फरवरी 2026 (शाम 06 बजे तक)
ऑनलाइन / लिखित परीक्षा	14 मार्च 2026

टिप्पणी: उपर्युक्त विज्ञापन के संबंध में यदि कोई शुद्धिपत्र / अनुशेष जारी किया जाता है तो उसे केवल बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर प्रकाशित किया जाएगा।

सर्वसुविधायुक्त 300 इकाई की आवास परियोजनाएं तैयार करने के निर्देश

एसीएस संजय दुबे की अध्यक्षता में नगर निगम के कार्यो की हुई विस्तृत समीक्षा

जागरण, रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) संजय दुबे की अध्यक्षता में रविवार को नगर निगम रीवा की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल, अपर आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग दिव्यांक सिंह, नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे सहित एमपीयूडीसी, राजस्व, वित्त एवं स्वास्थ्य शाखा के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 एवं 2.0 अंतर्गत एएचपी, बीएलसी, एआरएच, आईएसएस एवं इन-सीटू स्लम रिहैबिलिटेशन घटकों की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव ने एएचपी पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के निर्देश देते हुए एएचपी मद में व्यय राशि के समायोजन हेतु एलआईजी एवं एमआईजी भवनों से प्राप्त राशि के उपयोग की बात कही। बीएलसी योजना के अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा आवश्यकतानुसार अंतिम किश्त का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इन-सीटू स्लम रिहैबिलिटेशन की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने शिवनगर में क्रॉस-कम्पनसेशन आधारित प्रोजेक्ट तथा निराला नगर बस्ती के पुनर्वास कार्य की जानकारी दी, जिस पर एसीएस ने संतोष व्यक्त किया। रीवा में बढ़ते माइग्रेशन को दृष्टिगत रखते हुए एआरएच (अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग) पर विशेष कार्य करते हुए औद्योगिक क्षेत्रों से समन्वय स्थापित कर श्रमिकों एवं कर्मचारियों हेतु सर्वसुविधायुक्त 300 इकाई की आवास परियोजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए। आईएसएस योजना में अपेक्षित प्रगति न होने पर शासकीय एवं निजी कर्मचारियों को केंद्र में रखकर इसे प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने तथा आवास हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव ने बैठक में सभी योजनाओं के समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन पर सख्त निर्देश दिया।

स्वच्छता में 7 स्टार एवं वॉटर प्लस का लक्ष्य रखें : स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि रीवा का स्वच्छता स्तर निरंतर सुधर रहा है और इस वर्ष निकाय को 7 स्टार एवं वॉटर प्लस श्रेणी प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। नाइट स्वीपिंग एवं मैकेनिकल स्वीपिंग को अनिवार्य रूप से व्यावसायिक क्षेत्रों एवं मुख्य मार्गों पर लागू करने, स्वीपिंग मशीनों की संख्या बढ़ाने तथा जनसहभागिता एवं पब्लिक फीडबैक को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। स्रोत पर कचरा पृथक्करण की स्थिति सुधारने पर विशेष बल देते हुए कहा कि इसमें निरन्तर सुधार करें। वर्तमान श्रेणी में रीवा को स्वच्छता में अग्रणी बनाने का यह उपयुक्त अवसर है।

कनेक्शन के अनुपात में भुगतान करने के निर्देश

अमृत 1.0 योजना के अंतर्गत सीवेज प्रोजेक्ट की समीक्षा में पाया गया कि हाउस सर्विस कनेक्शन की प्रगति लगभग 25 प्रतिशत है। अपर मुख्य सचिव ने हाउस सर्विस कनेक्शन की संख्या शीघ्र बढ़ाने तथा संविदाकार को भुगतान हाउस कनेक्शन के अनुपात में ही करने के निर्देश दिए। सभी निर्मित एवं निर्माणाधीन एसटीपी को शीघ्र क्रियाशील करने तथा सीवर जल को पूर्ण रूप से ट्रीटेड करने के निर्देश दिए । पूर्व में बाढ़ से क्षतिग्रस्त 12 एमएलडी प्लांट के पुनर्निर्माण हेतु अमृत 2.0 योजना की शेष राशि से स्वीकृति प्रदान की गई। रोड कटिंग के दौरान कोर कटिंग मशीन का अनिवार्यता से उपयोग करने को कहा ।

अर्बन फंड से बनायें 1000 करोड़ की योजना

अपर मुख्य सचिव ने अर्बन चौलेंज फंड अंतर्गत लगभग 1000 करोड़ रुपये की समग्र योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

फाइल फोटो

उन्होंने कहा कि शहर में जिस तरीके से लगातार अधोसंरचना विकास हो रहा है औरआवश्यक जरूरतों का आंकलन कर अच्छी कार्ययोजना बनानी चाहिए और अपने उपलब्ध हो सकने वाले फंड से यूसीएफ के तहत 1000 करोड़ के प्लान बनाए। जिसमें हाउसिंग प्रोजेक्ट, नदी के बैक फ्लो से बाढ़ की समस्या पर प्रॉजेक्ट, मल्टीलेवल पार्किंग, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज एवं पुरानी पाइपलाइन परिवर्तन जैसे कार्य शामिल करे। इसके साथ ही इसमें ब्लू और ग्रीन अधोसंरचना विकास विशेष तौर पर जोड़े । डिजास्टर मैनेजमेंट के तहत एसडीआरएफ से फंड हेतु प्रोजेक्ट बनाए जाने के निर्देश दिए।

ट्रीटेड जल की ही आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर

वॉटर सप्लाई की समीक्षा में सभी सिस्टम को स्काडा से कनेक्ट करने तथा उसकी जानकारी राज्य स्तर पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। जल शोधन यंत्र से ट्रीटेड जल की ही आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं नियमित क्लोरीनेशन कराने पर बल दिया गया। पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में मरम्मत कार्य अनुबंधित कंपनी के कुशल कर्मचारियों से ही कराए जाने तथा व्यय संबंधित एजेंसी से वसूलने के निर्देश दिए गए। पाइपलाइन क्षति पर 10 गुना दंडात्मक कार्रवाई हेतु शासन स्तर से एसओपी जारी करने की बात कही गई।

शासकीय विभाग भी भवन मंजूरी लें

टाउन प्लानिंग एवं शहरी विकास पर अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि टाउन प्लानिंग स्कीम (टीपीएस) को मुख्य रूप से शहर के बाहरी क्षेत्रों में लागू किया जाए, ताकि अनियोजित विकास को रोका जा सके। उन्होंने निर्देशित किया रीवा में टाउन प्लानर विशेष समय देकर कच्चे एवं अविकसित क्षेत्रों को सुव्यवस्थित शहरी ढांचे में विकसित करने हेतु कार्ययोजना तैयार करेंगे । उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शासकीय विभाग भी भवन निर्माण हेतु विधिवत बिल्डिंग परमिशन प्राप्त करें तथा इस संबंध में राज्य स्तर से सर्कुलर जारी किया जाएगा।

व्यावसायियों से वसूली नहीं करने पर होगी कार्यवाही

राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए संपत्तिकर एवं जलकर की एकीकृत आईडी तैयार करने को कहा। वसूली के लिए विशेष रूप से व्यावसायिक कर संपत्तियों का चिन्हांकन करने तथा 31 मार्च तक शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। व्यावसायिक उपयोग वाले आवासीय भवनों पर व्यावसायिक दर से कर अधिरोपित कर वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा डोर-टू-डोर वसूली अभियान को तेज करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि विशेष तौर मार्च तक व्यावसायिक बकायादार की संख्या शून्य हो यह राजस्व के सभी अधिकारी कर्मचारी सुनिश्चित करेंगे अन्यथा कि स्थिति में शासन स्तर से भी कार्रवाई की जावेगी।

रेलवे संपत्तियों पर भी सेवा प्रभार की वसूली करें

समीक्षा के दौरान एसीएस संजय दुबे रेलवे संपत्तियों पर सेवा प्रभार की वसूली एवं अन्य शासकीय भवनों के समान करने तथा संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु जिला एवं राज्य स्तर पर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। नगर निगम रीवा को अपेक्षित ट्रेड लाइसेंस अनुमति शीघ्र प्रदान किए जाने पर भी चर्चा की गई।

23 को किसान कांग्रेस करेगा विधानसभा का घेराव

सतना। किसान कांग्रेस के सतना जिले के अध्यक्ष संतोष पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के नेतृत्व में मध्य प्रदेश विधानसभा का घेराव आगामी 23 फरवरी को किया जाएगा इसके लिए किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान की मुख्य मौजूदगी में संपूर्ण मध्य प्रदेश के किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की अहम बैठक राजधानी भोपाल के प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कर रूपरेखा तैयार की गई है और सभी जिला अध्यक्षों को अधिक से अधिक किसानों को भोपाल लाने की जिम्मेदारी सौंपी गई संतोष पांडे ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार पिछले दिनों संपूर्ण प्रदेश में किसान कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान के आवाहन पर किसान जन आंदोलन यात्रा निकाली गई है इसमें तमाम किसानों की समस्याएं निकलकर सामने आई हैं जिन समस्याओं को समाधान के लिए संपूर्ण मध्य प्रदेश के किसानों को एकत्रित कर 23 फरवरी को राजधानी भोपाल में विधानसभा का घिराव किया जाएगा जिसकी तैयारी अब जोरों से शुरू कर दी गई है सतना जिले से भी कई सैकड़ो की संख्या में 22 फरवरी को किसान कांग्रेस के पदाधिकारियों सहित किसान राजधानी भोपाल के लिए रवाना होंगे और 23 फरवरी को आयोजित होने वाले विधानसभा घेराव के कार्यक्रम में महत्वपूर्ण सहभागिता निभाएंगे इसके लिए अब किसान कांग्रेस द्वारा सतना जिले में विशेष रूप से कार्य योजना बनाई जा रही है।

मऊगंज में हुआ कुर्मी समाज का संभागीय अधिवेशन

जागरण, रीवा। 8 फरवरी रविवार को मध्य प्रदेश कुर्मी समाज का संभागीय अधिवेशन मऊगंज में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय संरक्षक पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एलपी पटेल, पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश कुर्मी रामखेलावन पटेल, प्रोफेसर राजमणि पटेल, पूर्व विधायक विद्यावती पटेल, इंजी. कल्पना पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विभा पटेल, आशा पटेल, एड राजेंद्र पटेल, जिला पंचायत सदस्य रामलाल पटेल, मुंद्रिका पटेल मऊगंज नगर पंचायत अध्यक्ष बृजवासी पटेल अध्यक्षता पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल एवं सीधी के अध्यक्ष विनायक पटेल सतना के अध्यक्ष दुर्योधन सिंह, मऊगंज सरदार पटेल संस्थान के अध्यक्ष अमृतलाल पटेल, जिला अध्यक्ष रामखेलावन पटेल, महेंद्र पटेल, कमांडेंट लक्ष्मण सिंह, मनोज कुमार सिंह, अभिषेक पटेल, सत्येंद्र सिंह गुड्डा, कमल किशोर पटेल सहित बड़ी संख्या में कुर्मी समाज लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने जाति जनगणना के समर्थन में अपनी बात रखी वहीं पर मृत्यु भोज और कर्मकांड का विरोध किया। शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देते हुए अतिथियों ने कहा कि शिक्षा शेरनी का दूध है जो पिएगा दहाड़ेगा। इस सिद्धांत पर सभी को उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहिए। मऊगंज में प्रदेश के पदाधिकारी के आने से सभी को शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

शोक संदेश

ॐ शांति

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्य पिता

श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव जी

निवासी ग्राम अटरिया तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.)
वर्तमान पताः तरहटी चित्रगुप्त मंदिर के सामने रीवा (म.प्र.) का आकस्मिक निधन दिनांक 31.10.2026, शनिवार को हो गया है। जिनकी आत्मा की शांति हेतु संस्कारिक कार्यक्रम आयोजित है।

कार्यक्रम विवरण	
दशगात्र (शुद्ध)	9 फरवरी, 2026 सोमवार
एकादशाह (कर्म)	10 फरवरी 2026 मंगलवार
त्रयोदशाह (तेरवी), ब्राह्मण भोजन	12 फरवरी 2026 गुरूवार
(समयः दोपहर 1:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक)	

कार्यक्रम स्थल: मानस भवन, रीवा (म.प्र.)
9981262605
9406036106

शोकसंतृप्त- पत्नी- माया श्रीवास्तव, पुत्र - पवन श्रीवास्तव एडवोकेट - श्रीमती सोनल श्रीवास्तव (उपयंत्री सिंगरौली), पुत्र- इंजी. अभिषेक श्रीवास्तव - श्रीमती निधि श्रीवास्तव, नातिन- शान्वी श्रीवास्तव, पोता - रूधव श्रीवास्तव एवं समस्त श्रीवास्तव परिवार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धारकुंडी पहुंचकर ब्रह्मलीन गुरुदेव स्वामी सच्चिदानंद के किए दिव्य दर्शन

जागरण सतना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को सतना जिले के धारकुंडी पहुंचकर परम पूज्य संत शिरोमणि स्वामी सच्चिदानंद सदगुरु महाराज जी के ब्रह्मलीन होने पर अंतिम दिव्य दर्शन किए और उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री ने महाराज जी के पार्थिव शरीर के अंतिम दिव्य दर्शन कर भावपूर्ण नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाराज जी के ब्रह्मलीन होने से पूरे विंध्य क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। वे लाखों श्रद्धालुओं के लिए आस्था, अध्यात्म और मार्गदर्शन का प्रमुख केंद्र थे। उनका सान्निध्य जनमानस को सदैव आध्यात्मिक ऊर्जा, प्रेरणा एवं सकारात्मक दिशा प्रदान करता रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि धारकुंडी आश्रम, जहां महाराज जी ने तप व साधना की, आज एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल बन चुका है। उनका महान व्यक्तित्व एवं साधना की अमिट छाप आने वाली पीढ़ियों को भी निरंतर प्रेरित करती रहेगी। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद श्री गणेश सिंह, चित्रकूट विधायक श्री सुरेन्द्र सिंह गहरवार, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक श्री हंसराज सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं साधु-संत उपस्थित रहे।

चेक बाउंस मामले के आरोपी की जमानत खारिज

कोल कारोबार के लिए पीड़ितों से लिया था 18 लाख रुपए

वारंट पर चुरहट पुलिस ने फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

जागरण, सीधी । न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी चुरहट की कोर्ट ने एक चेक बाउंस मामले में फरार आरोपी को चुरहट पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किए जाने पर जमानत याचिका खारिज कर दी है। बता दें कि लेनदेन के लिए बतौर गारंटी चेक देने वाले व्यक्ति को यह जालसाजी मंहगी पड़ गई है, न्यायालय ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज करते हुए जिला जेल पडरा भेज दिया है। इस संबंध में चुरहट पुलिस से मिली जानकारी अनुसार पंकज मिश्रा पिता प्रदीप कुमार मिश्रा 29 वर्ष निवासी ग्राम पडरा थाना जमोड़ी के खिलाफ चुरहट न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था जिसके पालन में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गयाए माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को जेल भेज दिया गया है। उल्लेखनीय हैं कि आरोपी पंकज मिश्रा द्वारा अनूप कुमार पाण्डेय पिता लवकुश प्रसाद पाण्डेय निवासी वार्ड नंबर 3 चुरहट से 12 लाख रुपए एवं अनितेश सिंह पिता लालजी सिंह निवासी गन्नौड से 30 लाख रुपए लिया था, लेकिन अब उक्त राशि को वापस नहीं किया जा रहा था, जिसके चलते पीड़ित अनूप कुमार पाण्डेय ने चुरहट न्यायालय में चेक बाउंस का मामला दायर किया था, इसी मामले की सुनवाई करते हुए न्यायधीश ने आरोपी को जेल भेजा है। बता दें कि आरोपी पंकज मिश्रा ने अपने संबंधों का लाभ उठाते हुए पीड़ित अनूप कुमार पाण्डेय एवं अनितेश सिंह से 18 लाख रुपए ऐंठ लिए थे और उनको काम दिलाने तथा अच्छाखासा लाभ दिलाने का लालच देकर वर्षों तक गुमराह करता रहा। आरोपी से पीड़ितों के संबंध मधुर होने के चलते वह आरोपी के कहने पर बार बार मौका देते रहे और जब यह साफ हो गया कि आरोपी पंकज मिश्रा द्वारा पैसे वापस न करने के लिए झूठ बोल कर गुमराह कर रहा है तो इनके द्वारा मामला न्यायालय में पेश कर दिया गया।

कोयला कारोबार के लिए मांगी थी राशि

पीड़ित अनूप कुमार पाण्डेय एवं अनितेश सिंह के अनुसार आरोपी पंकज मिश्रा सिंगरौली जिले के गोरबी में कोयला कारोबार करता था, जिसमें हम लोगों को शामिल करने के लिए बतौर सशर्त यह राशि ली थी, लेकिन जब ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी हम लोगों को काम नहीं दिया गया तो हम लोगों द्वारा पैसा वापस करने की मांग करने लगे। अनूप एवं नितेश द्वारा आरोपी से प्राप्त चेक को जब बैंक में जमा किया गया तो खाते में राशि न होने के चलते बाउंस हो गया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग रीवा म0प्र0

web site : www.mp.gov.in/pwdmp emil :- eepwdbrirewa@mp.nic.in
Phone – 07662 – 256720

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 02/2025–26 रीवा दिनांक 14.05.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संशोधन सहित के आधार पर प्रपत्र–अ में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में पजीकृत हो, से आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	1. कार्य की अनुमानित लागत, 2. अमानत राशि 3. निविदा प्रपत्र का मूल्य	1. ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज जमा करने हेतु। 2.कार्यावधि (वर्षाकाल रहित अथवा सहित)
1	2	3	4	5	6
1	2026_PWDRB 480168_1	खैरहा से पिपरिया मार्ग में सरफा नाला पुल निर्माण का शेष कार्य।	द्वितीय	1- 6597000.00 2- 65970.00 3- 10000.00	1– केवल आनलाइन 2–04 माह वर्षाकाल रहित।

उपरोक्त वेबसाइट आनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 25.02.2026 (17:30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। निविदा मे होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों मे प्रकाशन नही किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. सेतु निर्माण
संभाग रीवा (म.प्र.)
दूरभाष – 07662–256720

जी–25576/25

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रीवा परिक्षेत्र रीवा (म0प्र0)

website:www.mppwd.gov.in Email:-cepwdrewa@mp.nic.in
phone no. 07662-255200, Fax: 255380

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 13/सा./ 2025–26 रीवा दिनांक 03.02.2026

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	संभाग का नाम	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा फार्म (रूपये में)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_ 478221_1	सिंगरौली	उपसंभाग चितरंगी अंतर्गत मुख्य जिला मार्ग एम.डी.आर.–12–02 चितरंगी से चितावल, तमई, झरकटा, बरवाडीह, (घोरावल) यू. पी. बार्डर मार्ग लं. 45.20 कि.मी. का निर्माण कार्य यूटीलिटी शिफ्टिंग कार्य सहित	प्रथम	24 माह वर्षाकाल सहित	10707.56	5000000/-	50000/-
2	2026_PWDRB_ 479819_1	सतना	उपसंभाग मझगवां अन्तर्गत पिण्ड्रा बरौंधा खोही मियामऊ म0प्र0 सीमा तक (मु.जि.मा.) लं. 35.40 कि.मी. का निर्माण कार्य।	प्रथम	18 माह वर्षाकाल सहित	8773.78	4386900/-	50000/-
					Total:-	19481.34		

उपरोक्त बेवसाईट आनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा आनलाईन बिड सबमिशन की प्रारंभिक तिथि दिनांक 9.02.2026 से अंतिम तिथि 06.03.2026 सायं 18.00 बजे तक निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट में किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. रीवा परिक्षेत्र रीवा

जी–25560/25

उप मुख्यमंत्री ने धारकुंडी आश्रम के संस्थापक स्वामी परमहंस सच्चिदानंद जी महाराज के देवलोकगमन पर व्यक्त किया शोक

जागरण, रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं सतना स्थित धारकुंडी आश्रम के संस्थापक स्वामी परमहंस सच्चिदानंद जी महाराज के देवलोकगमन पर गहन शोक व्यक्त किया है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि पूज्य स्वामी जी का संपूर्ण जीवन धर्म, अध्यात्म और मानव सेवा को समर्पित रहा। उनका गोलोकगमन न केवल उनके असंख्य शिष्यों, बल्कि सम्पूर्ण समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने विचारों और आचरण से जनमानस को सदैव सत्यए अहिंसा और आध्यात्मिक मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और उनके अनुयायियों एवं शोकाकुल परिवारजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल एवं शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

नाम सुधार सूचना

मैं, रुद्र प्रताप सिंह, पुत्र मनोज कुमार सिंह, निवासी क्योटी रोड, लालगांव, सोनवर्षा, लालगांव, रीवा, मध्य प्रदेश– 486117, यह घोषित करता हूँ कि दस्तावेज जमा करते समय अनजाने में गलत विवरण प्रदान हो गया था, जिसके कारण मेरे अभिलेखों में त्रुटि हो गई। परिणामस्वरूप, मेरी 10वीं कक्षा की प्रमाण–पत्र में मेरे पिता का नाम मनोज सिंह दर्ज हो गया है जो गलत है जबकि मेरे पिता का सही एवं वास्तविक नाम मनोज कुमार सिंह है।

अतः मैं अनुरोध करता हूँ कि संबंधित अभिलेखों में उक्त त्रुटि को सुधार/संशोधित किया जाए एवं लिखा, पढ़ा व जाना जाए।

RN-83341 रुद्र प्रताप सिंह

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

राम श्याम वर वधु केन्द्र

डायरेक्टर-अम्ब्रीश उपाध्याय

मोबा. 7021777625, 9987606771
हमारे यहाँ सभी प्रकार के रिश्ते कराये जाते हैं-तलाकसुदा, विधुर, सर्विसमेन, बिजनेसमेन, गर्वमेन्ट, एम्प्लायी, मांगलिक, नॉन मांगलिक, कुण्डली मिला के करवाये जाते हैं। पता-वार्ड नं. 4, निर्मल नगर के सामने, मंगलम् मैरिज गार्डन के बगल में चोरहटा रीवा (म.प्र.) 486006 RN-83161(28/2)

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

मोहनी की सड़क गड्ढों में तब्दील

मुकुंदपुर। अमरपाटन विधानसभा अंतर्गत मुकुंदपुर समीपस्थ ग्राम पंचायत परसिया के आधीन ग्राम मोह्नी में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत ठेकेदार शिव शक्ति कांस कंपनी कोठी सतना पैकेज क्रमांक एम पी 34डब्लू बी 28 के द्वारा निर्मित सड़क बेला गोबिंदगढ़ रोड से मोह्नी डेढ़ किलोमीटर बनाई गई सड़क महज डेढ़ साल में ही गड्ढे में तब्दील हो गई। जबकि उक्त ठेकेदार के द्वारा महज 5 साल की गारंटी में उक्त सड़क की निर्माण कराया गया है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग क्र. 01 रीवा जिला रीवा (म.प्र.)

संक्षिप्त निविदा विज्ञप्ति क्र. 02/2025–26

क्रमांक 1793/ग्रा.यां.से./2026 रीवा, दिनांक 03/02/2026

मध्यप्रदेष राज्य रोजगार गांरटी परिषद् पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधीन आदेश क्र. 1119/नरेगाएमपी/2020 भोपाल दिनांक 04.07.2020 के परिपालन में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्र. 01 एवं अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा रीवा मण्डल रीवा के अन्तर्गत पदस्थ कार्यपालन यंत्री एवं अधीक्षण यंत्री को निर्माण कार्यो के पर्यवेक्षण हेतु मासिक आधार पर वर्ष 2025–26 के लिये स्कार्पियो वाहन किराये पर उपलब्ध कराने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मो से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित कार्यो का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है:–

क्र.	ग्रा.यां.से. संभागीय कार्यालय	सिस्टम आई.डी. नम्बर	वाहन का प्रकार	वाहन की संख्या	अनुमानित लागत (लाख में)	रिमार्क
1	संभाग क्र. 01 रीवा	2026_RES_480037	स्कार्पियों वाहन।	02	6.00	द्वितीय आमंत्रण।
			कुल योग :–		6.00	

उपरोक्त निविदा के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकते है। निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक 05.02.2026 से प्रारंभ होकर दिनांक 19.02.2026 समय 17:30 बजे शाम तक क्रय एवं निविदा प्रपत्र ऑनलाईन दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि निर्धारित है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

संषोधन की सूचना अलग से प्रकाशित नहीं की जावेगी। संशोधन संबंधी सूचनाए केवल वेबसाईट पर ही अपलोड की जावेगी। समस्त निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम दिवस की प्रतीक्षा न करें। शीघ्रातिशीघ्र विड जमा करें। वेबसाईट में किसी प्रकार की असुविधा के लिए विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

कार्यपालन यंत्री,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग क्र. 01 रीवा

जी–25570/25

कार्यालय अधीक्षक जिला जेल बैढ़न (सिंगरौली) म0प्र0

ई-निविदा सूचना आमंत्रण बर्ष 2025-26 (तृतीय आमंत्रण)

जिला जेल बैढ़न (सिंगरौली) में पदस्थ अधिकारियों के उपयोग हेतु किराये के वाहन हेतु वार्षिक निविदा वर्ष 2025-26 (तृतीय आमंत्रण) बेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की जा रही है, इच्छुक व्यापारीगण ई-निविदा फार्म एवं ई-निविदा से संवंधित संपूर्ण जानकारी वेबसाईट से प्राप्त करें। निविदा की निर्धारित तिथियाँ निम्नानुसार हैः-

क्र.	विवरण	दिनांक/समय	स्थान
01	प्री -बिड मीटिंग	दिनांक 08/02/2026 समय प्रात: 11:00 बजे	जिला जेल बैढ़न सिंगरौली (म.प्र.)
02	ई-निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि (निविदा फार्म का मूल्य रूपये 05.00 लाख तक रूपये 500.00 एवं रूपये 05.00 लाख से अधिक रू.1000.00 लेखा शीर्ष 0056 जेलें 008 अन्य प्राप्तियों में जमा की जावेगी)	दिनांक 15/02/2026 सायंकाल 5:00 बजे तक	https://www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
03	ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	दिनांक 15/02/2026 सायंकाल 5:00 बजे तक	https://www.mptenders.gov.in पर अपलोड किया जा सकेगा।
04	तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज)	दिनांक 16/02/2026 सायंकाल 5:00 बजे तक	जिला जेल बैढ़न सिंगरौली (म.प्र.)
05	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 17/02/2026 सायंकाल 5:00 बजे तक	जिला जेल बैढ़न सिंगरौली (म.प्र.)

नोटः-
01-संबंधित व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि ई-निविदा के नियम एवं शर्तों का पालन करना अनिवार्य है तथा निविदा की समस्त जानकारी वेबसाइट पर https://www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकेगी है।

जेल अधीक्षक
जिला जेल वैढ़न (सिंगरौली) म.प्र.

जी–25565/25

संक्षिप्त खबरें

सेवा का भाव राष्ट्र निर्माण में देता है योगदानः परमार

विसं, भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के गौरव हैं। उनका अनुशासन और सेवा भाव समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की अपार क्षमता रखता है। परमार ने कहा कि शिक्षा के साथ सेवा का भाव युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सच्चा योगदानकर्ता बनाता है। परमार रविवार को भोपाल स्थित निवास कार्यालय पर, गणतंत्र दिवस परेड-2026 में मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले चयनित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों से भेंट कर सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने माय-भारत राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय पुरस्कार 2022-23 से सम्मानित स्वयंसेवक सौमित दुबे एवं सुश्री आयुषी सिन्हा ने भी भेंट की।

हंडिया में 200 एमवीए का पावर ट्रांसफार्मर चालू

विसं भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने हरदा जिले के ट्रांसमिशन नेटवर्क को सुदृढ़ करते हुए अपने 220 केवी सबस्टेशन हंडिया में नया 200 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर उसे ऊर्जीकृत किया है। इस परियोजना से क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति और अधिक सुदृढ़, होगी। एम पी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेश शांडिल्य ने जानकारी दी कि यह ट्रांसफार्मर पुराने 160 एमवीए क्षमता के ट्रांसफार्मर के स्थान पर पुरानी फाउंडेशन पर ही अधिक क्षमता के नये 220/132/33 केवी,200 एम वी ए पावर ट्रांसफार्मर को स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है। इस स्थापना के पश्चत सबस्टेशन की कुल क्षमता 480 एमवीए से बढ़कर 520 एमवीए हो गई है। 220 के वी सबस्टेशन में इस पावर ट्रांसफार्मर के उर्जीकृत होने से सबस्टेशन से जुड़े हरदा, खातेगांव, कन्नौद, सुल्तानपुर, गोपालपुर, नसरुल्लागंज, सतवास, फतेहाबाद क्षेत्र लाभान्वित होंगे।

अमेरिका के साथ ट्रेड डील की केंद्रीय कृषि मंत्री ने गिनाईं खूबियां तो पीसीसी अध्यक्ष ने इसे किसान विरोधी बताया

ट्रेड डील सिर्फ व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक

विशेष संवाददाता, भोपाल। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अमेरिकी ट्रेड डील से विपक्ष पूरी तरह से वेंटिलेटर पर आ गया है। अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। भोपाल स्थित अपने निवास पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि ट्रेड डील से भारत को नई दिशा मिलेगी। यह दुनिया के लिए भी स्पष्ट संदेश है कि भारत की नीति कमिटमेंट की है, कॉम्प्रोमाइज की नहीं। हम आत्मविश्वास के साथ देश के हित में निर्णय लेते हैं। भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर संतुलित और सकारात्मक रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। चौहान ने कहा कि ये डील डिप्लोमेसी, डेवलमेंट और डिग्निटी का उत्तम उदाहरण है। भारतीय कृषि और किसानों को लेकर देश के मन में जो चिताएं थी उनका इस ट्रेड डील में समाधान किया गया है। समझौता किसानों को पूरी तरह से सुरक्षित रखता है। इससे नए अवसरों के द्वार खुलेंगे,तो हमारे कृषि उत्पादों को वेश्विक बाजार में नए अवसर भी मिल सकेंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि भारत में तरल, पाउडर और गाढ़ा दूध, क्रीम, दही, छाछ, मक्खन, घी मक्खन का तेल, पनीर, मट्ठा उत्पाद और चीज को भी प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में जिस तरह का विपक्षी दल हो हल्ला कर रहा है, उससे यह तय है कि इस ट्रेड डील से विपक्ष पूरी तरह से वेंटिलेटर पर आ चुका है।

डील डिप्लोमेसी डेवलमेंट और डिग्निटी का उत्तम उदाहरण

सब्सिडी समर्थित सस्ता अमेरिकी माल भारत पहुंचेगा, जिसका किसान कैसे सामना करेंगे

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि अमेरिका के साथ केंद्र सरकार ने जो समझौता किया है, वह किसान विरोधी है। उन्होंने कहा कि सब्सिडी समर्थित सस्ता अमेरिकी माल भारत में प्रवेश करेगा, जो भारत के किसानों के लिए जोखिम भरा होगा। पीसीसी में पत्रकारों से चर्चा करते हुए पटवारी ने कहा कि भारत और अमेरिका की कृषि संरचना में असमानता है। अमेरिका में औसत जोत मात्र 400 से 450 एकड़ है, जबकि भारत में औसत जोत 2 से 2.5 एकड़ है। अमेरिका में लगभग 1-2 प्रतिशत आबादी खेती करती है, जबकि भारत में बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। ऐसी असमान संरचना में खुली प्रतिस्पर्धा भारतीय किसानों के लिए घातक सिद्ध हो सकती है। यदि नॉन -टैरिफ बैरियर कम किए जाते हैं या बाजार को चरणबद्ध तरीके से खोला जाता है, तो सब्सिडी-समर्थित सस्ता अमेरिकी माल भारतीय बाजार में प्रवेश करेगा, जिससे 2 एकड़ वाला भारतीय किसान 450 एकड़ वाले सब्सिडी संरक्षित अमेरिकी किसान से कैसे प्रतिस्पर्धा करेगा। पटवारी ने कहा कि देश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय कृषि संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता थी। उस दौर में कृषि उत्पादों पर औसत आयात शुल्क 30 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक तथा डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक रखा गया था, ताकि विदेशी डंपिंग से भारतीय किसानों को बचाया जा सके।

सब्सिडी समर्थित सस्ता अमेरिकी माल भारत में करेगा प्रवेश

बिना रेरा नंबर नहीं होगी मकानों की रजिस्ट्री

सरकार ने अवैध कालोनियों पर नकेल कसने के लिए लिया बड़ा फैसला

राज्य के दूसरे बड़े शहरों में भी खुलेंगे रेरा के सब कार्यालय

विशेष संवाददाता, भोपाल। मप्र में अब कोई भी बिल्डर या डेवलपर तब तक ग्राहकों को प्लॉट या मकान नहीं बेच सकेगा, जब तक वह रेरा में पजीकृत नहीं होगा। अब रजिस्ट्री तभी संभव हो सकेगी, जब बिक्रय अनुबंध पर रेरा पंजीयन का नंबर लिखा होगा। गौरतलब है कि राजधानी भोपाल सहित पूरे प्रदेश से ऐसी शिकायतें आती रही है कि कई बिल्डर या डेवलपरों द्वारा बिना रेरा पंजीयन के बाद कालोनी काटी जा रही है। उनके द्वारा प्लॉट या मकान बनाकर बेचे जा रहे हैं।

इससे ये निर्माण पूरी तरह से अवैध कालोनी का स्वरूप लेते जा रहे हैं। इसके बाद खरीदारों को कई तरह की सुविधाएं नहीं मिलने से परेशानी हो रही है। ऐसे कई उदाहरण या मामले सामने आए हैं कि बिल्डर या डेवलपर मनमर्जी से कागजों में कॉलोनी बेचकर गायब हो जाते हैं। प्रदेशभर में ऐसी कॉलोनियां विकसित की जा चुकी है, जहां पर तमाम असुविधाएं हैं और रहवासियों को शासन-प्रशासन के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। कई स्थानों पर ऐसी स्थिति की वजह से विवाद भी उत्पन्न हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि रेरा द्वारा बिल्डर या डेलवपर को साफ तौर पर कहा जाता है कि जहां कॉलोनी विकसित की जा रही है, वहां पर सड़क, पानी, बिजली जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इस पर सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए साफ कर दिया है कि रेरा पंजीकरण के बिना किसी भी प्लॉट या आवास की रजिस्ट्री नहीं की जाएगी।

जानकारों की मानें तो इस संबंध में पंजीयन विभाग को भी निर्देशित कर दिया गया है। दरअसल पिछले 5 सालों के रिकार्डो पर नजर डाला जाए तो रेरा में पंजीयन के लिए 6,323 आवेदन किए गए,जिस पर रेरा ने 3,398 आवेदन स्वीकार कर उन्हें पंजीकृत कर दिया,यानि कि लगभग आधे आवेदन रेरा ने अपनी शर्त मंजूर नहीं होने पर अस्वीकृत कर दिए। इसके बाद भी निर्माण कार्यो में किसी भी तरह की कमी नहीं आई है। पंजीयन विभाग से साफ तौर पर कहा गया कि अगर एंग्रीमेंट में रेरा नंबर नहीं है, तो उपपंजीयक रजिस्ट्री करने से मना कर दें। जानकारों का कहना है कि इस नए नियम से जहां बिल्डर नियम विरुद्ध कॉलोनी, मकान या प्लॉट नहीं बेच पाएंगे। इससे अवैध कालोनी काटने वाले बिल्डरों पर भी नकेल कसेगी, तो खरीददारों को भी राहत मिलेगी और वे फर्जीवाड़े या अपने साथ होने वाली धोखाधड़ी से भी बच जाएंगे। रेरा कानून में पहले से ही ऐसे मामलों में भारी जुर्माना से लेकर जेल तक की सजा का प्रावधान उल्लेखित है। लेकिन कई जगह ऐसे मामले सामने आने से पहले से कथित बिल्डर या डेवलपर उनके खिलाफ एक्शन होने से पहले ही गायब हो जाते है। इस नए कानून से अब रजिस्ट्री के समय रेरा नंबर की जांच हो जाएगी और खरीददारों को भी उनका हक मिल सकेगा। रेरा के विशेष सचिव राजेश बहगुणा का कहना है कि एक्ट उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है। ऐसे में उपभोक्ताओं को भी जागरुक रहना पड़ेगा और उन्हें बिना रेरा पंजीयन वाली कोई भी किसी भी तरह की संपत्ति खरीदने बचना होगा। नया नियम घर या प्लॉट खरीदने वालों के लिए जहां सुरक्षा कवच बनेगा,तो रियल एस्टेट बाजार में भी पारदर्शिता,भरोसा और जवाबदेही भी मजबूत होगी।

काफी समय से दफ्तर खोलने हो रही थी मांग

सरकार राज्य भर में अवैध कालोनियों या प्लॉट बिक्री पर रोक लगाने के लिए रेरा के दफ्तर भोपाल से बाहर बड़े शहरों में भी खोलने की तैयारी में है। जानकारों की मानें तो ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर और उज्जैन जैसे शहरों में रेरा के सब ऑफिस खोले जाएंगे। उल्लेखनीय है कि सरकार के पास ये मांग काफी समय से लंबित है,अब सरकार इस पर विचार कर रही है।

एसआईआर कार्य में लगे निगम के 150 कर्मचारियों को नहीं मिला वेतन

फील्ड वर्क के कारण कर्मचारी नहीं लगा सके ई-अटेंडेंस

जागरण संवाददाता, भोपाल। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में लगे नगर निगम भोपाल के 150 से ज्यादा कर्मचारियों को जनवरी का वेतन नहीं मिल सका है। नतीजतन यह सभी कर्मचारी वेतन के लिए परेशान हो रहे हैं। नगर निगम भोपाल के 150 कर्मचारी जनवरी में एसआईआर कार्य कर रहे थे। नगर निगम के नियमों के अनुसार प्रत्येक कर्मचारी को हर माह का वेतन प्राप्त करने के लिए ई-अटेंडेंस के जरिए हाजिरी लगानी पड़ती है, लेकिन एसआईआर कार्य में होने से इन कर्मचारियों की उपस्थिति एसडीएम कार्यालय से दी जाती है।

इन कर्मचारियों के वेतन के लिए एसडीएम कार्यालय से हाजिरी बनाकर नगर निगम की जीएडी शाखा को भेजा जाता है, लेकिन जीएडी शाखा ने ई-अटेंडेंस न होने पर इन कर्मचारियों का वेतन रोक दिया है, जिससे कर्मचारी सैलरी पाने के लिए भटक रहे हैं। बता दें कि शासन द्वारा कर्मचारियों को 1 तारीख को वेतन भुगतान करने के स्थाई आदेश जारी किए गए हैं। इसके बाद भी कर्मचारियों को कई बार समय पर वेतन भुगतान नहीं हो पाता है। इन सभी कर्मचारियों के वेतन का भुगतान समय पर करने के लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उत्तर विधानसभा द्वारा जारी दिशा निर्देशों के बाद भी कर्मचारियों का वेतन जारी नहीं किया गया है। कर्मचारियों ने बताया कि इस संबंध में जब उन्होंने नगर निगम की जीएडी शाखा के बाबुओं से संपर्क किया तो पता चला कि कर्मचारियों ने ई-अटेंडेंस नहीं लगाई है। इस कारण अधिकारियों के कहने पर ही वेतन रोका गया है। जबकि दूसरी ओर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय की ओर से विभिन्न विधानसभाओं में कार्यरत कर्मचारियों की हाजिरी बनाकर जीएडी शाखा में पहुंचाई गई है। इसके बाद भी वेतन रोका गया है। जिसके कारण कर्मचारियों को मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही है।

समितियों के गठन के आधार पर अध्यक्षों के कार्यों का मूल्यांकन

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में कांग्रेस अब पंचायत और वार्ड स्तर पर संगठन की मजबूती के आधार पर अपने जिला अध्यक्षों की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करेगी। इसके लिए सभी जिलाध्यक्षों को निर्धारित समय सीमा पर हर वार्ड और पंचायत स्तर की कमेटियों का गठन करना होगा। यह निर्देश रविवार को पीसीसी में भोपाल संभाग की पार्टी बैठक में दिए गए। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी सहित दूसरे वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में संगठनात्मक बैठक हुई। संभागवार होने वाली यह बैठकें लगातार आहुत की जाएंगी। पहली बैठक भोपाल जिला संगठन की हुई, जिसमें भोपाल शहर जिलाध्यक्ष प्रवीन सक्सेना और ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनोखेलाल पटेल सहित दूसरे पदाधिकारी मौजूद रहे। जानकारों की मानें तो बैठक में प्रदेश प्रभारी चौधरी ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर समितियों का गठन करने के निर्देश दिए। इसके लिए प्रदेशाध्यक्ष पटवारी ने विस्तृत कार्ययोजना को लेकर पदाधिकारियों से सीधे संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का कार्यकर्ता हर घर तक पहुंचना चाहिए। समितियों का गठन करने के दौरान महिलाओं और युवाओं की भागेदारी पर विशेष ध्यान देना होगा। लोगों को कांग्रेस की विचारधारा और राष्ट्र प्रथम की भावनाओं से अवगत कराना होगा,जिससे वे पार्टी की विचारधारा को अंगीकार कर सके।

पार्टी की वास्तविक ताकत उसका जमीनी संगठन

पटवारी ने कहा कि पार्टी की वास्तविक ताकत उसका जमीनी संगठन है। ग्राम और वार्ड स्तर पर मजबूत समितियां ही संगठन को मजबूती देंगी और आम जनता की आवाज को प्रभावी रुप से आगे बढ़ाने का कार्य करेगी। उन्होंने जिलाध्यक्षों एवं ब्लॉक अध्यक्षों से कहा कि उन्हें संगठनात्मक जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वाहन करना है। वे सक्रियता और समर्पण के साथ पार्टी को मजबूत बनाने की दिशा में काम करें। बैठक में प्रदेश प्रभारी चौधरी ने कहा कि अब हमें पूरी तरह से संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में काम करेंगे और लोगों को भाजपा और उसकी सरकार की हकीकत से अवगत कराएंगे। इस मौके पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव संजय दत्त,प्रदेश उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे, संगठन महामंत्री डॉ. संजय कामले भी मौजूद रहे।

यूकेलिप्टस और विलायती बबूल की लकड़ी के परिवहन में नहीं होगी परेशानी

जागरण संवाददाता, भोपाल। नीलगिरी या यूकेलिप्टस, सुबबूल, विलायती बबूल के साथ कैसूरिना और पोपलर की लकड़ी का परिवहन करते समय आम लोगों को परेशानी नहीं होगी। इस संबंध में वन विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना के तहत प्रदेशभर में इन पांचों पेड़ों की लकड़ी का परिवहन करते समय वृक्ष मालिक को ट्रांसपोर्ट परमिट की आवश्यकता नहीं होगी। दरअसल यह सभी पेड़ आक्रामक प्रजातियों में गिने जाते हैं और ये भूजल को तेजी से खत्म कर जमीन को बंजर बना देते हैं। ऐसे में इन प्रजातियों को खत्म करने के लिए वन विभाग द्वारा ट्रांसपोर्ट परमिट के नियमों को शिथिल किया जा रहा है। हालांकि इन प्रजातियों के अलावा अन्य पेड़ों की लकड़ी का परिवहन करते समय अब भी ट्रांसपोर्ट परमिट की आवश्यकता होगी। वन विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश के अधिसूचित वन क्षेत्र में इन पेड़ों की संख्या नगण्य है। अब राजस्व क्षेत्र में भी इन्हें सीमित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके तहत नियमों को शिथिल किया जा रहा है, जिसके तहत यदि राजस्व भूमि या निजी भूमि पर यह पेड़ हैं, तो इन्हें काटा जा सके और इनकी लकड़ी के परिवहन के समय व्यक्ति विशेष को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

900 से अधिक नई ग्राम सभाओं का गठन

प्रशासनिक बाधाओं से मुक्त रखें ग्राम सभाओं कोः पटेल

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में पेसा एक्ट के दायरे में आने वाले क्षेत्रों में 900 से अधिक नई ग्राम सभाओं का गठन हुआ है। ग्राम सभाओं में 11 हजार से ज्यादा प्रकरणों का चौपालों के माध्यमों से समाधान किया गया है। इस दिशा में राज्य सरकार द्वारा विभागीय अधिकारियों को लक्ष्य भी दिए गए है। यह जानकारी रविवार को राज्य स्तरीय सूचना, शिक्षा एवं संचार प्रशिक्षण सह कार्यशाला में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने दी। पटेल भोपाल के बरखेड़ी कलां स्थित क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज प्रशिक्षण केंद्र में दो दिवसीय कार्यशाला का समापन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खनन पट्टों, लघु वनोपज के संग्रहण तथा ग्राम स्तर की शांति व्यवस्था जैसे विषयों पर ग्राम सभा की भूमिका सर्वोपरि है। पेसा अधिनियम मात्र एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के स्वाभिमान, परंपराओं और अधिकारों की संवैधानिक पुनर्स्थापना का सशक्त माध्यम है। जल-जंगल-जमीन अब केवल नारा नहीं, बल्कि शासन की नीतियों और जमीनी क्रियान्वयन के माध्यम से ठोस वास्तविकता बन चुका है। पटेल ने बताया कि पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश आज महाराष्ट्र के बाद पूरे देश में दूसरे स्थान पर है। मंत्री पटेल ने कहा कि योजनाओं की सफलता केवल फाइलों की गति से नहीं, बल्कि धरातल पर दिखाई देने वाले परिवर्तन से आंकी जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ग्राम सभाओं को प्रशासनिक बाधाओं से मुक्त रखें तथा जिला एवं विकासखंड समन्वयक केवल प्रतिवेदन तक सीमित न रहकर ग्राम सभाओं को जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं। कलेक्टर्स को जिला स्तर पर तथा एसडीओ (राजस्व) को अनुविभाग स्तर पर नियमित पाक्षिक समीक्षा सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

ग्राम सभाओं को सीधे मिलेगी राशि

मंत्री पटेल ने बताया कि आगामी वित्तीय वर्ष में ग्राम सभाओं को सीधे वित्तीय राशि हस्तांतरित करने की तैयारी की जा रही है, जिससे स्थानीय स्वशासन की अवधारणा को और अधिक बल मिलेगा। उन्होंने तकनीकी दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से सचिवों एवं मोबिलाइजरों को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के प्रभावी उपयोग के लिये प्रशिक्षण देने के निर्देश भी दिए

गड़बड़ी — स्टाफ की कमी से बंद होने के कगार पर स्टेट गैरेज, मंत्रियों और अफसरों की सुधरती हैं कारें

सरकारी वाहन सुधारने वाला स्टेट गैरेज खस्ताहाल

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार के मंत्रियों और आला अफसरों की चमचमाती गाड़ियों की रिपेयरिंग और मेंटेनेंस करने वाले स्टेट गैरेज खुद धक्का लगाकर चल रहा है। गृह विभाग के अधीन आने वाला सरकारी गैराज स्टाफ की भारी कमी और सालों से भर्तियां न होने के कारण लगभग बंद होने की कगार पर पहुंच गया है। स्टेट गैरेज के सेटअप पर नजर डालें तो यहां कुल स्वीकृत 222 पदों में से 109 पद खाली हैं। आलम यह है कि अधीक्षक, स्टोर ऑफिसर, लेखाधिकारी और मुख्य लिपिक जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक पद खाली हैं और फिलहाल प्रभारियों के हवाले हैं। तकनीकी अमले की बात करें तो फिटर, मैकेनिक और इलेक्ट्रिशियन जैसे पदों पर भी सालों से नई नियुक्ति नहीं हुई है।

यह है रिक्त पदों का गणित

तकनीकी स्टाफ की बात करें तो फिटर के 8 में से 6 पद खाली हैं, जबकि इलेक्ट्रिशियन और टर्नर के सभी रेगुलर पद रिक्त पड़े हैं। इसके अलावा नियमित वाहन चालकों के 64 में से 30 पद खाली हैं,इसके अलावा संविदा वाहन चालकों के भी 87 में से 44 पद रिक्त हैं। स्टेट गैरेज में स्टाफ की कमी का सीधा फायदा निजी गैरेज और कंपनियों को मिल रहा है। पहले जहां वाहनों की छोटी-मोटी रिपेयरिंग और मेंटेनेंस यहीं हो जाया करती थी, अब वह काम सीधे निजी हाथों में चला गया है। इसके कारण सरकार को हर साल वाहनों के रखरखाव पर करोड़ों रुपए की भारी-भरकम राशि निजी कंपनियों को भुगतान करनी पड़ रही है। भर्ती न होने के कारण वर्कशॉप में काम करने वाले हेड मिस्त्री और फोरमेन जैसे पद भी खाली हैं। एक कर्मचारी ने नाम न छापने की शर्त पर आरोप लगाया कि विभाग के आला अफसर जानबूझकर स्टेट गेरेज को बंद करना चाहते हैं। इस मामले पर विभाग के आला अफसरों ने भी कुछ भी कहने से इंकार कर दिया।

ये है पदों का लेखा-जोखा

पदनाम	कुल पद	कार्यरत	रिक्त
अधीक्षक	1	0	1
स्टोर ऑफिसर	1	0	1
लेखाधिकारी	1	0	1
मुख्य लिपिक	1	0	1
स्टोर कीपर	1	0	1
सहायक वर्ग2	2	0	2
सहायक वर्ग-3,	9	6	3
फोरमेन		1	01
हेड मिस्त्री	1	0	1
फिटर		8	26
सहायक मैकेनिक	3	1	2
विद्युतकार	2	0	2
टर्नर		1	01
अपहोल्स्टर	1	0	1
वेल्डर कम लोहार	1	0	1
चौकीदार (कांटी.)	3	2	1
क्लीनर (नियमित)	19	13	6
क्लीनर (कांटी.)	5	5	0
टाइम कीपर,	1	1	0
पेट्रोल इश्यूअर	4	3	1
भृत्य,	2	1	1
स्वीपर	1	1	0
डिस्पैच राइडर	2	1	1
नियमित वाहन चालक	64	34	30
कांटी. वाहन चालक	87	43	44
योग	**222**	**113**	**109**

लहसुन की आड़ में हो रही थी अफीम की खेती

जागरण, उज्जैन। माकड़ोन थाना क्षेत्र स्थित नांदेड देवली रोड पर एक किसान ने अपने खेत में लहसुन के खेत के साथ किनारों पर अवैध रूप से अफीम की खेती कर दी। आरोपी ने 1 हजार 300 अफीम के पौधे लगाए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया आरोपी रघुनाथ उर्फ रूगनाथ पिता आत्माराम देवड़ा उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम नांदेड द्वारा अपने लहसुन के खेत में 1300 अफीम के पौधे लगाए गए। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर खेतों में सर्चिंग की तो अफीम के पौधे सामने आए। पुलिस ने जब उससे इसके वैध लाइसेंस और अनुमति के बारे में पूछा तो वह कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर पाया। आरोपी रघुनाथ उर्फ रूगनाथ को गिरफ्तार कर मौके से 26 गट्ठरों में 1300 अफीम के पौधे बरामद किए गए। इसका वजन 6 किलो 100 ग्राम एवं अनुमानित बाजार मूल्य 60 हजार रुपए है।

इंदौर में दिखी भाजपा नेता की गुंडागर्दी

रंजिश में दो युवकों के सिर फोड़े, स्कॉर्पियो में तोड़फोड़

जागरण, इंदौर। शहर के राऊ इलाके में रविवार सुबह भाजपा युवा मोर्चा के एक पदाधिकारी की दबंगाई देखने को मिली है। जब उसने अपने साथियों के साथ मिलकर दो युवकों पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने युवकों से मारपीट करने के साथ ही उनकी स्कॉर्पियो कार के कांच भी चकनाचूर कर दिए। घायल युवकों को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, हमलावर की पहचान भाजपा युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष वेदांत तिवारी के रूप में हुई है। पीड़ित प्रखर शर्मा और नयन बाफना (सुदामा नगर) सुबह कैट रोड स्थित एक कैफे से चाय पीकर अपनी स्कॉर्पियो से लौट रहे थे। इसी दौरान वेदांत तिवारी, समीर शर्मा और आदित्य ने उनका पीछा किया और बीच रास्ते में रोककर हमला बोल दिया। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से वर्चस्व को लेकर रंजिश चली आ रही है। घटना के बाद घायल युवक जब राऊ थाने पहुंचे, तो सत्ताधारी दल के नेताओं के दबाव के कारण पुलिस शुरुआत में एफआईआर दर्ज करने से कतराती रही। हालांकि, जब मामला बढ़ा और थाने पर हंगामा शुरू हुआ, तब पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायलों का निजी अस्पताल में इलाज जारी है। उनके सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

आरोपी पहले भी युवकों पर कर चुका है हमला

20 दिन पहले भी वेदांत और उसके साथियों ने इन युवकों को निशाना बनाया था। वेदांत ने महू नाका चौराहे पर इन युवकों को घेरने की कोशिश की थी। उस वक्त युवक कार भगाकर वहां से निकलने में कामयाब रहे थे। इसके बाद मामला छत्रीपुरा थाने पहुंचा था, लेकिन तब दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दिया गया था। इसी समझौते का नतीजा रहा कि आरोपियों के हौसले बुलंद हो गए और उन्होंने दोबारा हमला कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में प्राइवेट ट्रेनी विमान खेत में क्रैश

विजयपुरा, जेएनएन। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में रविवार को एक खेत में प्राइवेट ट्रेनी विमान क्रैश हो गया। हादसे से ठीक पहले दोनों पायलट विमान से बाहर निकलने में सफल रहे, जिससे उनकी जान बच गई। दोनों को हल्की चोटें आई हैं। घटना बालेश्वर क्षेत्र के मंगलुरु गांव में हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं और जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक, यह विमान रेडबर्ड एविएशन का प्राइवेट ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट था, जो कलबुर्गी से बेलगावी जा रहा था।

अंकिता भंडारी हत्याकांड

महापंचायत में माता पिता भी हुए शामिल

देहरादून, जेएनएन। उत्तराखंड अंकिता हत्याकांड में वीवीआईपी को सजा दिलवाने और सीबीआई की जांच सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज से करवाने की मांग को लेकर देहरादून में महापंचायत रखी गई है। ये महापंचायत अंकिता न्याय यात्रा संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर के ताले की गई। महापंचायत में अंकित के माता और पिता भी शामिल हुए। महापंचायत में पांच प्रस्तावों को पारित किया गया है। इसके साथ ही महापंचायत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच को लेकर पत्र भी भेजा गया है।

12वीं के छात्र ने महिला टीचर को जड़ा थप्पड़

अहमदाबाद, जेएनएन। गुजरात के पंचमहल जिला में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां 12वीं कक्षा के एक छात्र ने क्लासरूम के अंदर महिला टीचर को थप्पड़ मार दिया। घटना 24 जनवरी को शेरा कस्बे के एसजे डेव हाई स्कूल में हुई। मामले का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद विवाद बढ़ा, जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पुलिस के अनुसार, आरोपी छात्र 12वीं की दूसरी प्रीलिम परीक्षा देने के लिए देर से स्कूल पहुंचा था। परीक्षा कक्ष में ड्यूटी पर तैनात महिला इन्विजिलेटर ने जब उससे देरी की वजह पूछी, तो छात्र भड़क गया। उसने टीचर से कहा, 'घर में मुझसे कोई कुछ नहीं पूछता, आप कौन होती हैं सवाल करने वाली।' इसके बाद उसने महिला टीचर के गाल पर थप्पड़ मार दिया। आरोपी के आने पर गेट पर टीचर से बहस हुई।

शिक्षिका ने परीक्षा देने देरी से आने पर छात्र को टोका था

सूरजकुंड मेले का झूला हादसा

गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज

फरीदाबाद, जेएनएन। फरीदाबाद में सूरजकुंड मेले के दौरान झूला टूटने से हुए हादसे में पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के तहत मामला दर्ज किया है। यह केस हिमाचल फन केयर के प्रोपराइटर मोहम्मद शाकिर के खिलाफ दर्ज किया गया है। हादसा 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प महोत्सव के दौरान रविवार शाम करीब 6 बजकर 15 मिनट पर हुआ, जब झूले पर 26 लोग सवार थे और अचानक झूला टूट गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में बचाव कार्य के दौरान पुलिस इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की मौत हो गई, जबकि कुल 12 लोग घायल हुए हैं।

जापान में तकाइची की प्रचंड विजय, 300 सीटें जीतीं, प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

आम चुनाव में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी ने जीती बहुमत से अधिक सीटें

टोक्यो, जेएनएन। जापान में रविवार को हुए आम चुनाव में प्रधानमंत्री साने तकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने प्रचंड जीत हासिल की है। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक एलडीपी को 465 में से 300 सीटों पर जीत हासिल हुई है, जो बहुमत के लिए जरूरी 233 सीटों से काफी ज्यादा हैं। तकाइची की जीत पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मुझे विश्वास है आपके कुशल नेतृत्व में हम भारत-जापान मित्रता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। एलडीपी के नेतृत्व वाला गठबंधन सहयोगी जापान इनोवेशन पार्टी (इशिन) के साथ मिलकर 366 सीटें जीत सकता है। गठबंधन को 310 सीटें मिलते ही ऊपरी सदन में विपक्ष के नियंत्रण के बावजूद कानून पास करने की ताकत मिल जाएगी।

लोगों ने बर्फबारी की बीच वोट डाले: मतदान के दौरान कई इलाकों में बर्फीले तूफान जैसे हालात रहे। परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, दर्जनों ट्रेन सेवाएं रोकी गईं और 230 घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। कई मतदान केंद्रों को समय से पहले बंद करना पड़ा। इसके बावजूद लोग बर्फ और कड़ाके की ठंड में मतदान के लिए पहुंचे। पिछले कुछ चुनावों में लोअर हाउस का टर्नआउट करीब 55 प्रतिशत के आसपास रहा है। अगर इस बार मतदान और घटता है, तो संगठित वोटिंग ब्लॉक्स का असर और बढ़ सकता है। ताकाइची ने चीन के खिलाफ मजबूत रुख अपनाते हुए सैन्य खर्च बढ़ाया है, आर्थिक पैकेज और टैक्स कटौती की घोषणा की है।

सोशल मीडिया पर साने ताकाइची का क्रेज बढ़ा

सोशल मीडिया पर साने ताकाइची को लेकर 'सानाकात्सु' नाम का ट्रेंड भी चर्चा में है। इसमें उनके इस्तेमाल किए गए सामान, जैसे हैंडबैग और संसद में इस्तेमाल किया जाने वाला गुलाबी पेन, युवाओं के बीच लोकप्रिय हो गए हैं। एक हालिया सर्वे में 30 साल से कम उम्र के 90 प्रतिशत से ज्यादा मतदाताओं ने ताकाइची के पक्ष में रुझान दिखाया, हालांकि यह वर्ग आमतौर पर कम मतदान करता है।

तकाइची बुद्धिमान और शक्तिशाली नेता : ट्रंप

डोनाल्ड ट्रम्प ने 5 फरवरी को एक पोस्ट में साने ताकाइची को पूर्ण समर्थन दिया है। उन्होंने तकाइची को मजबूत, शक्तिशाली और बुद्धिमान नेता कहा, जो अपने देश से सच्चा प्यार करती हैं और जापान के लोगों को निराश नहीं करेंगी। ट्रम्प ने बताया कि वह 19 मार्च 2026 को व्हाइट हाउस में ताकाइची से मुलाकात करेंगे। यह समर्थन जापान के 8 फरवरी 2026 के चुनाव से ठीक दो दिन पहले आया है। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने जापान के किसी नेता को चुनाव में खुलकर समर्थन दिया है।

थाईलैंड में संविधान को लेकर जनमत संग्रह

थाईलैंड, जेएनएन। थाइलैंड के नागरिक को संसद के निचले सदन के 500 सदस्यों को चुनने के लिए मतदान हुआ। थाई प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने दिसंबर में संसद को भंग करने की मांग की थी। प्रधानमंत्री के आदेश के लागू होने के 45 दिन से पहले और 60 दिन के बाद नये आम चुनाव नहीं कराने थे। चुनावों के बाद, प्रधानमंत्री का चुनाव उम्मीदवार के लिए डाले गये कम से कम 251 वोटों की साधारण संसदीय बहुमत से होगा। इन चुनावों में तीन बड़ी पार्टियों मुख्य विपक्षी पार्टी फ्यू थाई पार्टी, सत्ताधारी भुमजैथाई पार्टी और पीपुल्स पार्टी के बीच मुकाबला होने की उम्मीद है। संविधान को लेकर मतसंग्रह में नागरिकों से कहा गया है कि वे मौजूदा 2017 के संविधान को बदलने के लिए हां या ना में मत करें। बड़ी राजनीतिक पार्टियों ने इस संविधान के पुराना होने के कारण इसकी आलोचना की है।

भारत का ईवी बाजार

51 फीसदी उछाल से हुई 2026 की शुरुआत

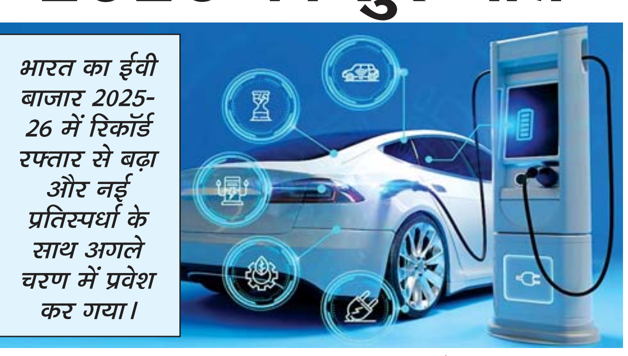

2025 का बड़ा माइलस्टोन

23 लाख ईवी बिक्री

08% हिस्सेदारी कुल नए वाहन रजिस्ट्रेशन में

2.82 करोड़ कुल वाहन बिक्री

राज्यों की हिस्सेदारी	
उत्तर प्रदेश	18%
महाराष्ट्र	12%
कर्नाटक	09%
दिल्ली	14%
केरल	12%
गोवा	11%
त्रिपुरा	18%
असम	14%

सरकारी कदम

10,900 इलेक्ट्रिक बस टेंडर

32% ई-थ्री-व्हीलर मार्केट बढ़ा

2026 की शुरुआत

18,059 यूनिट ईवी कार बिकीं इस साल जनवरी में

कंपनी मार्केट शेयर जनवरी 2026

- **टाटा मोटर्स:** 7,842 यूनिट/ 43.4 फीसदी
- **एमजी मोटर:** 4,591 यूनिट/ 25.4 फीसदी
- **महिंद्रा:** 3,579 यूनिट/ 19.8 फीसदी

बेटियां विश्व कप जीत रहीं पर समानता अभी दूर: हाईकोर्ट

कोलकाता, जेएनएन। कोलकत्ता उच्च न्यायालय ने एक अहम टिप्पणी में कहा है कि भले ही देश की बेटियों ने क्रिकेट विश्व कप जैसे बड़े मंचों पर देश का नाम रोशन किया हो, लेकिन समाज में बालिकाओं और महिलाओं के लिए वास्तविक समानता अब भी दूर की मंजिल है। इसी टिप्पणी के साथ हाईकोर्ट ने दहेज हत्या के एक मामले में महिला और उसकी डेढ़ वर्षीय बेटी की मौत से जुड़े प्रकरण में महिला के ससुराल वालों को बरी किए जाने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति अपूर्बा सिन्हा राय राज्य सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें ट्रायल कोर्ट द्वारा ससुराल पक्ष को बरी किए जाने को चुनौती दी गई थी। आरोप है कि पीड़िता को उसके ससुराल वालों द्वारा शारीरिक मानसिक क्रूरता का सामना करना पड़ा, बच्ची के जन्म को लेकर उसका उपहास किया गया और पांच लाख दहेज की मांग की गई। डेढ़ वर्ष की आयु में एक बच्ची और उसकी मां की मृत्यु यह याद दिलाती है कि बालिकाओं के लिए पूर्ण समानता प्राप्त करने के लिए हमें अभी बहुत लंबा रास्ता तय करना है।

ससुराल वालों पर सख्त हुआ कोर्ट

गाजियाबाद सुसाइड केस उलझा, पिता पर सवाल

लखनऊ/गाजियाबाद, जेएनएन। गाजियाबाद में 3 बच्चियों के बिल्डिंग से कूदकर सुसाइड केस जितना सीधा दिखा था अब वह उतना ही उलझता जा रहा। कभी पिता का बयान सवालों के घेरे में आता है, तो कभी दोनों मां का सामने न आना केस को संदिग्ध बनाता है। तीनों बच्चियां जिस जगह से नीचे गिरीं, वहां से उनका एक साथ कूदना संभव नहीं। एक बच्ची की लाश अपार्टमेंट की दीवार से महज 1 फीट दूर पड़ी थी। यह भी एक सवाल है। चेतन पहले जिस अपार्टमेंट में रहते थे, वहां उनकी साली की गिरकर मौत हो चुकी है। परिवार ने इसे एक दुर्घटना माना था। लेकिन, ताजा घटना के बाद लोग उस हादसे को इससे जोड़कर देख रहे हैं।

गोगोई का मामला गृह मंत्रालय भेजेगी असम सरकार

गंभीर आरोप: कांग्रेस सांसद की पत्नी के आईएसआई से संबंध

गुवाहाटी, जेएनएन। असम सरकार ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई से जुड़े कथित पाकिस्तान कनेक्शन के मामले को केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय को भेजने का फैसला किया है। यह निर्णय शनिवार को हुई असम कैबिनेट की बैठक में लिया गया, जिसकी जानकारी रविवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने पत्रकार वार्ता में दी। मुख्यमंत्री हिमंता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े लोगों से रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले को देखते हुए असम सरकार इसे सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के संज्ञान में लाएगी, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े पहलुओं की गहन जांच हो सके।

गोगोई का पलटवार

आरोपों पर गोगोई ने कहा कि हिमंता ने मीडिया के सामने खुद को शर्मिंदा किया है और असम में उनकी बातों को कोई गंभीरता से नहीं लेता। गोगोई ने सवाल उठाया कि हिमंता परिवार ने कथित तौर पर असम में करीब 4,000 एकड़ जमीन कैसे हासिल की।

यह है मामला

सीएम के मुताबिक, गौरव गोगोई और उनकी पत्नी के पाकिस्तानी एजेंट अली तौकीर शेख से करीबी संबंध रहे हैं। आरोप है कि एक पाकिस्तानी फर्म ने एलिजाबेथ को नौकरी दी थी और बाद में उन्हें भारत ट्रांसफर कर दिया गया। इस दौरान वे भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां इकट्ठा कर अली तौकीर शेख को रिपोर्ट करती थीं, जिसके बदले उन्हें सैलरी दी जाती थी।

बीएलए का दावा: सैन्य ठिकानों पर लड़ाकों का कंट्रोल, 362 पाकिस्तानी सैनिकों को मारा

नई दिल्ली, जेएनएन। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हालात सामान्य नहीं हो रहे हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने चौंकाने वाला दावा किया है। बीएलए ने ऑपरेशन हेरोफ 2.0 के पूरे होने की बात कही। 31 जनवरी को शुरू हुआ यह ऑपरेशन 6 फरवरी की शाम तक चला। बीएलए ने कहा कि इस अभियान में बलूचिस्तान के 14 शहरों को निशाना बनाया गया था। दावा किया कि इतिहास में सबसे बड़ा, सबसे तीव्र और सबसे संगठित सैन्य अभियान था। बीएलए ने दावा किया है कि ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के 362 से अधिक जवान मारे गए हैं। इसमें पाकिस्तानी सेना, फ्रंटियर कोर, पुलिस

और राज्य समर्थित सशस्त्र समूहों के सदस्य शामिल थे। बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य का घातक हथियार शफीक मेंगल है।बीएलए ने प्रवक्ता ने बयान जारी कर बताया कि बलूच लड़ाकों ने एक साथ हमले किए और कई स्थानों पर सुरक्षा चौकियों, सैन्य ठिकानों और शहरी क्षेत्रों के कुछ हिस्सों पर कंट्रोल कर लिया। साथ ही प्रवक्ता ने दावा किया कि कई शहरों में बलूच लिबरेशन आर्मी की इकाइयों ने लगातार 6 दिनों तक अपनी स्थिति बनाए रखी। इससे पाकिस्तानी सेना को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। कहा कि इसके परिणामस्वरूप समूह के अनुसार राज्य को राजनीतिक, मनोवैज्ञानिक और सैन्य नुकसान हुआ है। साथ ही बीएलए के प्रवक्ता ने बताया कि अभियान में अभी तक कुल 93 बलूच लड़ाके भी मारे गए। इनमें मजीद ब्रिगेड के 50 सदस्य, फतेह दस्ते के 26 और विशेष सामरिक अभियान दस्ते के 17 सदस्य शामिल हैं। कहा कि संगठन की सभी प्रमुख इकाइयों ने इस अभियान में भाग लिया।

रईस कारोबारी के बेटे ने लेम्बोर्गिनी से 6 को रौंदा

कानपुर, जेएनएन। कानपुर में एक रईस कारोबारी के बेटे की लापरवाही ने सड़क को रणक्षेत्र बना दिया। तंबाकू कारोबारी के बेटे ने तेज रफ्तार लेम्बोर्गिनी कार से 6 से अधिक लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में एक बुलेट सवार हवा में उछलकर करीब 10 फीट दूर जा गिरा, जिसके बाद लग्जरी कार बुलेट के ऊपर चढ़ गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गुस्साई भीड़ ने कार को घेर लिया। भीड़ को देखकर कारोबारी का बेटा कार के अंदर ही दुबक गया।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को संसदीय चुनाव

30 साल बाद खत्म होगा खालिदा-हसीना का दौर

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश में 12 फरवरी को संसदीय चुनाव होने जा रहे हैं। पूर्व पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने और खालिदा जिया के निधन के बाद यह पहला चुनाव है। 1991 से 2024 तक बांग्लादेश की राजनीति में इन दो नेताओं का दबदबा रहा। ऐसे में 35 साल बाद देश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं दी गई है। चुनाव आयोग का कहना है कि 2024 में हुए छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में पार्टी की भूमिका की वजह से यह फैसला लिया गया है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि बांग्लादेश के ये चुनाव सिर्फ देश की राजनीति ही नहीं, बल्कि पूरे साउथ एशिया की डिप्लोमेसी और पावर बैलेंस को बदल सकते हैं। इसलिए भारत, पाकिस्तान और चीन भी इन चुनाव पर नजर बनाए हुए हैं। बांग्लादेश में अगस्त 2024 से नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस की लीडरशिप में अंतरिम सरकार काम कर रही है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है। भारत के साथ रिश्ते अब अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं, जबकि पाकिस्तान के साथ संबंध बेहतर हुए हैं और चीन के साथ रणनीतिक रिश्ते और मजबूत हुए हैं।

भारत के साथ तनाव बढ़ा

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी। वे भारत आ गईं, जिससे दोनों देशों में तनाव शुरू हुआ। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले, मंदिर तोड़ने और हिंसा की खबरें आने लगीं, जिस पर भारत ने चिंता जताई। बांग्लादेशी सोशल मीडिया पर ग्रेटर बांग्लादेश के नक्शे और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर भड़काऊ बातें फैलीं। मोहम्मद यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लैंड-लॉक बताया, जिससे विवाद छिड़ा। छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद हिंसा फैली और भारत के खिलाफ माहौल बना।

अवामी लीग के हिंदू नेता की जेल में मौत

बांग्लादेश की जेलों में बंद अवामी लीग के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और सांसद रहे रमेश चंद्र सेन (86) की न्यायिक हिरासत में मौत हो गई। वह 18 महीने से जेल में थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। परिवार का आरोप है कि गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद उन्हें पर्याप्त इलाज नहीं मिला और बार-बार स्वास्थ्य आधार पर जमानत की मांग खारिज की जाती रही। अधिकारियों ने मौत की वजह बीमारी बताई है।

एफएमजीई सर्टिफिकेट मामला : जांच का दायरा बढ़ा, मास्टर माइंड गिरफ्तार

जयपुर, जेएनएन। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने फेक फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन सर्टिफिकेट मामले में जांच का दायरा बढ़ाया है। राजस्थान मेडिकल काउंसिल में जमा रिकॉर्ड की गहन जांच के दौरान 20 और संदिग्ध डॉक्टरों की लिस्ट तैयार कर ली गई है। एसओजी की ओर से साल-2018 से अब तक इंडियन मेडिकल काउंसिल से जुड़े अधिकारियों की नियुक्तियों-भूमिका की भी जांच करेगी। एसओजी की जांच में सामने आया है कि फेक फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन सर्टिफिकेट मामले में दो अलग-अलग नेटवर्क गैंग सक्रिय थी। पहला नेटवर्क जैकेट गैंग के नाम से जाता जाता था। वह बाद में फेक एफएमजीई सर्टिफिकेट बनाने में पूरी तरह उतर गया। दूसरा नेटवर्क मेडिकल काउंसिल से जुड़े डॉक्यूमेंट की प्रोसेसिंग और सत्यापन में सेटिंग कराने में लगा था। एसओजी की जांच में सामने आया है कि विदेश से एमबीबीएस करने वाले अभ्यर्थियों को टारगेट किया गया था। ये अभ्यार्थी एफएमजीई स्क्रीनिंग टेस्ट पास नहीं कर पाए थे। फेक सर्टिफिकेट के जरिए इन अभ्यार्थियों को आरएमसी से इंटर्नशिप दिलाई गई।

बॉलीवुड अभिनेत्री नीना गुप्ता को डायरेक्टर ने दी थी गालियां

मुंबई, जेएनएन। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता हमेशा अपनी बेबाकी और ईमानदार बयानों के लिए जानी जाती रही हैं। अभिनय की दुनिया में चार दशक से ज्यादा का सफर तय कर चुकीं नीना ने हाल ही में अपने करियर के उन पन्नों को खोला, जिन पर चमक कम और स्याही ज्यादा थी। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि किस तरह एक समय ऐसा भी आया जब उन्हें फिल्म के सेट पर निर्देशक की गालियां और अपमान सहना पड़ा, सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्हें पैसों की जरूरत थी। नीना गुप्ता ने स्वीकार किया कि ये अनुभव उनके लिए बेहद तकलीफदेह था। उन्होंने कहा कि वो किसी गलती के बिना भी निर्देशक के तीखे और अपमानजनक शब्दों का शिकार बनीं। उस दौर को याद करते हुए उन्होंने माना कि अगर हालात अलग होते और आर्थिक दबाव न होता, तो शायद वो ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा ही नहीं बनतीं। उनके शब्दों में, वो हालात नहीं बल्कि जरूरतें थीं, जिन्होंने उन्हें चुप रहने पर मजबूर किया।

धुरंधर की शूटिंग में रोने लगी थीं आयशा

धुरंधर के कारण अरबी गाना वायरल हुआ और रिकॉर्ड बनाया, इसका दूसरा गाना शरारत भी खूब हिट रहा। आयशा खान और क्रिस्टल डिसूजा के बीच इस गाने में तगड़ा फेस-ऑफ देखने को मिला और इंस्टेंट हिट हो गया। आयशा खान और क्रिस्टल के डांस मूव्स ने हर किसी को दीवाना बना दिया। अब आयशा ने इस गाने के शूट को लेकर एक खुलासा किया है, जिसने फैंस को हैरान कर दिया है आयशा ने बताया है कि शरारत गाने की शूटिंग के दौरान वह पीरियड्स पर थीं। पूरे शरीर पर ब्लॉटिंग थी और मूड स्विंग्स के कारण हालत ऐसी थी कि एक बार रो पड़ी थीं। यह बात सोशल मीडिया पर सामने आई, तो फैंस एक्ट्रेस के मुरीद हो गए ।

बयान — भारत दौरे से पहले बोले अमेरिकी विदेश उप मंत्री हेलबर्ग

चीन को टक्कर देने वाला भारत अकेला देश

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका ने कहा कि भारत को पैक्स सिलिका पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हुए बेहद खुशी है। वह जल्द ही भारत सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। नई दिल्ली के साथ संबंधों में बहुत सकारात्मक गति है। अमेरिकी विदेश उप मंत्री जैकब हेलबर्ग ने मानव प्रतिभा की विशालता के मामले में कहा कि भारत शायद पृथ्वी पर एकमात्र ऐसा देश है जो युवा, तकनीकी रूप से प्रशिक्षित प्रतिभा की मात्रा के मामले में चीन को टक्कर दे सकता है। अमेरिकी विदेश उप मंत्री जैकब हेलबर्ग ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, हम भारत को पैक्स सिलिका में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने पर बहुत उत्साहित हैं, और मैं अगले कुछ हफ्तों में भारत सरकार के साथ एक महत्वपूर्ण हस्ताक्षर के लिए भारत की यात्रा करूंगा। अमेरिका ने पिछले साल दिसंबर में पैक्स सिलिका लॉन्च किया, जो एक रणनीतिक पहल है जिसका उद्देश्य एक सुरक्षित, समृद्ध और नवाचार संचालित सिलिकान आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना है जिसमें महत्वपूर्ण खनिज और ऊर्जा इनपुट से लेकर उन्नत निर्माण, सेमीकंडक्टर्स, एआइ अवसंरचना और लाजिस्टिक्स शामिल हैं। पैक्स सिलिका पहल के हस्ताक्षरकर्ताओं में ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इजरायल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ब्रिटेन शामिल हैं। भारत को पैक्स सिलिका पहल के प्रारंभिक समूह में शामिल नहीं किया गया था। हेलबर्ग ने कहा कि पैक्स सिलिका दिसंबर में लॉन्च किया गया था।

ट्रंप का मोदी के साथ महान संबंध

राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच मजबूत रिश्तों पर उन्होंने कहा, हम भारत को बहुत सकारात्मक रूप से देखते हैं और राष्ट्रपति ट्रंप का नरेन्द्र मोदी के साथ महान संबंध है। हेलबर्ग की व्यापार समझौते के बारे में टिप्पणी भारत और अमेरिका द्वारा एक संयुक्त बयान जारी करने के कुछ घंटे पहले आई, जिसमें कहा गया कि दोनों पक्षों ने आपसी लाभकारी व्यापार के लिए एक अंतरिम समझौते के ढांचे पर पहुंच गए हैं।

सीहोर को मिली हमसफर और गोरखपुर एक्सप्रेस की सौगात

सांसद शर्मा ने की थी रेल मंत्री से स्टॉपेज की मांग

भोपाल। भोपाल के लोकसभा सांसद आलोक शर्मा ने कुछ दिन पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर सीहोर के लिए दो ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग की थी। जिसे रेल मंत्री ने पूरा कर दिया है। रेलवे बोर्ड द्वार निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अब सीहोर रेलवे स्टेशन पर गाड़ी संख्या 19489 व 19490 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस और गाड़ी संख्या 19091 व 19092 बांद्रा-गोरखपुर हमसफर एक्सप्रेस ठहराव लेकर चलेंगी। इन ट्रेनों के स्टॉपेज हो जाने से सीहोर में प्रसिद्ध कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा की कथा सुनने और कुबेरेश्वर धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। सीहोरवासियों के द्वारा बनारस, प्रयागराज, अहमदाबाद, मुंबई आदि धार्मिक और व्यापारिक महत्व के इन बड़े शहरों के लिए इन ट्रेनों की मांग काफी लंबे समय से की जा रही थी। सांसद आलोक शर्मा के संज्ञान में जब यह बात लाई गई तो उन्होंने रेल मंत्री से मुलाकात कर आग्रह किया था।

प्रयागराज जाने की सुविधा: कुछ दिन पहले सांसद आलोक शर्मा सीहोर स्टेशन पर विकास कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे थे तब जन प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने प्रयागराज के लिए सीहोर से ट्रेन नहीं होने की समस्या से अवगत कराया था।

सात साल की सजा वाले प्रकरणों को जल्द निपटाने पर जजों में बनी सहमति

दो दिवसीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन, सुनवाई में एआई के इस्तेमाल पर भी विचार

नगर संवाददाता, भोपाल। न्याय व्यवस्था को और अधिक सरल व सुगम बनाने के लिए भोपाल में दो दिन जस्टिस कांफ्रेंस का रविवार को समापन हुआ। इस कांफ्रेंस में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया, सुप्रीम कोर्ट, 25 राज्यों के हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने हिस्सा लिया और न्यायालयीन प्रकरणों के निराकरण पर जोर दिया है। भोपाल में हुए न्यायाधीशों के सम्मेलन में सात साल तक की सजा वाले अपराधों के मुकदमों को प्राथमिकता देकर लंबित मामलों से निपटने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप तैयार किया गया है।

मीडिया ट्रायल और राज्यों की बार-बार मुकदमेबाजी कम करने पर भी चर्चा हुई। राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी इंडिया द्वारा भोपाल में उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के लिए आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का केंद्र बिंदु एकीकृत, कुशल और जन-केंद्रित न्यायपालिका का निर्माण था। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीशों के मार्गदर्शन में हुए इस सम्मेलन में प्रशासन के संस्थागतकरण और एक राष्ट्रीय न्यायिक नीति के निर्माण पर डिस्कशन किया गया। इसका उद्देश्य न्यायिक शासन को पारंपरिक मॉडल से एक रणनीतिक, डेटा-आधारित प्रणाली में परिवर्तित करना है, लेकिन यह ध्यान रखना है कि उच्च न्यायालय आधुनिक कानूनी मांगों की जटिलताओं से निपटने में सक्षम हों और साथ ही देश भर में संस्थागत अखंडता बनाए रखें। अकादमी के निदेशक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्मेलन का समापन हुआ।

इन विषयों पर भी दिया गया जोर

- न्यायिक प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर मामलों का निराकरण किया जाएगा, इसके लिए रोडमैप तैयार किया गया है।
- 7 साल तक की सजा वाले अपराधों के मुकदमों को प्राथमिकता देकर मामलों से निपटने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप तैयार किया गया है।
- मीडिया ट्रायल मुद्दों पर चर्चा हुई और इस बात पर जोर दिया गया कि निर्दोषता की धारणा को संरक्षित करने के लिए न्याय न्यायालय में ही मिलना चाहिए।
- राज्य द्वारा दायर किए गए पुराने या अनावश्यक मुकदमों पर भी विचार-विमर्श किया गया।
- राज्य की बार-बार मुकदमेबाजी करने की भूमिका को कम करके और डिजिटल नवाचार और भाषाई समावेशिता के माध्यम से सुधारों को संस्थागत रूप देकर एक आधुनिक, सुलभ, एकसमान और नागरिक-केंद्रित न्याय प्रणाली बनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता जताई गई।

सभी ने भीमबैठका, ट्राइबल म्यूजियम का भ्रमण किया

कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए भोपाल आए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और देश के 25 राज्यों के हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के परिजन ने भोपाल और आसपास के पर्यटन स्थलों की खूबसूरती का आनंद लिया है। नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी में न्यायाधीशों की कॉन्फ्रेंस के बीच उनके परिजनों ने भीम बैठका, भोजपुर के विख्यात शिव मंदिर और ट्राइबल म्यूजियम समेत अन्य स्थानों में विजिट कर भोपाल की खूबसूरती को पास से देखा। इसके बाद रविवार दोपहर बाद सभी न्यायाधीश वापस लौट गए।

संक्षिप्त खबरें

जैकलीन ने किए बाबा महाकाल के दर्शन

जागरण, उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि महोत्सव के दौरान प्रतिदिन देश-विदेश की नामचीन हस्तियां बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंच रही हैं। रविवार सुबह प्रसिद्ध फिल्म निर्माता एकता कपूर के दर्शन के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज भी श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं और भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने नंदी हॉल से भगवान महाकाल की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान वह सफेद रंग के भारतीय परिधान (सलवार सूट) में नजर आईं और सिर पर पल्लू भी ले रखा हुआ था। दर्शन उपरांत अभिनेत्री ने जय श्री महाकाल का उद्घोष करते हुए नंदी जी के कान में अपनी मनोकामना भी कही।

एनसीएल खदान की ड्रैगलाइन मशीन में आग

जागरण, सिंगरौली। भारत सरकार की नवरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के सिंगरौली स्थित खड़िया परियोजना में बड़ा हादसा होते-होते टल गया। खदान में कार्यरत ड्रैगलाइन मशीन में अचानक आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग लगते ही ड्रैगलाइन ऑपरेटर ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते मशीन से कूदकर अपनी जान बचाई। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन मशीन को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही परियोजना प्रबंधन और फायर सेफ्टी टीम मौके पर पहुंची।

ग्वालियर में स्ट्रीट डॉग ने अब तक 12 लोगों को काटा

जागरण, ग्वालियर। शहर में स्ट्रीट डॉग्स के आतंक का मामला सामने आया है। जहां स्ट्रीट डॉग ने अब तक 12 लोगों को काट लिया है। जब लोगों ने स्ट्रीट डॉग्स को पकड़वाने के लिए नगर निगम की टीम को बुलाकर उन्हें भिजवाना चाह तो डॉग लवर ने स्ट्रीट डॉग्स को अपने घर में बंद कर ले जाने से मना कर दिया। लोगों ने जब इसका विरोध किया तो इसी बात पर दोनों में विवाद हो गया। स्थानीय लोग और डॉग्स लवर्स आपस में भिड़ गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल ग्वालियर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र 24 बीघा कॉलोनी इलाके के स्ट्रीट डॉग्स आए दिन स्थानीय लोगों को काट रहे हैं। अब तक 12 स्थानीय लोगों को स्ट्रीट डॉग अपना निशाना बना चुके हैं। इनमें महिला, पुरुषों के अलावा बच्चे भी शामिल हैं। ऐसे में लोग बेहद परेशान हैं। यही वजह है कि स्थानीय लोगों ने स्ट्रीट डॉग्स को पकड़वाने के लिए नगर निगम को सूचना देकर बुलवाया। स्ट्रीट डॉग्स की धर-पकड़ के मद्देनजर एक स्थानीय महिला डॉग लवर ने कुछ डॉग्स को अपने घर में बंद कर दिया।

बैतूल: सड़क हादसे में दंपती की मौत, ढाई साल की बेटी घायल

जागरण, बैतूल। बाइक सवार परिवार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने भोपाल-बैतूल नेशनल हाईवे पर कुचल दिया। हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी ढाई साल की मासूम बच्ची भी घायल हो गई, लेकिन उसकी जान सुरक्षित है। टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है। यह दर्दनाक हादसा शनिवार रात पाढर और बरेठा के बीच बांचा जोड़ के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, सोहागपुर निवासी विजय यादव (47) अपनी पत्नी आरती यादव (40) और ढाई साल की बेटी के साथ बाइक से इटारसी जा रहे थे। इसी दौरान भोपाल से बैतूल की ओर आ रहा तेज रफ्तार ट्रक संकरी पुलिया पर बाइक से टकरा गया। टक्कर मारने के बाद ट्रक अनियंत्रित हो गया और पति-पत्नी को कुचलते हुए निकल गया।

प्रदेश में फैलता नशे का कारोबार, ब्यावरा के जंगल में मिला 5 करोड़ का ड्रग्स बनाने वाला कैमिकल

शनिवार को ही गांधी सागर के बैक वाटर क्षेत्र में मिला का नशे का कारखाना, दो गिरफ्तार

जागरण, ब्यावरा/भोपाल। प्रदेश में नशे का कारोबारा लगातार बढ़ता जा रहा है। हालत यह है कि चार दिन में दो फैक्टरी का भंडाफोड़ हुआ है। शनिवार की रात जहां मंदसौर जिले के गांधी सागर के बैक वाटर क्षेत्र में एमडी ड्रग्स की फैक्टरी पकड़ाई थी। यहां से 13 करोड़ का केमिकल, उपकरण व अन्य सामान जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। वहीं ब्यावरा से लगे जंगल में एमडी ड्रग्स बनाने का 5 करोड़ रुपए का कैमिकल मिला है। तीन दिन पहले ब्यावरा के ही एक गांव से ड्रग्स की फैक्टरी पकड़ी गई थी।

जिले के घोघटपुर गांव में ड्रग फैक्ट्री के भंडाफोड़ के चार दिन बाद माचलपुर थाना क्षेत्र में एक बार फिर ड्रग नेटवर्क की बड़ी कड़ी सामने आई है। शनिवार देर रात आदमपुरा के जंगल में खेत की खंती से करीब 5 करोड़ रुपए कीमत का ड्रग बनाने वाला केमिकल पाउडर बरामद किया गया। आशंका है कि फैक्ट्री से जुड़े तस्करों ने कार्रवाई के डर से यह केमिकल जंगल में फेंक दिया। उल्लेखनीय है कि 3 फरवरी को ही 4 करोड़ के ड्रग्स केमिकल और फॉर्च्यूनर पुलिस ने जब्त की थी। माचलपुर पुलिस 8 फरवरी की रात करीब 1 से 4 बजे के बीच नियमित पेट्रोलिंग पर थी। इसी दौरान सूचना मिली कि आदमपुरा के जंगल में संदिग्ध गतिविधि देखी गई है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो खेत पर बनी एक खंती में नीले रंग के 5 ड्रम पड़े मिले। जांच में ड्रमों के भीतर एमडी ;ड्रग्सद्ध बनाने में उपयोग होने वाला क्रिस्टल जैसा केमिकल पाउडर पाया गया। कुल वजन 266.9 किलोग्राम निकला, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 5 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस का मानना है कि अज्ञात आरोपी यह केमिकल चार पहिया वाहन से लाए और जंगल में सुनसान जगह देखकर फेंककर फरार हो गए। तरीका और पैकिंग वही है जो हाल ही में घोघटपुर में पकड़ी गई अवैध ड्रग फैक्ट्री में मिली सामग्री से मेल खाती है।

घर से चल रही थी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री

चार दिन पहले राजस्थान और मध्यप्रदेश पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में घोघटपुर गांव स्थित रघुनन्दन पाटीदार के घर से ड्रग फैक्ट्री का खुलासा हुआ था। उस दौरान करोड़ों के केमिकल, उपकरण और एक लग्जरी कार जब्त की गई थी, जबकि फैक्ट्री संचालक रघुनन्दन फरार हो गया था। अब जंगल से मिला यह केमिकल उसी नेटवर्क का हिस्सा माना जा रहा है। पुलिस को शक है कि फरार आरोपी और उसके सहयोगियों ने बचा हुआ स्टॉक नष्ट करने या ठिकाना बदलने के लिए जंगल में फेंका।

मंदसौर में एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़, 12.50 करोड़ की दवाएं जब्त

जागरण, मंदसौर। जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध एमडी ड्रग्स बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। सुरजाना गांव के एक खेत में चल रही इस फैक्ट्री पर शनिवार शाम को छापा मारकर पुलिस ने भारी मात्रा में नशीली दवाएं, केमिकल और ड्रग्स बनाने के उपकरण जब्त किए हैं। साथ ही इस मामले में दो लोगों को मौके से गिरफ्तार भी किया है। पुलिस के मुताबिक, छापेमारी के दौरान फैक्ट्री से 100 ग्राम से ज्यादा एमडी यानी मेफेड्रोन और इसे तैयार करने में इस्तेमाल किया जाने वाला गाढ़ा केमिकल मिश्रण बरामद किया गया। मौके पर दोनों आरोपी एक स्टील के बर्तन में तेज गंध वाले केमिकल को मिलाकर एमडी तैयार कर रहे थे। यहां छाछ बनाने वाली मशीन समेत कई उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा था।पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान 102 ग्राम एमडी, 12.61 किलोग्राम केमिकल मिश्रण, 3.54 किलोग्राम पारदर्शी तरल और 680 ग्राम सफेद केमिकल पाउडर जब्त किया गया है। ये सभी पदार्थ नशीली दवाएं बनाने में इस्तेमाल किए जाते थे। इसके अलावा मौके से पुलिस ने भारी मात्रा में सामान भी बरामद किया है। इसमें एक गैस सिलेंडर, सेंट्रीफ्यूज मशीन, स्टोव भट्टी, स्टील के बर्तन, इलेक्ट्रिक वायरिंग, अर्थिंग रॉड और दो मोबाइल फोन शामिल हैं।

पहले भी सामने आ चुके मामले, अब तक चार बड़ी फैक्टरी मिलीं

बीते चार महीनों में ही प्रदेश में ड्रग्स कारोबार का बड़ा नेटवर्क पकड़ाया है। भोपाल, रायसेन, इंदौर में तीन बड़ी फैक्टरियां पकड़ी गई थीं। इनके अलावा इसी साल जनवरी में भी राजस्थान और गुजरात पुलिस ने मध्यप्रदेश पुलिस पुलिस संयुक्त कार्रवाई करते हुए नशा बनाने की फैक्टरी पकड़ी हैं। इनमें 10 जनवरी को आगर-मालवा में खेत में एमडी ड्रग बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई थी। नारकोटिक्स विभाग ने 50 करोड़ रुपए की 31 किलो 250 ग्राम एमडी ड्रग जब्त की थी। वहीं 16 जनवरी को रतलाम के चिकलाना गांव में मकान में 3 करो? की 10 किलो 930 ग्राम एमडी ड्रग जब्त की थी। मकान आजाद समाज पार्टी के समर्थक दिलावर खान का मिला था। दिलावर को परिवार सहित पुलिस गिरफ्तार कर राजस्थान ले गई है।

विजय शाह के विवादित बयान मामले में सुको में सुनवाई आज

विसं, भोपाल। मप्र के जनजातीय कल्याण मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए विवादित बयान पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इस बीच राज्य सरकार ने पक्ष रखने की तैयारी की है। गौरतलब है कि विवादित बयान को लेकर मंत्री शाह का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। कोर्ट सोमवार को यह निर्देश देगी कि मंत्री शाह के खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई शुरू की जाए या नहीं। इस मामले को लेकर राज्य सरकार अपना पक्ष मजबूती से रखने की तैयारी में है। इसे लेकर वरिष्ठ अधिवक्ताओं से जहां सरकार परामर्श ले रही है, तो वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इस संबंध में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी चर्चा की है। इधर शाह ने भी इस पूरे मामले पर शनिवार को चौथी बार माफी मांग ली। उल्लेखनीय है कि विजय शाह पर हुई एफआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई को दौरान मध्यप्रदेश सरकार को दो सप्ताह के अंदर अभियोजन का फैसला लेने के आदेश दिए थे।

तेज रफ्तार पिकअप ने 3 महिलाओं को रौंदा, एक की मौत दो की हालत गंभीर

जागरण, अनूपपुर। जिले के राजेंद्रग्राम थाना अंतर्गत रीवा-अमरकंटक मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सड़क पार कर रही तीन महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से पुष्पराजगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। दरअसल यह दुर्घटना राजेंद्रग्राम वेटरनरी चिकित्सालय तिराहा के पास हुई। जानकारी के अनुसार, तीनों महिलाएं बाजार से खरीदारी कर घर लौटने के लिए मुख्य मार्ग पार कर रही थीं। इसी दौरान अनूपपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 21 जी 2032 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए तीनों को टक्कर मार दी।

रॉंग साइड से आई बाइक ने डिप्टी रेंजर की ली जान, आमने-सामने टकराने से दो युवकों की मौत

जागरण, झाबुआ। ड्यूटी से घर लौट रहे डिप्टी रेंजर की रॉंग साइड से तेज गति में आई बाइक ने जान ले ली। टक्कर लगने से डिप्टी रेंजर उछलकर सड़क पर दूर जाकर गिरे। सिर से गंभीर चोट आने से मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं विदिशा जिले के ग्रामीण इलाके में दो बाइक आमने-सामने से टकरा गई। इस भीषण टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि तीन युवकों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया है। झाबुआ-दाहोद मार्ग पर रविवार रात वन विभाग के डिप्टी रेंजर बापूसिंह बिलवाल अपने स्कूटर से घर लौट रहे थे। तभी गेहलर के पास विपरीत दिशा से आई तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वे सड़क से काफी दूर जा गिरे और सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। बिलवाल झाबुआ वन विभाग में पदस्थ थे और उनके पास सजेली नानया क्षेत्र का अतिरिक्त प्रभार भी था। वे अपनी कर्तव्यनिष्ठा के लिए जाने जाते थे। हादसे की खबर मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में जिला अस्पताल पहुंचे। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है।

विदिशा: दो मोटरसाइकिल की टक्कर में दो युवकों की मौत

जागरण, बहादुरपुर। रविवार शाम विदिशा जिले के दीपनाखेड़ा थानांतर्गत बामौरी शाला में सिरोंज मार्ग पर पेट्रोल पंप के बाद एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में तेज गति में चल रहीं दो मोटरसाईकिलें आमने-सामने भिड़ गईं, जिससे दोनों मोटरसाईकिलों पर सवार पांच युवक लहूलुहान हो गए। इन में से युवकों को दीपनाखेड़ा थाना में तैनात एफआरव्ही 112 एवं दो युवकों को दीपनाखेड़ा थाने की पुलिस गाड़ी लेकर बहादुरपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंची। जहां ड्यूटी डॉक्टर शिवम यादव ने परीक्षण के बाद दो युवकों को मृत घोषित कर दिया जबकि तीन युवकों को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रिफर कर दिया। दुर्घटना में मृत हुए युवकों के नाम गोलू विष्वकर्मा निवासी लिधौरा सिरोंज उम्र 30 वर्ष एवं जितेन्द्र अहिरवार उम्र 25 वर्ष निवासी केशलोन अशोकनगर बताए गए हैं। इस दर्दनाक हादसे में एक ओर जहां दो युवकों की जान चली गई वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग की बदहाल व्यवस्थाएं, पुलिस की अमानवीयता और स्टाफ की मनमानी की तस्वीर सामने आई है। जमीन पर पड़ा था मृतकः बताया गया है कि जब घायल युवकों को अस्पताल ले जाया गया तो अस्पताल में कोई स्टेऊचर नहीं मिली। मौके पर जमा भीड़ ने युवकों को उठाकर अस्पताल के अंदर किया। जहां एक मृत युवक को जमीन पर, एक को कुर्सी पर लिटाया गया, जबकि तीन युवकों में से एक को ओपीडी के टेबिल पर जगह मिली।

हिंदी में इंजीनियरिंग फेल, प्रदेश में 4 साल में 300 भी नहीं हो सके प्रवेश

इंजीनियरिंग कालेजों में हर साल हिंदी पढ़ाई के लिए सुरक्षित रखी जाती हैं 224 सीटें

विकास कुमार जैन, भोपाल। हिंदी को तकनीकी शिक्षा में जगह बनाने के सरकार के प्रयास विफल हो रहे हैं। यह व्यवस्था इसलिए फेल हो रही है क्योंकि हिंदी से इंजीनियरिंग कराने में न कालेज आगे आ रहे और न इसमें विद्यार्थी रुचि ले रहे हैं। प्रदेश के अभियांत्रिकी महाविद्यालयों में हिंदी माध्यम से पढ़ाई के लिए हर साल 224 सीटें रिवर्ज जाती हैं, लेकिन चार साल में 300 प्रवेश भी नहीं हो पाए हैं। वर्तमान सत्र में प्रदेशभर में हिंद माध्यम से इंजीनियरिंग करने के लिए 100 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। जबकि गत वर्ष 104 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था। गत वर्ष की अपेक्षा चार सीटों पर कम प्रवेश हुए हैं। सरकार ने 2022 में जब हिंदी में अभियांत्रिकी की पढ़ाई शुरू कराई थी, तब पहले वर्ष केवल 19 प्रवेश हुए थे। 2023 में तीन कालेजों ने कम्प्यूटर साइंस और एक कालेज ने बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में 90 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया था। इसी तरह गत सत्र 2024-25 में चारों कालेजों में 104 विद्यार्थियों ने हिंदी माध्यम से पढ़ने का विकल्प चुना था। वर्तमान सत्र में बामुश्किल प्रवेश का आंकड़ा सैकड़ा तक पहुंचा है। प्रदेश में केवल चार अभियांत्रिकी संस्थाओं में यह पढ़ाई हो रही है। हालांकि कठिनाइयों के बाद भी प्रवेश के रुझान सकारात्मक हैं, लेकिन मुकाम पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। विद्यार्थियों को हिंदी से इंजीनियरिंग करने में काफी समस्याएं हैं। इसके बाद प्लेसमेंट में भी परेशानी होती है। हालांकि वर्तमान सत्र इंजीनियरिंग का बैच तैयार हो जाएगा। उक्त चारों कालेज विद्यार्थियों को डिग्री देकर प्लेसमेंट की व्यवस्था जुटाने में अभी से लग गए हैं। इंदौर स्थित एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी एंड रिसर्च में कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी का पाठ्यक्रम हिंदी में शुरू किया गया है। यहां 75 सीटों की सभी सीटों के साथ तीन अतिरिक्त सीटो समेत 78 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। तकनीकी पढ़ाई हिंदी में कराने में अभी कुछ व्यावहारिक कठिनाइयां हैं। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि ने अब तक हिंदी में पाठ्यक्रम शुरू नहीं किया है। अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के प्राध्यापकों का कहना है कि हिंदी पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले कई स्तर पर तैयारियां की जानी थीं, जो नहीं की गई।

चार कालेजों में प्रवेश की स्थिति

कालेज	सीटें	(2025)	(2024)	(2023)
एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी एंड रिसर्च, इंदौर	75	78	73	74
आइपीएस एकेडमी, इंस्टीट्यूट आफ अभियांत्रिकी इंदौर	75	02	03	04
श्री जीएस इंस्टीट्यूट आफ टेकनोलाजी, इंदौर	37	00	14	09
श्री दादाजी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, खंडवा	37	20	14	03

हिंदी में अनुवाद करने की गति धीमी

अखिलभारतीय तकनीकी शिक्षा संस्थान की ओर से अभियांत्रिकी की पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद करने के लिए राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि को दायित्व सौंपा है। इसमें 81 पुस्तकें अनुवादित कर देनी थीं, लेकिन यह कार्य पूरा नहीं हो सका है। वर्तमान में कार्य चलन में बना हुआ है।

“मध्य प्रदेश में अभियांत्रिकी की पढ़ाई हिंदी में कराने की व्यवस्था प्रारंभ की गई है। इसे पढ़ाने वाले शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इसके लिए उन्हें भी प्रेरित किया जा रहा है। शिक्षकों की कमी को पूरा कर रहें हैं। पुस्तकें भी तैयार कर रहे हैं।

● *इंदर सिंह परमार, मंत्री, उच्च शिक्षा व तकनीकी शिक्षा विभाग*

तकनीकी

6,000 करोड़ के नेशनल क्वांटम मिशन के तहतबनेगा हाई-टेक हब

पहली क्वांटम वैली अमरावती में होगी स्थापित

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत आधिकारिक रूप से क्वांटम युग में प्रवेश कर रहा है। यह बदलाव पारंपरिक कंप्यूटिंग के अंत की शुरुआत माना जा रहा है। 8 फरवरी को केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने अमरावती क्वांटम वैली की आधारशिला रखी और इसे भारत के तकनीकी भविष्य की नींव बताया। 6,000 करोड़ रुपये के नेशनल क्वांटम मिशन से समर्थित यह परियोजना देश को टेक्नोलॉजी उपभोक्ता से डीप-टेक में वैश्विक शक्ति बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। अमरावती क्वांटम वैली भारत का पहला एकीकृत क्वांटम इकोसिस्टम होगा। यह 50 एकड़ का हाई-टेक कैंपस है, जिसे रिसर्च, मैन्युफैक्चरिंग और स्किल डेवलपमेंट को एक साथ जोड़ने के लिए डिजाइन किया गया है। इसे एक रणनीतिक प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां सरकार, शीर्ष विश्वविद्यालय और उद्योग की बड़ी कंपनियां जैसे आईबीएम और टीसीएस मिलकर काम करेंगी। यह केंद्र एक सुपर एडवांस्ड कंप्यूटर की मेजबानी करेगा, जो सामान्य लैपटॉप से लाखों गुना तेज होगा और वैज्ञानिकों को नई दवाओं की खोज तथा अनहैकबल सुरक्षा जैसे जटिल कार्य कुछ सेकंड में करने में सक्षम बनाएगा।

परियोजना का लक्ष्य

88,000 नौकरियां

2,000 किमी क्वांटम कम्युनिकेशन नेटवर्क बनाना है

इस तकनीक को समझने के लिए क्यूबिट को समझना जरूरी है, जो क्वांटम सूचना की मूल इकाई है। सामान्य कंप्यूटर बिट का उपयोग करते हैं, जो या तो 0 होता है या 1, लेकिन क्यूबिट सुपरपोजशिन की अवस्था में 0 और 1 दोनों एक साथ हो सकता है। अमरावती का 133-क्यूबिट कंप्यूटर आईबीएम के हेरॉन प्रोसेसर का उपयोग करेगा। हर अतिरिक्त क्यूबिट मशीन की प्रोसेसिंग क्षमता को दोगुना कर देता है, जिससे यह कंप्यूटर अरबों संभावनाओं को एक साथ परख सकता है। यह क्वांटम वैली आंध्र प्रदेश की राजधानी क्षेत्र के उद्दंडरायुनिपालेम में स्थापित की जाएगी और नेशनल क्वांटम मिशन का केंद्रीय केंद्र होगी, जिसमें 17 राज्यों के 43 संस्थान शामिल हैं।

रतलाम के हरथल गांव में उल्टी-दस्त के 6 मरीज मिले

जागरण, रतलाम। जिले के गांव हरथल में शनिवार को उल्टी दस्त के मरीज मिलने से हड़कंप मच गया है। प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में पहुंची। इस दौरान उल्टी दस्त के 6 रोगी पाए गए। जिसमें 4 बच्चे हैं व दो बड़े हैं। लोगों ने हैंडपंप का पानी पीने की बात बताई। अधिकारियों ने हैंड पंप चलाकर देखा तो काई युक्त पानी आया। पानी का सैंपल लेकर पीएचई विभाग को जांच के लिए दिया है। सैलाना एसडीएम तरुण जैन ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रावटी अंतर्गत हरथल में उल्टी दस्त के मरीज की सूचना प्राप्त हुई थी। वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देकर क्षेत्र में डॉ. दीपक मेहता, सेक्टर सुपरवाइजर एमएल डाबी, सीएचओ हरथल राजू हारी व आशा सुपरवाइजर नीता गरवाल एवं आशा कार्यकर्ता की सर्वे टीम भेजी गई।

उपजेलर पर मारपीट और अवैध वसूली के गंभीर आरोप, जांच शुरू

जागरण, गुना। जिले की चाचौड़ा उपजेल के भीतर कैदियों के साथ अमानवीय व्यवहार का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उपजेलर यूएस मोहाने कथित तौर पर कैदियों को पेड़ से लिपटाकर डंडे से पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि यह वीडियो करीब छह माह पुराना बताया जा रहा है, लेकिन वर्तमान में इसके सार्वजनिक होने के बाद जेल प्रशासन और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

मध्य प्रदेश राज्य सरकार की 08, 16 और 21 वर्षीय प्रतिभूतियों की नीलामी

मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने नीलामी के माध्यम से कुल ₹ 5,000 करोड़ (अंकित मूल्य) राशि की प्रतिभूतियों का पुनर्निर्गम का प्रस्ताव किया है।

एकाधिक मूल्य प्रारूप के अंतर्गत प्रतिफल आधारित नीलामी भारतीय रिज़र्व बैंक के कोर बैंकिंग सोल्यूशन (ई-कुबेर) पर 10 फ़रवरी 2026 (मंगलवार) को आयोजित की जाएगी। व्यक्तिगत निवेशक भी रिटेल डायरेक्ट पोर्टल (https://rbiretaildirect.org.in) के माध्यम से गैर-प्रतिस्पर्धी योजना के अनुसार बोली लगा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर 06 फ़रवरी 2026 (शुक्रवार) की प्रेस प्रकाशनी देखें।

''पैसे का वादा करने वाले ई-मेल/एसएमएस/टेलीफोन द्वारा धोखा न खाएं''

ग्रामीण समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम है ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान

गौरी में आचार्य कपिल देव द्विवेदी के नेतृत्व में आयोजित हुआ कार्यक्रम

नईगढ़ी, निप्र। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान के अंतर्गत सेक्टर स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन गणतंत्र दिवस के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला समन्वयक जागेश्वर ताम्रकार के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था स्व. रामसुमेर द्विवेदी स्मृति जन सेवा संस्थान, गौरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास को गति देना, जनभागीदारी को सशक्त बनाना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाना रहा। आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता देखने को मिली।

कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष आचार्य कपिल देव द्विवेदी सहित सत्यनारायण द्विवेदी, रामकलप पटेल, प्रवीण पटेल, विकास चतुर्वेदी, खुशबू द्विवेदी, प्रान्सी मिश्रा, शफीकुन्निशा, रामकिशोर पटेल, शिवकुमार पटेल, मृगेन्द्र पटेल, जग्यलाल पटेल, शंखराज पटेल, विजय पटेल, हेमराज विश्वकर्मा, नीलेश पटेल, बिमलेश पटेल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके साथ ही भाजपा मंडल अध्यक्ष मुन्द्रिका पटेल, सेवानिवृत्त चिकित्सक डॉ. हिँछलाल पटेल, सुरेन्द्र सोनी, चन्द्रमणि द्विवेदी, जयनन्दन पटेल, नागेश्वर मिश्र, दिनेश द्विवेदी, ईश्वराधीन द्विवेदी, रामसहोदर द्विवेदी, नरेन्द्र द्विवेदी, सेवानिवृत्त सैनिक वंशपति द्विवेदी, संजीश द्विवेदी, वृष्णुदेव द्विवेदी, दिनेश पटेल, राम सलोने पटेल, जल उपभोक्ता संस्था शाहपुर के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र पटेल, संतोष द्विवेदी, जगजीवन भुर्तियां, डॉ. सी.पी. पटेल एवं अन्य ग्रामीणजन मौजूद रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान ग्रामीण समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम है। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, नशामुक्ति, सामाजिक समरसता एवं आजीविका के क्षेत्र में सामूहिक प्रयासों से ही सशक्त ग्राम और सशक्त प्रदेश का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनसमूह ने अभियान को जन-जन तक पहुँचाने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

धारकुण्डी महाराज का अंतिम दर्शन करने सेमरिया में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

सेमरिया, नि.प्र.। धारकुण्डी आश्रम के संस्थापक महान संत, पूज्य स्वामी परमहंस सच्चिदानंद जी महाराज के ब्रह्मलीन होने से देशभर के श्रद्धालुओं में शोक की लहर है। स्वामी जी की अंतिम यात्रा मुंबई के बदलापुर स्थित आश्रम से प्रस्थान कर धारकुण्डी आश्रम के लिए रवाना हुई जो सेमरिया पहुंची यहां हजारों की संख्या में भक्तगणों ने अपने आराध्य गुरु के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम यात्रा के दौरान सेमरिया क्षेत्र स्वामी जी महाराज की जय के जयघोष से गूंज उठा, श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर अपने गुरुदेव को अंतिम विदाई दी। स्वामी जी के प्रति जन-जन की आस्था और सम्मान देखते ही बन रहा था। पूज्य स्वामी जी महाराज का संपूर्ण जीवन अध्यात्म, सेवा, त्याग और मानव कल्याण को समर्पित रहा। उनके ब्रह्मलीन होने से आध्यात्मिक जगत को अपूरणीय क्षति हुई है जिसकी भरपाई संभव नहीं।

आहरण की गई राशि के मामले में आरोपियों पर अभी तक नहीं हुई कार्यवाही

सोहागी, नि.प्र.। संवाददाता को स्थानीय निवासियों द्वारा बताया गया कि नाबालिग के नाम से राशि आहरण को लेकर जिला पंचायत रीवा को कार्यवाही हेतु भेजा गया प्रतिवेदन मामला ग्राम पंचायत अमिलिया सरपंच /मंडल अध्यक्ष वेद प्रकाश मिश्र द्वारा अपने सगे संबंधियों को आर्थिक लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से नाबालिग उत्कर्ष मिश्र के नाम से राशि आहरण की शिकायत ललित मिश्र के द्वारा की गयी थी, जिसकी जाँच जनपद पंचायत द्वारा टीम गठित कर कराई गयी, जांच में विद्यालयों से मगाये गए दस्तावेजों की जांच कराने के बाद शिकायत में सत्यता पाई गयी। जनपद पंचायत त्योंथर द्वारा अग्रिम कार्यवाही हेतु जिला पंचायत रीवा को जाँच प्रतिवेदन भेजकर कार्यवाही का लेख किया है। लेकिन इस मामले पर अभी तक कार्यवाही नहीं की गयी है। संवाददाता द्वारा उक्त विषय के संबंध में मनरेगा विभाग के जनपद के बाबू से मनरेगा के मजदूरों का रिकॉर्ड के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सारा कार्य पंचायत से ही होता है, हमारे यहां पे कुछ नहीं आता है, न ही हमें कुछ पता है।

मानवता की सेवा ईश्वर सेवा के समान : शंभू सिंह

ज्योतिबाराव विद्यालय जवा में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

जवा ब्यूरो। ज्योतिबा राव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जवा में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मेट्रो हॉस्पिटल रीवा के डाक्टरों की टीम द्वारा दौ सैकड़ा से ज्यादा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण, वीपी, डायबिटीज की जांच कर निःशुल्क दवाई प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि ज्योतिबारव विद्यालय के संचालक शंभू सिंह द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया था, शिविर में ज्यादातर मरीजों को वीपी डायबिटीज रोग से पीड़ित मिले। उक्त जानकारी देते हुए डॉ.आनंद सिंह ने बताया कि आज के समय में बीपी, डायबिटीज महामारी का रूप ले रहे हैं जो बहुत ही गंभीर चिंतन का विषय है। आज के समय में आराम पसंद जीवन शैली, मीठे तले हुए भोजन, अत्यधिक धूम्रपान, शराब का सेवन, मेहनत न करना, अत्याधिक टेंशन प्रमुख कारण है। अतः हम अपनी जीवनशैली में बदलाव लाकर बहुत से रोगों से बचा जा सकता है। शिविर में डॉ.वी.बी सिंह, डॉ.सौरभ पटेल, डॉ.क्षमा विश्वकर्मा, डॉ.अभिलाश सिंह पैथालॉजी स्टाफ सहित अन्य लोगों उपस्थित रहे। शिविर की सफलता पर आयोजक शंभू सिंह ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा ईश्वर सेवा के समान बताते हुए सबके प्रति आभार ज्ञापित किया।

स्वास्थ्य शिविर में 400 से ज्यादा मरीजों का किया गया उपचार

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर हुआ आयोजित

नईगढ़ी, नि.प्र.। नईगढ़ी जनपद पंचायत अध्यक्ष ममता कुंज बिहारी तिवारी व अगस्त क्रांति मंच के सौजन्य से विहान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को दूर करने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी में शिविर का आयोजन किया गया। विहान हॉस्पिटल की चिकित्सक टीम ने मरीजों की जांच, परामर्श और दवाओं का निःशुल्क वितरण किया। कार्यक्रम का उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीणों को विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना था। शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग प्रमुख थे। जनपद अध्यक्ष ममता तिवारी ने स्वयं शिविर का उद्घाटन किया और लोगों से स्वास्थ्य जागरुकता पर जोर दिया। नईगढ़ी जनपद पंचायत अध्यक्ष ममता कुंज बिहारी तिवारी लगातार सामाजिक कार्यों में सक्रिय रही हैं, और अब स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करा कर उन्होंने यह साबित कर दिया है कि राजनीति सत्ता नहीं सेवा का माध्यम है। जनपद अध्यक्ष ने कहा ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य शिविर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने का प्रभावी माध्यम हैं। इस तरह के आयोजन आमजन को विशेषज्ञ डॉक्टरों, जांच और दवाओं से लाभ पहुंचाते हैं, आयोजित स्वास्थ्य शिविर में हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, नेत्र परीक्षण और सामान्य स्वास्थ्य जांच निःशुल्क की गई। परामर्श सत्र डॉक्टरों ने व्यक्तिगत सलाह दी और जीवनशैली सुधार पर मार्गदर्शन किया। आवश्यक दवाएं मुफ्त बांटी गईं, विशेषकर मधुमेह रोगियों के लिए जागरुकता सत्र आयोजित किया गया। विहान हॉस्पिटल के संचालक डॉ राकेश पटेल ने लोगों को पेन किलर दबा बिना चिकित्स की परामर्श के न खाने की अपील की, वहीं मधुमेह रोगियों को भी इस रोग से बचने के लिए कई उपाय बताए, नईगढ़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में मुख्य रूप से डॉक्टर राकेश पटेल डॉक्टर, आशीष प्रताप सिंह, डॉक्टर निकिता सिंह, डॉक्टर माही रजक, डॉक्टर विजय शुक्ला, अतुल मिश्रा व विहान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के कई स्टॉप मौजूद रहे। अगस्त क्रांति मंच के संयोजक कुंज बिहारी तिवारी ने उपस्थित समस्त स्टाफ नईगढ़ी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर आर के पाठक व विहान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के संचालक डॉक्टर राकेश पटेल का नईगढ़ी में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के लिए आभार व्यक्त किया।

न्यूनतम मूल्य पर गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन केन्द्र निर्धारित

मऊगंज ब्यूरो। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन 7 मार्च तक किया जा रहा है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जिले में पंजीयन के लिए 25 पंजीयन केन्द्र निर्धारित किये हैं। जिला उपार्जन समिति की अनुशंसा पर केन्द्रों का निर्धारण किया गया है। सेवा सहकारी समिति पन्नी, विपणन सहकारी समिति मऊगंज, सेवा सहकारी समिति पाड़र, पहाड़ी नृपतसिंह, पटपरा, लौर, खैरा, भीर, कोट, बन्नई, बहुती, नईगढी, खर्रा, चिल्ल, हनुमना, कैलाशपुर, मुनिहाई, बन्ना, हर्दी, गौरी, टटिहरा, देवरा पटेहरा, खटखरी, पांती, पहाड़ी को पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। कलेक्टर ने पंजीयन केन्द्रों में पंजीयन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने राजस्व, खाद्य, कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को समय-समय पर पंजीयन केन्द्र का निरीक्षण करने के निर्देश दिये हैं।

जिला टास्कफोर्स समिति की बैठक आज

मऊगंज ब्यूरो। जिले के हनुमना विकासखण्ड में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत सामूहिक दवा सेवन अभियान के क्रियान्वयन हेतु जिला टास्कफोर्स समिति की बैठक कलेक्टर संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में 9 फरवरी को दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपस्थिति के निर्देश दिए गए हैं।

आदर्श प्रगति उमावि गंगेव में सरस्वती पूजन कार्यक्रम आयोजित

गंगेव, नि.प्र.। आदर्श प्रगति उमावि गंगेव में सरस्वती पूजन एवं पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रतिनिधि जनपद सदस्य गंगेव कामता सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में चौकी प्रभारी गंगेव देवेंद्र सिंह तोमर, व्याख्याता श्याम किशोर शर्मा, पूर्व जनपद सदस्य गंगेव रामजी सोनी, ब्रिज किशोर शर्मा, समाज सेवी अरुण शर्मा, रोशन लाल शर्मा सहित काफी संख्या में गणमान्य नागरिक अभिभावक शिक्षक छात्र गण मौजूद रहे। इस अवसर पर छात्रों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संस्था के प्राचार्य केएन त्रिपाठी ने उपस्थित अतिथियों का पुष्पहार से स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य हीरामणि शर्मा ने किया।

धोबा नाले पर ऊंची पुलिया का निर्माण नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश

ऊंची पुलिया निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

त्योंथर ब्यूरो। ग्राम पंचायत मझिगवां त्योथर अंतर्गत स्थित धोबा नाला से स्कंद माता तक जाने वाले उबड़-खाबड़ मार्ग जिसकी दूरी पांच किमी.है को सुगम बनाने के उद्देश्य से म. प्र. सरकार ने इस मार्ग को प्रधानमंत्री सड़क योजना अंतर्गत जोड़कर डामरीकृत सड़क एवं पुलिया निर्माण हेतु 355 .73 लाख रु.की राशि स्वीकृत कर 2022- 23 में पीडब्ल्यूडी विभाग त्योथर को सड़क निर्माण हेतु निविदा निकालने हेतु निर्देशित किया था जिसके तहत पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा दिनेश कुमार सिंह एड़ संस कंपनी को सड़क व पुलिया निर्माण कराने का ठेका प्रदान किया था। किंतु ठेकेदार के द्वारा उक्त मार्ग के डामरीकरण के कार्य को पूर्ण कर दिया किन्तु धोबा नाले में पूर्व में बनी पुलिया जिसकी ऊंचाई कम होने से बरसात में पहाड़ का पानी अधिक हो जाने से पुलिया में सात-आठ फुट ऊपर तक पानी बहने की वजह से अपनी जान जोखिम में डालकर इस मार्ग से होकर सफर करने वालों को यहां से गुजरना पड़ता है। धोबा नाले में पानी की रफ्तार इतनी तीव्र रहती है कि इसे पार करते समय यदि जरा सी चूक हो जाये तो इसके तीव्र बहाव में फंस कर व्यक्ति बह जाते है साथ ही धोबा नाले की ऊंचाई कम होने से बरसात में बारिस होने पर यह मार्ग अवरुद्ध हो जाता है, साथ ही नाले के पानी को कम होने में पांच- छ घंटे तक लग जाते है। धोबा नाले पर ऊंची पुलिया निर्माण न होने के कारण बरसात में लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात में नाले में पानी भर जाने के कारण स्थानीय लोगों को प्रखंड मुख्यालय या अन्य जगहों पर जाने में भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने ऊंचा पुल निर्माण की मांग पूरा नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

त्योंथर के शासकीय स्कूलों में मध्यान भोजन बना मज़ाक

बच्चों की थाली में कोरम और सिस्टम में मिलीभगत का ज़ोर

सोहागी, नि.प्र.। क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में मध्यान भोजन योजना अब बच्चों के पोषण की नहीं, बल्कि खुलेआम कोरमपूर्ति की योजना बनकर रह गई है। स्थानीय निवासियों ने संवाददाता को बताया कि जिस योजना का उद्देश्य गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को पौष्टिक भोजन देना था, वही आज बेस्वाद, सूखा और पोषणविहीन खाना परोसने का जरिया बन चुकी है। भोजन में न स्वाद है, न गुणवत्ता और न ही निर्धारित मात्रा बस किसी तरह हाज़िरी पूरी कर दी जाती है। हैरानी की बात यह है कि कागजों में रोज़ नए-नए मेनू तैयार होते हैं, दाल-सब्ज़ी, दूध-फल सब दर्ज रहता है, लेकिन धरातल पर सच्चाई जीरो है। बच्चों की थाली में सिर्फ नाम का खाना पहुँचता है, वो भी ऐसा कि कई बार बच्चे खाने से इंकार कर देते हैं। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जिम्मेदार प्राध्यापक भी इस लापरवाही पर चुप्पी साधे हुए हैं। न भोजन की जांच, न गुणवत्ता पर सवाल सब कुछ ऊपर से दबाव और मिलीभगत के सहारे चल रहा है। शिकायत करने वालों को चुप करा दिया जाता है और मामला फाइलों में दबा दिया जाता है। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से इस मामले की जांच कर कार्यवाही की मांग की है।

खटखरी ग्राम पंचायत में मध्यान्ह भोजन सहित गौशालाओं में नहीं रुक रहा भ्रष्टचार

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के हनुमना जनपद पंचायत अंतर्गत बहुचर्चित ग्राम पंचायत खटखरी में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप वहां की जनता द्वारा लगाए गए हैं। खटखरी के निवासी एवं समाजसेवी अशोक गुप्ता ने उक्त पंचायत की स्थिति पर गंभीर चितां जताई है। उन्होंने संवाददाता से बात करते हुए आरोप लगाया है कि पंचायत में जब से श्वेता शर्मा पदस्थ हुई हैं तब से भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच चुका है। इनके द्वारा ग्राम पंचायत में भारी भरकम भ्रष्टाचार किया जा रहा है जिसकी शिकायत पूर्व में भी हनुमना जनपद से लेकर जिला जनपद पंचायत रीवा एवं हाई कोर्ट जबलपुर तक किया जा चुका है परंतु अभी तक श्वेता शर्मा एवं उनके सचिव रामलोचन शर्मा पर अभी तक प्रशासनिक कार्यवाही नहीं की गई है। समाजसेवी अशोक गुप्ता ने आगे कहा कि खटखरी ग्राम पंचायत में श्वेता शर्मा एवं सचिव रामलोचन शर्मा व सहायक सचिव धर्मेंद्र गुप्ता के द्वारा भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितता निर्माण संबंधी कार्यों में किया जा रहा है।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में राजेन्द्र दास जी की कथा 12 से

उप मुख्यमंत्री ने आयोजन तैयारियों की करी समीक्षा, गौ कथा एवं गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर होगी कथा

आंचलिक डेस्क। बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में 12 से 14 फरवरी तक मलूक पीठाधीश्वर राजेन्द्र दास जी महाराज गौ कथा एवं गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर अपनी अमृतमयी वाणी से कथा करेंगे। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आयोजन की तैयारियों के संबंध में बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के प्रशासनिक भवन में आयोजित बैठक में सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजेन्द्र दास जी की कथा से गौ संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती को बल मिलेगा। गौ अभ्यारण्य परिसर में आयोजित होने वाली कथा अप्रतिम व भव्य होगी।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बैठक में निर्देश दिए कि महाराज जी एवं उनके साथ आने वाले संतों के रूकने की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। बैठक व्यवस्था से लेकर पार्किंग तथा प्रसाद वितरण आदि की व्यवस्थाओं सहित प्रचार.प्रसार समिति आयोजन का व्यापक प्रचार.प्रसार सुनिश्चित करें। श्री शुक्ल ने कहा कि इस कथा में सभी की सक्रिय भागीदारी रहे। कार्यक्रम स्थल में डॉक्टर्स की टीम की उपलब्धता एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं। आयोजन स्थल में बनने वाला प्रसाद में प्राकृतिक खेती से उत्पादित अन्न व सब्जी का ही उपयोग किया जायेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि आयोजन के संबंध में जिन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है उसका वह सजगता से निर्वहन करें। उल्लेखनीय है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में 12 से 14 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक महाराज श्री की कथा होगी।

दूसरे चरण में अब दुधारू गौवंश का होगा संरक्षण

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बैठक में बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में द्वितीय चरण में दुधारू गौवंश के संरक्षण हेतु बनाये जाने वाले शेड व अन्य निर्माण कार्यों की कार्य योजना का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि गौवंश वन्य विहार से लगी 10 एकड़ भूमि में दुधारू गाय, बछड़ा व गर्भवती गायों के लिए शेड सहित भूसा शेड का निर्माण कार्य प्रस्तावित है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में बेसहारा गौवंश के लिए संरक्षण केन्द्र स्थापित है। यहां प्राकृतिक खेती भी हो रही है। आने वाले समय में शेष भूमि में दुधारू गौवंश का संरक्षण भी किया जायेगा। इस प्रकार इस गौवंश वन्य विहार में दोनों मॉडल हो जायेंगे। श्री शुक्ल ने कहा कि निर्माणाधीन सड़क मार्ग के दोनों तरफ पीपल का पौधरोपण किया जायेगा। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को व्यवस्थायें करने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों की लंबित राशि का भुगतान संबंधितों को शीघ्र करें। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रात्रि विश्राम गौवंश वन्य विहार में किया। प्रातः भ्रमण के दौरान उन्होंने प्राकृतिक खेती तथा गौसंरक्षण स्थल सहित कथा स्थल का अवलोकन किया। श्री शुक्ल ने भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना की तथा गौपूजन कर गाय को आहार खिलाया। श्री शुक्ल को प्राकृतिक खेती से पैदा हुई सब्जियाँ अवलोकन के लिए सौंपी गयी। इस दौरान वनमण्डलाधिकारी अभय जयराम जी महाराज, डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी, गौवंश वन्य विहार के सचिव डॉ राजेश मिश्रा, पूर्व उपाध्यक्ष गौसंवर्धन बोर्ड राजेश पाण्डेय, सीएमएचओ डॉ यत्नेश त्रिपाठी, सीईओ जनपद हरिश्चन्द्र द्विवेदी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नेपाल के खिलाफ उलटफेर से बचा इंग्लैंड

टी-20 विश्व कपः सैम करन के आखिरी ओवर में 10 रन नहीं बना सका नेपाल, चार रन से हारा

जेएनएन, मुंबई

दो बार की विश्व चैंपियन इंग्लैंड ने रविवार को टी-20 विश्व कप ग्रुप-सी के बेहद रोमांचक मुकाबले में नेपाल की चुनौती से निपटते हुए अंत में चार रन की करीबी जीत दर्ज की। नेपाल इस मुकाबले में उलटफेर कर इतिहास रचने के बहुत करीब पहुंच गया था। उसने इंग्लैंड के सात विकेट पर 184 रन के जवाब में छह विकेट पर 180 रन बनाए। लोकेश बाम (20 गेंद में नाबाद 39 रन) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेपाल की उलटफेर भरी जीत की उम्मीद बनाए रखी, लेकिन आखिरी ओवर में जीत नहीं दिला सके। आखिरी ओवर में नेपाल को जीत के लिए 10 रन की दरकार थी, लेकिन नेपाल के लिए बाउंड्री नहीं लग सकी। इस तरह बल्ले से उनका शानदार प्रदर्शन करीबी हार से खत्म हो गया। सैम करन ने अंतिम ओवर में लगातार यॉर्कर फेंकीं और नेपाल की टीम सिर्फ पांच रन ही बना पाई। लेकिन फिर भी 17,000 से ज्यादा प्रशंसक वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद थे और उन्होंने नेपाल को अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन करते देखा।

■ कप्तान रोहित पौडेल (39), दीपेंद्र सिंह ऐरी (39), कुशाल भुर्तेल (29) और लोकेश बाम (चार चौके, दो छक्के) ने शानदार जज्बा दिखाया। नेपाल को आखिरी तीन ओवर में 46 रन चाहिए थे, तब बाम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने जोफ्रा आर्चर के 18वें ओवर में दो छक्के और 19वें ओवर में ल्यूक वुड पर लगातार दो चौके लगाए। भुर्तेल ने शुरुआत में तेजी से रन जुटाए, जबकि पौडेल और ऐरी के बीच तीसरे विकेट के लिए 82 रन की मजबूत साझेदारी ने नेपाल को मजबूती दी।

■ नेपाल ने आसिफ शेख (07) के रूप में शुरुआती विकेट गंवा दिया था, लेकिन भुर्तेल ने 17 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाकर लय बनाई। लेकिन छठे ओवर में आउट हो गए। 14वें ओवर में पौडेल ने रन गति बढ़ाकर नेपाल को लक्ष्य की ओर अग्रसर किया। उन्होंने इंग्लैंड के सबसे सीनियर गेंदबाज आदिल राशिद के ओवर में छक्का और चौका लगाया। हालांकि ड्रिंक्स ब्रेक के बाद ऐरी और पौडेल की लय टूट गई। ऐरी ने 15वें ओवर में सैम करन की गेंद पर आउट हो गए। इसके तुरंत बाद पौडेल भी लियाम डॉसन की गेंद पर स्वीप शॉट खेलने की कोशिश में डीप मिडविकेट पर फिल साल्ट के हाथों कैच आउट हुए।

प्लेयर ऑफ द मैच : विल जैक्स

08 विकेट नेपाल के गेंदबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी के हो गए। वे टी-20 विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। उन्होंने सोमपाल कामी के सात विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

82 रन की साझेदारी ऐरी और पौडेल के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई, जो रिकॉर्ड है। इससे पहले पारस खड़का और मल्ला के बीच 80 रन की सबसे बड़ी साझेदारी हुई थी।

■ बतौर कप्तान रोहित पौडेल ने नेपाल के लिए चौथा टी-20 विश्व कप मैच खेलकर रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही उन्होंने पारस खड़का को पीछे छोड़ा।

लोकेश बाम

ब्रूक-बेथेल के अर्धशतक से बड़ा स्कोर

इंग्लैंड ने सात विकेट पर 184 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। बेथेल ने टी-20 विश्व कप पदार्पण में तेज अर्धशतक से शानदार प्रदर्शन किया। ब्रूक ने बेथेल के साथ चौथे विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की। इंग्लैंड ने पांचवें ओवर में दोनों ओपनर्स को खो दिया था। फिल साल्ट (01 रन) पारी के दूसरे ओवर की पहली गेंद पर ही आउट हो गए। जॉस बटलर ने 26 रन बनाए। सातवें ओवर की पहली गेंद पर टॉम बैंटन दो रन बनाकर आउट हुए। 57 के स्कोर पर तीन विकेट गिरने के बावजूद जैकब बेथेल (55 रन) के आक्रमण से इंग्लैंड अधिक परेशानी में नहीं दिख रही थी। बेथेल ने कप्तान हैरी ब्रूक (53 रन) के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 45 गेंदों में 71 रन जोड़े। इसके बाद इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी साझेदारी 21 रनों की रही। विल जैक्स ने 18 गेंदों में नाबाद 39 रनों की पारी खेलते हुए इंग्लैंड को 184 के स्कोर तक पहुंचाया। करन कसी के आखिरी ओवर में कुल 21 रन आए थे। दीपेंद्र ऐरी ने तीन ओवर में 23 और नंदन यादव ने तीन ओवर में 25 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए।

कीवियों के पंजे में फंसे अफगानी

न्यूजीलैंड की पहली जीत में चमके टिम सीफर्ट, सेंटनर और फिलिप्स

चेन्नई, जेएनएन। न्यूजीलैंड ने ग्रुप-डी में अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने 17.5 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। न्यूजीलैंड की जीत के नायक टिम सीफर्ट (42 गेंद में 65 रन) रहे। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरे ओवर में 14 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद सीफर्ट ने ग्लेन फिलिप्स (42 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 गेंदों में 74 रन की अहम साझेदारी कर टीम को मजबूती दी। न्यूजीलैंड को स्पिनर मुजीब उर रहमान ने शुरुआती झटका दिया, जिन्होंने दूसरे ओवर में फिन एलेन (1) और रचिन रवींद्र (0) को लगातार गेंदों पर बोल्ड किया। इसके बाद सीफर्ट और फिलिप्स ने पारी संभाली।

फिलिप्स ने कप्तान राशिद खान की गेंदों पर आक्रामक शॉट लगाए, हालांकि राशिद ने उन्हें बोल्ड कर साझेदारी तोड़ी। अफगानिस्तान ने छह विकेट पर 182 रन बनाए। गुलबदिन नायब (63 रन) ने सेदिकुल्लाह अटल (29 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 51 गेंदों में 79 रन की साझेदारी की।

सह मेजबान श्रीलंका ने आयरलैंड को 20 रन से हराकर शानदार शुरुआत की

कोलंबो, जेएनएन। सह मेजबान श्रीलंका ने टी-20 विश्व कप के अपने पहले मैच में आयरलैंड को 20 रन से हराया। प्लेयर ऑफ द मैच कामिंदु मेंडिस के 19 गेंद में 44 रन और कुसल मेंडिस (43 गेंद में 56 रन) के अर्धशतक की मदद से श्रीलंका ने खराब शुरुआत से उबरते हुए छह विकेट पर 163 रन बनाए। उन्होंने पांचवें विकेट के लिए कामिंदु के साथ 67 रन की साझेदारी की। जवाब में आयरलैंड 19.5 ओवर में 143 रन पर आउट हो गई। रोस एडेयर ने 34 और हैरी टेक्टर ने 40 रन बनाए। श्रीलंका के लिए महीश तीक्षणा ने चार ओवर में 23 और वानिंदु हसरंगा ने 25 रन देकर तीन-तीन विकेट लिए। आयरलैंड ने चौथे ओवर में कप्तान पॉल स्टर्लिंग का

प्लेयर ऑफ द मैच कामिंदु

विकेट गंवा दिया जब स्कोर 24 रन था। रोस एडेयर ने हालांकि अच्छी बल्लेबाजी करते हुए टीम को पावरप्ले के आखिर में एक विकेट पर 45 रन तक पहुंचाया। श्रीलंका को एडेयर का विकेट मिला, जब वानिंदु हसरंगा ने अपने पहले ही ओवर में उन्हें रवाना किया। हैरी टेक्टर टीम को दस ओवर में दो विकेट पर 72 रन तक ले गए।

खेल एक नजर

बॉक्सैम एलीटः लवलीना और अरुंधति की अगुआई में भारत ने जीते नौ स्वर्ण

ला नूसिया (स्पेन), जेएनएन। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी की अगुआई में भारत ने बॉक्सैम एलीट इंटरनेशनल 2026 टूर्नामेंट में नौ स्वर्ण पदक जीते। शनिवार को सात एलीट महिला फाइनल में भारतीयों ने प्रतिनिधित्व किया। वहीं 54 किग्रा वर्ग में फाइनल दो भारतीयों के बीच हुआ। भारतीय महिलाओं ने प्रत्येक में स्वर्ण पदक जीता। भारत ने स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य पदक के साथ प्रतियोगिता में सबसे सफल रहा। मंजू रानी (48 किग्रा) और नीतू (51 किग्रा) ने क्रमशः स्पेन की मार्टा लोपेज और नोएलिया गुटिरेज पर सर्वसम्मत जीत के साथ शुरुआत की। फिर पूनम (54 किग्रा) ने एक कड़े मुकाबले में हमवतन प्रीति को हराया। प्रिया (60 किग्रा) और अरुंधति (70 किग्रा) ने यूक्रेनी प्रतिद्वंद्वियों पर 5-0 से शानदार जीत हासिल की। लवलीना (75 किग्रा) ने संयम से खेलते हुए इंग्लैंड की मैरी-केट स्मिथ को 4-1 से हराया। नैना (80 किग्रा) ने यूक्रेन की रायसा पिस्कुन पर जीत से क्लीन स्वीप पूरा किया।

एशियाई चैंपियनशिपः इलावेनिल-बबूता ने मिश्रित टीम स्वर्ण जीता

नई दिल्ली, जेएनएन। ओलंपियन इलावेनिल वलारिवन और अर्जुन बबूता ने रविवार को एशियाई चैंपियनशिप (राइफल और पिस्टल) में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत की जीत की लय जारी रखते हुए हिमांशु ढिल्लों और शांभवी क्षीरसागर ने इसी स्पर्धा के जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं की एयर राइफल स्पर्धा में शनिवार को स्वर्ण जीत चुकी इलावेनिल ने चार टीम के फाइनल में 24 शॉट में 253.4 का स्कोर किया, जबकि बबूता ने पदक दौर में खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी करते हुए 251.6 अंक जुटाए, जिससे जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता। इलावेनिल और बबूता ने मिलकर 505.0 अंक बनाए, जिससे वे दक्षिण कोरिया की यूनजी क्वोन और किम वूरिम (501.0) से चार अंक आगे रहे, जिन्हें रजत पदक मिला। हिमांशु और शांभवी ने व्यक्तिगत सफलताओं के बाद मिश्रित टीम स्वर्ण पदक भी जीता। उन्होंने फाइनल में 502.4 का स्कोर बनाया जो एशियाई जूनियर रिकॉर्ड है। भारतीय जोड़ी ने कजाखस्तान की अलीना सतपायेवा और तामेरलान काबुलोव (488.6) से 13.8 अंक की बढ़त के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि मालदीव की इशा शहीद और माईश मोहम्मद को कांस्य पदक मिला।

डेविस कपः सुमित नागल हारे, भारत-नीदरलैंड में 5वां मैच निर्णायक होगा

बेंगलुरु, जेएनएन। युकी भांबरी और दक्षिणेश्वर सुरेश ने मैराथन युगल मुकाबला जीता, लेकिन उलट एकल में सुमित नागल के हारने के बाद अब भारत और नीदरलैंड के बीच डेविस कप क्वालिफायर मुकाबले का फैसला निर्णायक पांचवें मैच से होगा। नागल एक सेट जीतने के बाद दुनिया के 88वें नंबर के खिलाड़ी जेस्पर डि जोंग से करीब तीन घंटे तक मुकाबला 7-5, 1-6, 4-6 से हार गए। अब मुकाबला 2-2 से बराबर होने के बाद नजरें पांचवें मुकाबले पर लगी है, जिसमें भारत के दक्षिणेश्वर सुरेश का सामना गाय डि ओडेन से होगा, जिसने नागल को हराया था। इससे पहले युगल मुकाबले में दक्षिणेश्वर और भांबरी ने डेविड पेल और सैंडर एरेंड्स को 7-6, 3-6, 7-6 से हराकर भारत को 2-1 से बढ़त दिला दी थी। तीन घंटे तक चले बराबरी के मुकाबले में एन श्रीराम बालाजी की जगह दक्षिणेश्वर को उतारने का भारतीय कप्तान रोहित राजपाल का फैसला सटीक साबित हुआ।

रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मुकाबले

उत्तराखंड पहली बार सेमीफाइनल में मप्र पर जीत के करीब जम्मू कश्मीर

इंदौर, जेएनएन। जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने तीन विकेट लेकर मध्यप्रदेश के शीर्षक्रम की बखिया उधेड़ दी और अपनी टीम को रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में जीत के करीब पहुंचा दिया। पांच विकेट पर 84 रन से आगे खेलते हुए जम्मू कश्मीर ने दूसरी पारी में 248 रन बनाए। 2021-22 की चैंपियन मप्र को जीत के लिए 291 रन का लक्ष्य मिला, लेकिन तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर उसके पांच विकेट 87 रन पर निकल गए थे। शुभम शर्मा 11 और वेंकटेश अय्यर सात रन बनाकर खेल रहे थे। वहीं उत्तराखंड ने मयंक मिश्रा (पांच विकेट) और अभय नेगी (चार विकेट) की गेंदबाजी से झारखंड को पारी और छह रन से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह पक्की की। झारखंड दूसरी पारी में सिर्फ 130 रन पर ढेर हो गई। कल के पांच विकेट पर 282 रन से आगे खेलते हुए उत्तराखंड ने तीसरे दिन पहली पारी में 122.3 ओवर में 371 रन बनाकर 136 रन की बढ़त बनाई।

कर्नाटक जीत से 212 रन दूर

भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल (नाबाद 60 रन) के अर्धशतक से कर्नाटक ने मुंबई के 325 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टंप तक दो विकेट पर 113 रन बना लिए। कर्नाटक को जीत के लिए 212 रन की जरूरत है। मुंबई ने दूसरी पारी दो विकेट पर 189 रन से आगे शुरू की। विकेटकीपर आकाश आनंद (70) ने अपने रात के स्कोर में 17 रन जोड़े जबकि मुशीर खान ने 49 रन बनाए। तनुष कोटियान ने नाबाद 48 रन जबकि तुषार देशपांडे ने 47 रन की पारी खेली, जिससे मुंबई 98.3 ओवर में 377 रन पर ऑलआउट हो गई। उसने कर्नाटक के सामने जीत के लिए 325 रन का लक्ष्य रखा। वहीं सुदीप कुमार घरामी (नाबाद 216) ने पहली दोहरी शतकीय पारी खेली, जिससे बंगाल ने पहली पारी में 123 रन की अहम बढ़त हासिल की। बंगाल ने आंध्र के पहली पारी में 295 रन के जवाब में बंगाल को छह विकेट पर 418 रन तक बनाने में मदद की।

फुटबॉल का दिग्गज इटली टी-20 विश्व कप में स्कॉटलैंड के खिलाफ शुरू करेगा अपना अभियान

कोलकाता, जेएनएन। फुटबॉल की महाशक्ति इटली की टीम सोमवार को टी-20 विश्व कप के ऐतिहासिक पदार्पण मैच में स्कॉटलैंड का सामना करेगी, तो उसे क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर अपनी छाप छोड़ने का मौका मिलेगा। चार फीफा विश्व कप जीतने वाली इटली की टीम पिछले जुलाई में यूरोपीय क्षेत्रीय क्वालिफायर के जरिए टी-20 टीम के टूर्नामेंट में जगह बनाकर क्रिकेट में एक अनोखा अध्याय लिख रही है। क्वालिफायर में इटली और जर्सी ने पांच-पांच अंक हासिल किए। लेकिन बेहतर नेट रन रेट के आधार पर इटली ने दूसरा स्थान हासिल करके इस वैश्विक टूर्नामेंट में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की। जिस देश का क्रिकेट इतिहास 1793 का है, जब कथित तौर पर अंग्रेजी नौसैनिक होरेशियो नेल्सन ने नेपल्स में पहला रिकॉर्डेड मैच आयोजित किया था, उसके लिए यह क्वालिफिकेशन भूली हुई जड़ों की ओर एक दिलचस्प वापसी है। इटली ने अपने पिछले तीन मैच जीते हैं, जिसमें कनाडा और यूएई के खिलाफ दो

अभ्यास मैच और फिर तैयारी के लिए सीरीज में आयरलैंड को हराया जो आईसीसी के पूर्ण सदस्य पर उनकी पहली जीत थी। उन्होंने यूरोपियाई क्वालिफायर में स्कॉटलैंड को 12 रन से हराकर भी चौंका दिया था, जो विश्व कप के लिए क्वालिफिकेशन पक्का करने में निर्णायक साबित हुई। हालांकि बांग्लादेश को बाहर किए जाने के बाद शामिल हुई स्कॉटलैंड अब वे खतरे से सावधान है।

कनाडा के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका को खिताब के लिए चुनौती पेश करनी है, तो सोमवार को अहमदाबाद में कनाडा के खिलाफ टी-20 विश्व कप में अपना अभियान शुरू करते हुए अपने हालिया फॉर्म से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। कनाडा के पास मैच अभ्यास की कमी है, लेकिन टीम मजबूत छाप छोड़ने की कोशिश कर रही है। जून 2024 में भारत के खिलाफ टी-20 विश्व कप 2024 फाइनल हारने के बाद से दक्षिण अफ्रीका ने 32 मैच में से सिर्फ 12 में जीत हासिल की है। दूसरी ओर कनाडा ने पिछले चार महीने में शीर्ष स्तर का अधिक क्रिकेट नहीं खेला है। टीम अपना लगातार दूसरा टी-20 विश्व कप खेल रही है, जिसमें 23 साल के दिलप्रीत बाजवा ने निकोलस किर्टन से कप्तानी संभाली है। दूसरी तरफ पिछले टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद जिम्बाब्वे के पास खुद को साबित करने का मौका है। जिम्बाब्वे ने चार साल पहले फाइनल में पहुंचने वाले पाकिस्तान को हराया था और वे अपने दूसरे मैच में ग्रुप की प्रबल दावेदार टीम ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने से पहले ओमान के खिलाफ दबदबे वाली शुरुआत करना चाहेंगे।

मैनचेस्टर यूनाइटेड की लगातार चौथी जीत

मैनचेस्टर, जेएनएन। माइकल कैरिक के मार्गदर्शन में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने प्रीमियर लीग फुटबॉल में लगातार चौथी जीत हासिल की, जिससे कुछ हफ्ते पहले मुश्किलों में नजर आ रही टीम अब काफी बेहतर स्थिति में दिख रही है। शनिवार को यूनाइटेड ने टोटेनहम को 2-0 से हराकर मुख्य कोच के तौर पर कैरिक की शत प्रतिशत जीत का सिलसिला जारी रखा और पिछले दो वर्षों में चैंपियंस लीग से बाहर रहने के बाद वापसी की उम्मीदों को बढ़ाया। आर्सेनल ने शीर्ष पर नौ अंक की

बढ़त बना ली है। टीम ने स्थानापन्न खिलाड़ी विक्टर ग्योकेरेस के दो गोल से संडरलैंड के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। आर्सेनल के 25 मैच में 56 अंक हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी (24 मैच में 47 अंक) लीवरपूल से खेलेगा, जबकि तीसरे स्थान पर मौजूद एस्टन विला (25 मैच में 47 अंक) ने बोर्नमाउथ के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। चेल्सी ने कोल पाल्मर की हैट्रिक से आखिरी स्थान पर मौजूद वॉल्व्स के खिलाफ 3-1 की जीत दर्ज की।

वैभव, कनिष्क और हेनिल आईसीसी अंडर-19 विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल

दुबई, जेएनएन। वैभव सूर्यवंशी को आईसीसी की अंडर-19 विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह मिली, जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंद में 175 रन की शानदार पारी खेलने के बाद टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए 14 साल के सूर्यवंशी के अलावा टीम के उनके साथी कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल को भी 12 सदस्यीय टीम में जगह मिली। भारत ने रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीता। कनिष्क ने बल्ले और गेंद दोनों से लगातार महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि हेनिल के 11 विकेट में अमेरिका के खिलाफ 16 रन देकर पांच विकेट का शानदार स्पैल शामिल था।

टीमः वैभव सूर्यवंशी (भारत), विरान चामुदिथा (श्रीलंका), फैजल खान शिनोजादा (अफगानिस्तान), थॉमस रेव (विकेटकीपर, कप्तान) (इंग्लैंड), ओलिवर पीक (ऑस्ट्रेलिया), बेन मायेस (इंग्लैंड), कनिष्क चौहान (भारत), नूरिस्तानी उमरजई (अफगानिस्तान), विटेल लावेस (वेस्टइंडीज), अली रजा (पाकिस्तान), मैनी लुम्सडेन (इंग्लैंड), हेनिल पटेल (भारत)।

फुटबॉल मैच देखने मैड्रिड जाने वाले थे सिराज, आखिरी समय में बुलावा आने के बाद स्पेन का दौरा रद्द किया, पहले मैच में चमके

चोटिल हर्षित राणा के टी-20 विश्व कप से बाहर होने के बाद टीम में मिला मौका

जेएनएन, मुंबई

मोहम्मद सिराज अपनी पसंदीदा फुटबॉल टीम रीयाल मैड्रिड को रीयाल सोसीदाद के खिलाफ खेलते हुए देखने के लिए दुनिया के दूसरी हिस्से में जाने की तैयारी कर रहे थे कि तभी उन्हें कप्तान सूर्यकुमार यादव का फोन आया। चोटिल हर्षित राणा के टी-20 विश्व कप से बाहर होने के बाद सूर्यकुमार ने भारतीय टीम के भरोसेमंद तेज गेंदबाज सिराज को टीम में शामिल किया। जसप्रीत बुमराह के बीमार होने के कारण सिराज को एकादश में शामिल किया गया और उन्होंने वही किया जो वह हमेशा करते हैं-हर गेंद पर अपना पूरा जोर लगाया। इस ईमानदार कोशिश के लिए उन्हें तीन विकेट मिले, जिससे भारत ने जोश से भरी अमेरिका की टीम को हराने में सफलता हासिल की।

मियां बैग पैक कर और आ जा...

टी-20 विश्व कप के पहले मैच में यूएसए के खिलाफ भारत की 29 रन की जीत में सबसे सफल गेंदबाज बनकर खुश सिराज ने अपनी वापसी की कहानी सुनाते हुए कहा, दो दिन पहले सूर्या (सूर्यकुमार) ने कहा मियां बैग पैक कर और आ जा (मुंबई)। मैंने उनसे कहा भाई मजाक मत करो क्योंकि यह तो होने वाला नहीं है। लेकिन उन्होंने कहा मैं सच कह रहा हूं, तैयार हो जा। उन्होंने कहा, फिर (भारत के चयनकर्ता प्रज्ञान) ओझा भाई ने मुझे फोन किया, अल्लाह ने जो लिखा है उसे कोई नहीं बदल सकता। सिराज ने फौरन बैग पैक किया, विश्व कप के पहले दिन तड़के 3 बजे मुंबई में टीम से जुड़े, विरोधी टीम के बारे में थोड़ा होमवर्क किया और फिर थोड़ी सी नींद ली। नींद से उठते ही उन्हें मैसेज मिला कि वह यूएसए के खिलाफ सीधे प्लेइंग-11 में भी हैं। जब सिराज पूछा गया कि हैदराबाद के लिए कुछ रणजी ट्रॉफी मैच खेलने के बाद उन्होंने फरवरी में ब्रेक के लिए क्या योजना बनाई थी तो उन्होंने कहा, 15 तारीख को रीयाल मैड्रिड का मैच है और मैं उसे देखने जा रहा था और उसके बाद रमजान है, लेकिन अल्लाह ने जो लिखा है। दरअसल जब टीम के स्ट्रैंथ एवं अनुकूलन कोच एड्रियन ले रॉक्स ने उन्हें मैसेज करके पूछा था कि क्या योजना है, तो सिराज ने जवाब दिया था, अभी मुझे मैसेज मत करो क्योंकि मैंने चार दिवसीय दो मैच खेले हैं और मुझे आराम चाहिए। इसके बाद देखूंगा कि क्या योजना है।

विश्व कप में खेलने के बारे में नहीं सोचा था

सिराज को फोन आने की उम्मीद नहीं थी, क्योंकि वह टूर्नामेंट के लिए भारत की योजनाओं का हिस्सा नहीं थे। यह तेज गेंदबाज बारबडोस में 2024 में टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा था। सिराज ने कहा, जब मैं विमान में था तो ऐसा लग रहा था जैसे मैं सपना देख रहा हूं, क्योंकि मैंने विश्व कप में खेलने के बारे में सोचा ही नहीं था। उन्होंने कहा, पिछले एक साल से योजना बनाई जा रही थी। जो लोग इसमें खेलने वाले थे उन्हें मौके मिल रहे थे और क्योंकि मैंने टी-20 अंतरराष्ट्रीय नहीं खेले थे, इसलिए मुझे समझ आ गया था कि मैं इसका हिस्सा नहीं बनूंगा। सिराज ने जुलाई 2024 के बाद से कोई टी-20 नहीं खेला था, जो पिछले टी-20 विश्व कप में भारत की जीत के कुछ ही समय बाद की बात है। लेकिन जब शनिवार को उन्हें नई गेंद से गेंदबाजी करने का मौका मिला, तो उन्होंने उसे ऐसे स्विंग कराया जैसे उन्होंने कभी इस फॉर्मेट को छोड़ा ही न हो।

कलेक्टर आज करेगी टीएल पत्रों की समीक्षा

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल 9 फरवरी को टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगी। बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 बजे से आरंभ होगी। बैठक में ई-आफिस व्यवस्था तथा समय सीमा के पत्रों की भी समीक्षा की जायेगी। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

दैनिक जागरण
रीवा, 09 फरवरी , 2026 रीवा शहर www.dainikjagranmpcg.com

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 10 को

रीवा। जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 10 फरवरी को शाम 4 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में महाशिवरात्रि, होली, ईदुलफितर, रामनवमी एवं महावीर जयंती त्योहारों के शांतिपूर्ण आयोजन एवं व्यवस्थाओं के संबंध में विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में समिति के सदस्यों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

New Dr. Juneja's Roop Mantra®
Ayurvedic Face Cream & Face Washes
Goodness of 12 herbs for Skin care
Scars • Wrinkles • Pimples • Dull Skin
रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम में मौजूद ऐलोवेरा, तुलसी, द्राक्षा, हरिद्रा, चंदन, बादाम इत्यादि जड़ी बूटियाँ चेहरे पर नमी सुरक्षित रख एक ट्रीटमेंट की तरह कार्य करती हैं। इसके पोषक एवं एंटी-ऑक्सीडेंट गुण चेहरे की त्वचा को युवा रखने में सहायता करते हैं। यह रूखी/ बेजान त्वचा, झुर्रियां, आंखों के नीचे काले घेरे, खिंचाव के निशान इत्यादि के प्रबंधन में विशेष सहायक है।
24x7 Helpline: 87259 66666 • www.roopmantra.com
Available at all medical & general stores
Clinically Tested*

अर्से बाद निकला रीवा का खनिज महकमा, तीन क्रशर संचालकों के खिलाफ की कार्यवाई

जिला पंचायत की सितंबर में आयोजित सामान्य सभा की बैठक में जांच के दिए गए थे निर्देश

होली के पहले कार्यवाही की खानापूर्ति

जागरण, रीवा। अर्से बाद खनिज महकमा दफ्तर के बाहर निकला। कलेक्टर द्वारा सयुंक्त जांच दल गठित करने के कारण खनिज महकमे को बाहर निकलना पड़ा अन्यथा यह गलती क्यों करता। सितंबर में आयोजित जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में संकल्प पारित कर खनिज विभाग को प्रदूषण फैलाने वाले क्रशरों के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे लेकिन विभाग के अधिकारियों ने कोई परवाह नहीं की। बताया गया है कि रविवार को टास्क फोर्स समिति द्वारा रीवा जिले के ग्राम बैजनाथ, हिनौती सहित अन्य ग्रामों में संचालित 11 क्रशर प्लांटों एवं खनिज भंडारण की जांच की गई। जांच में अवैध खनिज भंडारण करते पाए जाने पर 3 क्रशर मालिकों, अपर्णा स्टोन क्रशर, मां शारदा स्टोन क्रशर,कृष्णा स्टोन क्रशर के विरुद्ध अवैध भंडारण का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया, जिसे कलेक्टर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा एवं अन्य संचालित क्रशरों को नियमों के उल्लंघन एवं प्रदूषण की शर्तों के उल्लंघन हेतु कारण बताओ सूचना जारी करने की कार्यवाही कि जाएगी। सयुक्त कार्यवाही के दौरान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से क्षेत्रीय प्रमुख, राजस्व खनिज विभाग एवं अन्य अधिकारी सम्मिलित रहे।

खनिज अधिकारी का यह दावा

कार्यवाही को लेकर जिला खनिज अधिकारी दीपमाला तिवारी ने दावा किया है कि टास्क फोर्स समिति द्वारा ग्राम बैजनाथ, हिनौती सहित अन्य ग्रामों में संचालित क्रशर प्लांटों एवं खनिज भंडारण की जांच की गई जिसमें तीन क्रशर में अवैध भंडारण पाए जाने पर कार्रवाई की गई है। और नियम का उल्लंघन करने वाले क्रशर मालिकों को कारण बताओ नोटिस जारी की गई। खनिज अधिकारी ने कहा कि अब अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध हमारी कार्रवाई जारी रहेगी।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे साय 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433 9981287311

जनगणना समन्वय समिति की बैठक आज

रीवा। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक 9 फरवरी को आयोजित की जायेगी। बैठक कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में टीएल बैठक के बाद आरंभ होगी। बैठक में समिति के सभी सदस्यों को उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं।

सफारी वाहन में लोड 102 लीटर अवैध शराब जब्त

नईगढ़ी थाना पुलिस ने की कार्यवाही

जागरण, रीवा। मऊगंज जिले के नईगढ़ी थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ कारोबारी के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एक सफारी वाहन में लोड विभिन्न ब्रांड की 102 लीटर अवैध शराब जब्त की है। पुलिस को रविवार की दोपहर इस आशय की सूचना प्राप्त हुई थी की नईगढ़ी कस्बे के जायसवाल मोहल्ला में खड़ी एक सफारी वाहन में अवैध शराब लोड है, कारोबारी तस्करी करने की फिराक में है। सूचना मिलते ही नईगढ़ी थाना प्रभारी गोविंद प्रसाद तिवारी दलबल के साथ मौके पहुंचे, इस दौरान पुलिस को आता देख वाहन मालिक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस द्वारा वाहन की तलाशी ली गई तो उसके अंदर विभिन्न ब्रांडों की 11 कार्टून में बन्द 102 लीटर अवैध शराब पाई गई। सफारी वाहन के डेस्क बोर्ड से पुलिस को वाहन मालिक के संबंध में जानकारी मिली जिसके बाद पुलिस आबकारी अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध कर कार्रवाई की है। पुलिस अब सफारी वाहन मालिक की तलाश कर रही है। पुलिस ने वाहन सहित अवैध शराब को जब्त कर दी है।

सूने घर में चोरों का धावा, लाखों के आभूषण चुरा ले गए बदमाश

जवा थाना क्षेत्र के बरौली ठकुरान गांव की घटना

जागरण, रीवा। जवा थाना अंतर्गत बरौली ठाकुरान गांव में बीती देर रात सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों के आभूषण पार कर दिए। जानकारी के मुताबिक मकान मालिक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने बाहर गए थे, इसी बीच दो बाइक से पहुंचे बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। अज्ञात बदमाशों ने शटर और गेट का ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया और लाखों रुपये के जेवरात समेट कर बाइक छोड़ मौके से फरार हो गए। देर रात जब मकान मालिक घर लौटे तो बदमाश घर के अंदर ही चोर मौजूद थे, चोरों को उनके आने की आहट मिल गई जिसके बाद आरोपी बाइक छोड़कर भाग निकले। चर्चा है कि ग्रामीणों ने शोर शराबा सुन बदमाशों का पीछा करने का प्रयास भी किया लेकिन दहशत फैलाने के लिए आरोपी दो राउंड फायरिंग करते हुए फरार हो गए। पीड़ित रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी, पिता अम्बिका प्रसाद निवासी बरौली ठकुरान ने बताया कि उनका घर गढ़ी रोड पर होण्डा एजेंसी के पास में है। 6 फरवरी को वो अपने परिवार के साथ रीवा निमंत्रण पर गया था, घर पर कोई नहीं था ताला बन्द था। वो राजकुमार मिश्रा और प्रदीप कुमार त्रिपाठी के कार से रात्रि करीब 1.45 बजे अपने घर पहुंचे तो देखा कि घर की बाउण्ड्री का गेट बन्द था और घर के दरवाजा का ताला टूटा हुआ था और चैनल चिपका हुआ था, इसी दौरान दो लोग चैनल को खोलकर अन्दर से भागते हुए बाहर आए और तीन लोग बाहर ही थे। बदमाशों को देख वो चोर-चोर चिल्लाए तभी 5 की संख्या में रहे बदमाश बाउंड्री से कूदकर बाहर आये और अपनी दोनों मोटर साइकल छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गये।

ये सामग्री हुई चोरी

जवा थाना में चोरी की शिकायत करने पहुचे पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने घर के अन्दर से आलमारी का लॉक तोड़कर सोना, चांदी व हीरा के जेवरात सहित 1 लाख रुपए नकद चुरा ले गए। पीड़ित की शिकायत पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल से दो बाइक जब्त की है। पुलिस अब अज्ञात बदमाशों की तलाश में लगी हुई है, उम्मीद है कि जल्द ही पुलिस आरोपियों की तलाश कर चोरी का पर्दाफाश करेगी।

कार की टक्कर से बाइक सवार 1 छात्र की मौत, 1 घायल

सोहागी थाना क्षेत्र के दुअरा सहिजवार गांव के पास हुआ हादसा

जागरण, रीवा। सोहागी थाना क्षेत्र के दुअरा सहिजवार गांव में बीते दिन बाइक सवार दो स्कूली छात्रों को तेज रफ्तार कार ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एक छात्र की जान चली गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हुआ है। बताया जा रहा है कि स्कूल से लंच टाइम में समोसा खाने निकल बाइक सवार छात्रों को पीछे से आई कार ने टक्कर मार दी। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सीएम राइज स्कूल त्योंथर के छात्र दो अलग अलग बाइक पर सवार होकर लंच टाइम में समोसा खाने सोहागी जा रहे थे। जैसे ही वे दुअरा सहिजवार के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही कार ने एक बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों बाइक आपस में जा टकराई और उसमे सवार छात्र दुर्घटनाग्रस्त हो गए। बताया जा रहा है की दोनों बाइकों पर 6 छात्र सवार थे, जो सभी घायल हो गए।

बाइक सवार की कार की टक्कर से मौत

जिले के तराई अंचल के सोहागी में रविवार की सुबह तकरीबन 9 बजे बाइक और कार की हुई सीधी टक्कर में बाइक सवार युवक की मौत हो गई । घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार को जप्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक सोहागी निवासी साहिल कुशवाहा बाइक से अपनी इलेक्ट्रानिक की दुकान में जा रहा था जैसे ही वह सोहागी चौराहा के पास पहुंचा विपरीत दिशा से आई कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल साहिल को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां जांच उपरांत चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद तत्काल मौके पर पहुंची सोहागी पुलिस ने कार को जप्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ऑनलाइन गेमिंग के शिकार 15 वर्षीय नाबालिग ने अपनी ही मां के 15 लाख के जेवर चुराए

चोरहटा थाना में शनिवार को सामने आया था मामला

जागरण, रीवा। चोरहटा थाना क्षेत्र के मैदानी में वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आई महिला के 15 लाख रुपए कीमत के जेवरात चोरी होने का मामला शनिवार को चोरहटा थाना पहुंचा था। पूरी घटना में महिला का नाबालिग बेटा ही घटना का मास्टरमाइंड निकला। ऑनलाइन गेम की लत से कर्जदार हुए बच्चे ने अपनी ही माँ के कीमती जेवर बेचने का प्लान बनाया था, जिसके बाद पुलिस ने पूरी वारदात का पर्दाफाश कर जेवरात बरामद कर पीड़ित महिला को सुपुर्द कर दिए है। मिली जानकारी के मुताबिक सीधी के जमोड़ी से रीवा वैवाहिक कार्यक्रम में मां के साथ आए नाबालिक पुत्र ने तकरीबन 15 लाख कीमती मां के जेवर पर ही हाथ साफ कर दिया। थाना प्रभारी आशीष मिश्रा ने बताया कि त्रिपाठी परिवार की फरियादिया अपनी बहन के यहां मैदानी वैवाहिक कार्यक्रम में आई थी। शनिवार दोपहर तकरीबन 2 बजे वैवाहिक कार्यक्रम से खाली होने के बाद जब उसने अपने जेवर उतार कर रखें तो चंद मिनटों में सारे के सारे जेवर गायब हो गए। काफी तलाश करने के बाद जब जेवर नही मिले तो घटना की सूचना पुलिस को दी गई। महिला की शिकायत पर चोरहटा पुलिस ने जब पूरे मामले की जानकारी ली तो पता चला कि घटना के बाद से उसका नाबालिग पुत्र भी गायब है। शंका होने पर जब पुलिस ने उसका लोकेशन देखा तो वह सीधी बता रहा था। जिसके बाद पुलिस टीम सीधी रवाना हुई जहां से नाबालिग पुत्र को ढूंढ निकाला, लेकिन चोरी गया सामान नहीं मिला। जिसके बाद पुलिस महिला के पुत्र को लेकर वापस रीवा आई और काफी पूछताछ के बाद पता चला कि नाबालिग ने बताया कि उसने आभूषण सीधी में ही अपने दोस्त के यहां छिपा दिए है। बच्चे की जानकारी के बाद एक बार फिर पुलिस सीधी के लिए रवाना हुई जहां से सोने के जेवरात बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक बच्चा मोबाइल फोन में ऑनलाइन गेम खेलता था जिसमें वह पैसा हार गया और वही पैसा भरने के लिए उसे पैसों की जरूरत थी जिसके लिए उसने चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया। हालांकि इस घटना को लेकर मां का कहना है कि वह उसका पुत्र है और मामला न दर्ज किया जाए जिस पर पुलिस के द्वारा परिजनों को समझाइस दी कि बच्चों पर पूरी नजर रखें, साथ ही मोबाइल फोन की एक्टिविटी पर भी विशेष ध्यान होना चाहिए।

बेचना है
डस्टर - MP04CP-8481
मारुती वैन- MP17-BA-0658
गामा- MP-17 PO-867
अच्छी कंडीसन में है शीघ्र बेचना है
संपर्क करें 9399515129, 8517939495

मऊगंज रेप कांड के आरोपियों को पुलिस ने पहुंचाया जेल

बाइक में बैठाकर जंगल ले गया आरोपी फिर पिलाया शराब और दोस्तों को भी परोसा

जागरण, रीवा। मऊगंज में नाबालिग लड़की के साथ चार की संख्या में आरोपियों ने सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने घटना के बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल पहुंचा दिया है। सामूहिक दुष्कर्म कर हैवानियत करने वाले आरोपी लाला उर्फ नीरज जायसवाल पिता रामदास जायसवाल 21 वर्ष निवासी उमरी माधव थाना मऊगंज, सुभाष जायसवाल पिता श्रवण जायसवाल 23 वर्ष बारिया कला, मिंटू उर्फ बेटू जायसवाल पिता रामगोपाल जायसवाल 24 वर्ष बारिया कला व रविनंदन सिंह गौड उर्फ गांधी पिता गुलाब सिंह गौड़ 22 वर्ष निवासी पैगमा थाना बहरी जिला सीधी को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है। बताया जाता है कि पीड़िता अपनी सहेगी के साथ घर से निकली थी, तभी बाइक सवार आरोपी वहां से गुजरा और उन्हें अपनी बाइक में बैठा लिया, इसके बाद आरोपी उसे जंगल में ले गया। इसी बीच फोन कर वह अपने अन्य तीन साथियों को बुला लिया। बताया गया कि आरोपी युवक लड़की को पूर्व से जानता था और उसी स्कूल में उसका सीनियर था। बताया गया कि आरोपियों ने पीड़िता की सहेली को एक जगह बैठा दिया जबकि उसे माइनिंग वाले क्षेत्र में ले गए जहां पहले उसे शराब का सेवन करवाए और फिर चारों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां की शिकायत के बाद मऊगंज पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल पहुंचा दिया है। बताया गया कि घटना की जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी, लेकिन उस वक्त लड़की कुछ बताने की स्थित में नहीं थी, जिसके दूसरे दिन पूरी वारदात के जुबानी पीड़िता ने महिला पुलिस अधिकारी के सामने बताई।

नाबालिग बच्चे पर फूफा ने किया धारदार हथियार से हमला

रीवा। गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र में रविवार की शाम एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। रिस्ते में नाबालिग बच्चे के फूफा ने 14 साल के नाबालिग के ऊपर धारदार हथियार से हमला किया । घटना में घायल नाबालिग को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अब पूरी घटना की जांच कर रही है। घायल बच्चे के पिता राजकुमार यादव ने बताया कि उसकी चचेरी बहन के पति द्वारा घटना को अंजाम दिया गया है। पीड़ित ने बताया कि चचेरी बहन के साथ रिश्ते का जीजा अक्सर मारपीट करता था, जिसे लेकर थोड़ा तनाव था। बताया गया कि उसके बच्चे को आरोपी जंगल की तरफ मुक्तिधाम के पास ले गया जहां किसी चुकीले धारदार औजार से गले और मुंह में हमला किया। फिलहाल अब गोविंदगढ़ पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है, वहीं घायल बच्चे का उपचार चिकित्सकों द्वारा संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

किराए से देना है
न्यू बस स्टैण्ड एवं स्टेडियम के सामने
प्राइम लोकेशन पर 14-15 कमरे की बिल्डिंग
ऑफिस, कोचिंग, होटल एवं नर्सिंग होम हेतु उपयुक्त
संपर्क करें: 9399515129, 8517939495

विंध्य के वरिष्ठ डॉक्टर
डॉ प्रदीप निगम
MD, DrNB (गैस्ट्रो)
पेट, लीवर, पित, आंत पैंक्रियाज एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
उपलब्ध सुविधा
• एंडोस्कोपी
• कोलोनोस्कोपी
• फाइब्रोस्केन
• ERCP
Call Now 8770352872,7566926696
पता -बाल भारती स्कूल के सामने, समदड़िया गोल्ड सिरमौर चौराहा रीवा

डॉ. बीरभान सिंह
एम.डी. (मेडिसिन)
DrNB (न्यूरोलॉजी) पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक
कंसल्टेन्ट न्यूरोलॉजिस्ट
उपलब्ध सुविधाएं
मो. 7869516171

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/-
परामर्श क्लीनिक: शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्प्लेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

Minerva
मिनर्वा द मेडिसिटी
मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा
विशेष सूचना
कार्डियक सर्जरी
पुनः निःशुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.)
9893516364, 8770288324 | टोल-फ्री नंबर:- 18008892250

मिनर्वा आई.वी.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
• IUI, IVF, ICSI
• फ्रोजन एम्ब्रियो ट्रांसफर साइकिल (FET)
• एग फ्रीजिंग
• एंब्रियो फ्रीजिंग
• स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com